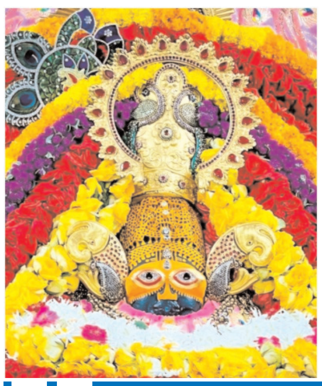

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:356। पेज:।12 mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 17 अगस्त 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुलाया : अमित शाह

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची अष्टधातु प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी
चित्तौड़गढ़। केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाते हुए कहा कि वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुला दिया था। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम के 150वें वर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से इस गीत को फिर से आयुष देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की निर्लज्जता देखिए, कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। चालू गान में कांग्रेस की नेत्री सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने को कहा। हम सब टीवी पर देखते रहे। 80 साल के बाद बंकिम बाबू का यह गान फिर से सम्मान प्राप्त कर रहा है, वो भी सोनिया गांधी को रास नहीं आ रहा है। अमित शाह रविवार को राजस्थान प्रवास के दौरान चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची अष्टधातु प्रतिमा के अनावरण के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता सोनिया गांधी के इस कृत्य को देख रही है। वंदे मातरम का अपमान देश कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में यदि जरा भी शर्म बाकी है तो उसे हाथ जोड़कर बंकिम बाबू की अमर आत्मा और देश की जनता से इस कृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए।

मेवाड़ की वीर भूमि देशभक्तों के लिए काशी से कम नहीं-

केन्द्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि मेवाड़ की यह वीर भूमि देशभक्तों के लिए काशी से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि इस वीर भूमि के महाराणा प्रताप, वीर पूंजा भील और सेठ भामाशाह की राष्ट्रभक्ति, धर्मभक्ति, स्वराज के प्रति लगन ने मुगलों के विजय रथ को रोक कर रख दिया था। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहले 11 लाख घरों तक ही नल से पानी पहुंचा था। माताएं-बहनें सिर पर तीन-तीन मटकियां लेकर कोसों दूर से पानी लेकर आती थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू हुए जल जीवन मिशन से 8 साल में ही राजस्थान में 64 लाख घरों तक पानी पहुंचा है।

वादे पूरे करने की दिशा में तेज गति से काम कर रहे : भजनलाल शर्मा

केन्द्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे वादे पूरे करने की दिशा में तेज गति से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान को पानी की कमी के लिए जाना जाता था, लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तीन बड़े जल समझौते कर आधे राजस्थान की प्यास बुझाने का काम किया है। हरियाणा, गुजरात और पंजाब तक का पानी वे यहां लाए हैं। साथ ही, पूरे राजस्थान को हरियाली से भरने के लिए प्रदेश में विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हुए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। राजस्थान के विकास के लिए 36 नई नीतियां बनाई हैं। प्रदेश में 1 लाख 78 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। गरीब परिवारों को 450 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। अब तक 5 करोड़ 87 लाख सिलेंडर पर प्रदेश में सब्सिडी दी गई है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत प्रदेश में 45 लाख लोगों को लाभ मिला है।

डिग्री के साथ अनुशासन, आचरण और जिम्मेदारी भी जरूरी : उपराष्ट्रपति

आज डिग्री प्राप्त कर रहे विद्यार्थी इस बात का प्रमाण हैं कि विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

एजेंसी
चेंगलपट्टू। चेंगलपट्टू जिले के कट्टांकुलत्तूर स्थित एसआरएम विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 22वें दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान कीं। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ अनुशासन, अच्छे आचरण और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने तथा व्यक्तिगत सफलता के साथ देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज डिग्री प्राप्त कर रहे विद्यार्थी इस बात का प्रमाण हैं कि विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के अनुशासन, कार्यशैली और जीवन के प्रति समग्र दृष्टिकोण का भी महत्वपूर्ण पड़ाव है। कोरोना महामारी के दौरान भारत की भूमिका का उल्लेख करते हुए सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि भारत में निर्मित दवाएं दुनिया के विभिन्न देशों तक पहुंचीं। महामारी के

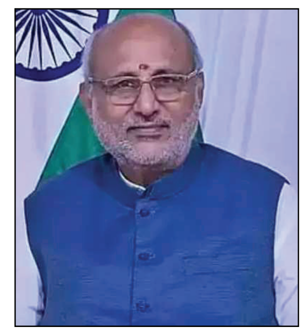

दौरान भारत के दवा उत्पादन और चिकित्सा क्षेत्र के योगदान की कई देशों ने सराहना की। उन्होंने कहा कि हाल ही में केन्या की संसद ने भी भारत के प्रति आभार व्यक्त किया है। भारत ने महामारी के दौरान न केवल अपने नागरिकों की जरूरतें पूरी कीं, बल्कि विभिन्न देशों को भी आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्तियों में तेजी से उभर रहा है। आर्थिक रूप से चौथे स्थान पर स्थित भारत जल्द ही तीसरे स्थान की ओर बढ़ रहा है। देश को भविष्य में दुनिया की अग्रणी आर्थिक शक्ति बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश में तकनीकी शिक्षा संस्थानों, विश्वविद्यालयों और एम्स जैसे चिकित्सा संस्थानों समेत शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है। देश के विकास और भविष्य के निर्माण में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी व्यक्तिगत प्रगति तक सीमित न रहें, बल्कि देश के विकास में भी सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम के माध्यम से प्राप्त शिक्षा विद्यार्थियों को डिग्री दिला सकती है, लेकिन जीवन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए शिक्षा के साथ अनुशासन, अच्छा आचरण और जिम्मेदारी की भावना भी जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को नहीं, अलगाव और पूर्वोत्तर को अलग करने वालों को कहा 'दिमागी नक्सल': किरेन रिजिजू

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'दिमागी नक्सल' शब्द के इस्तेमाल को लेकर रविवार को स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है, बल्कि यह शब्द माओवादियों, अलगाववादियों और भारत को तोड़ने की विचारधारा रखने वालों के लिए इस्तेमाल किया गया है।

रिजिजू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री के बयान की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि माओवाद का समर्थन करने, भारतीय संविधान को अस्वीकार करने, अलगाववादियों के साथ खड़े होने और अनुच्छेद 370 का समर्थन करने वाले लोगों के अलावा पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने की कोशिश करने वालों को 'दिमागी नक्सल' कहा गया है। अपने पोस्ट के साथ रिजिजू ने शर्जील इमाम के एक पुराने बयान का भी हवाला दिया, जिसमें पूर्वोत्तर भारत को देश से अलग करने की बात कही गई थी। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल किया था। उन्होंने ऐसे लोगों को अलग-थलग करने की जरूरत बताई थी। इसके बाद विपक्षी दलों ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री का इशारा सरकार की नीतियों का विरोध करने वाले विपक्षी दलों और नेताओं की ओर था। रिजिजू ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह शब्द उन लोगों के लिए इस्तेमाल किया गया है जो माओवादी विचारधारा का समर्थन करते हैं, संविधान को अस्वीकार करते हैं या देश की एकता और अखंडता के खिलाफ अलगाववादी विचार रखते हैं।

प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है, बल्कि यह शब्द माओवादियों, अलगाववादियों और भारत को तोड़ने की विचारधारा रखने वालों के लिए इस्तेमाल किया गया है।

100 अटल कैंटीन का संकल्प पूरा

पांच रुपये में मिलेगा 1 लाख लोगों को पौष्टिक भोजन

इन 100 अटल कैंटीनों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 1 लाख श्रमिकों और जरूरतमंद परिवारों को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध होगा।

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार का कहना है कि रविवार को तिमारपुर से 25 नई अटल कैंटीन का उद्घाटन करके राजधानी में 100 अटल कैंटीन का संकल्प पूरा हो गया है। सरकार का कहना है कि पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 25 दिसंबर 2025 को लिया गया 100 अटल कैंटीन का संकल्प आज उनकी पुण्यतिथि पर पूर्ण हुआ। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने रविवार को तिमारपुर से 25 नई अटल कैंटीन का उद्घाटन कर उन्हें दिल्लीवासियों की सेवा में समर्पित किया। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के शिक्षा आशीष सूद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी, विधायक सूर्य प्रकाश खत्री उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से इन 100 अटल कैंटीनों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 1 लाख श्रमिकों और जरूरतमंद परिवारों को मात्र 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध होगा। इसके साथ ही दिल्लीवासियों से किया गया एक और वादा हमारी सरकार ने पूरा किया है।

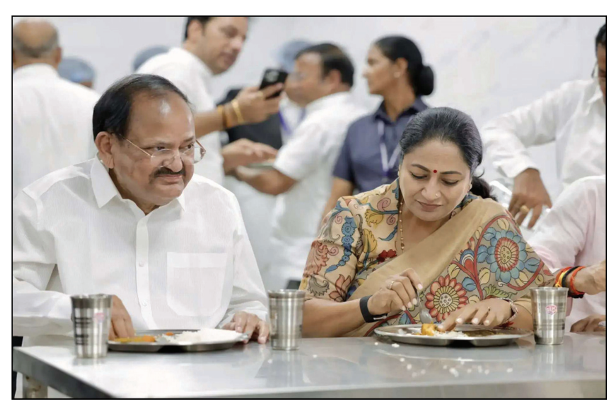

पेपर लीक और सिवान गोलीकांड के खिलाफ 19 अगस्त को राजभवन मार्च करेंगे: तेजस्वी यादव

एजेंसी
पटना। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार में पेपर लीक, रोजगार और सिवान में छात्रों पर गोली चलाए जाने की घटना को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इन मुद्दों को लेकर 19 अगस्त को राजभवन मार्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मार्च के माध्यम से राज्यपाल के समक्ष छात्रों और युवाओं की समस्याओं को रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार लगातार पेपर लीक की घटनाओं के कारण बदनाम हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में मैट्रिक, इंटर से लेकर विभिन्न बहाली परीक्षाओं तक में पेपर लीक की शिकायतें सामने आती रही हैं।

महाराष्ट्र के कोलाबा में नौसैनिक के घर से 4 शव बरामद होने से सनसनी

एजेंसी
मुंबई। महाराष्ट्र के कोलाबा स्थित नेवी नगर में भारतीय नौसेना के एक नाविक, उनकी पत्नी और दो छोटे बच्चों के घर पर मृत पाए जाने से सनसनी फैल गई। बच्चों की उम्र दो महीने और तीन साल बताई गई है। नेवीनगर पुलिस ने चारों शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को नेवीनगर में स्थित नेवी क्वार्टर से एक नाविक, उसकी पत्नी और दो बच्चों का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। नाविक के आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, दोनों बच्चों की मौत की परिस्थितियां अभी स्पष्ट नहीं हैं। प्रथम दृष्टया आशंका है कि बच्चों की मौत जहर दिए जाने से हुई हो सकती है। हालांकि मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

वंदे मातरम के कथित विरोध पर भाजपा का कांग्रेस पर हमला 24 घंटे में माफी की मांग

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के पाठ के कथित विरोध को लेकर कांग्रेस नेतृत्व पर हमला बोला है। भाजपा ने कांग्रेस से इस मामले में सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। भाजपा मुख्यालय में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राष्ट्रीय गीत का विरोध केवल 'दिमागी नक्सल' विचारधारा से प्रभावित लोग ही कर सकते हैं। उन्होंने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से पांच सवाल भी पूछे। भंडारी ने कथित तौर पर वंदे मातरम का अपमान किए जाने को लेकर कांग्रेस से 24 घंटे के भीतर सार्वजनिक माफी मांगने को कहा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस विचारधारा के राजनीतिक संरक्षक हैं। उन्होंने एक ऑडियो का हवाला देते हुए कहा कि इसमें राहुल गांधी के वंदे मातरम नहीं गाने की बात कही गई है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि केरल में कांग्रेस सरकार ने भी आधिकारिक कार्यक्रमों में वंदे मातरम का पाठ नहीं किया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इन घटनाओं से कांग्रेस पर लगाए जा रहे राष्ट्रवाद की कमी के आरोपों को बल मिलता है और कांग्रेस नेता जयराम रमेश के बयान भी गलत साबित होते हैं।

मध्य प्रदेश के इंदौर में देश के पहले वर्चुअल चिड़ियाघर का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने इंदौर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय में 14-डी सिनेमा थिएटर और वर्चुअल जंगल सफारी का किया भी लोकार्पण

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश के इंदौर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को देश के पहले वर्चुअल चिड़ियाघर का लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने इंदौर प्राणी संग्रहालय में स्थापित साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से पीपीपी मॉडल पर निर्मित 14-डी सिनेमा थियेटर एवं वर्चुअल जंगल सफारी का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर जो भी करता है, सबसे अच्छा करता है। इंदौर निरंतर नवाचार और विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्चुअल जंगल सफारी आमजन के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। इससे लोगों को जंगल और वन्यजीवों का आभासी अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से नगर निगम को आमदनी भी प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों एवं स्कूली बच्चों के साथ 14-डी सिनेमा थियेटर में बैठकर फिल्म का आनंद लिया। फिल्म देखने के बाद उन्होंने कहा कि दोनों फिल्में देखकर उन्हें अद्भुत आनंद की अनुभूति हुई। उन्होंने वर्चुअल जंगल सफारी का भी अवलोकन किया तथा सफारी की व्यवस्थाओं एवं तकनीकी विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने रिमोट दबाकर फव्वारे का शुभारंभ किया। उन्होंने एक्वेरियम में मौजूद रंग-बिरंगी मछलियों का भी अवलोकन किया। उन्होंने प्राणी संग्रहालय में विकसित की गई इन नवीन सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे शहरवासियों, बच्चों और पर्यटकों को मनोरंजन के साथ वन्यजीवों एवं प्रकृति को नए तकनीकी माध्यम से समझने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, सावन सोनकर, सुमित मिश्रा, गौरव रणदिवे, एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

पंजाब में आतंकी हमला नाकाम: अमृतसर में आईईडी बरामद

इन ठिकानों को उड़ाने की थी प्लानिंग

डेटोनेटर-टाइमर भी मिला

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के इंदौर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को देश के पहले वर्चुअल चिड़ियाघर का लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने इंदौर प्राणी संग्रहालय में स्थापित साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से पीपीपी मॉडल पर निर्मित 14-डी सिनेमा थियेटर एवं वर्चुअल जंगल सफारी का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर जो भी करता है, सबसे अच्छा करता है। इंदौर निरंतर नवाचार और विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्चुअल जंगल सफारी आमजन के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। इससे लोगों को जंगल और वन्यजीवों का आभासी अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से नगर निगम को आमदनी भी प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों एवं स्कूली बच्चों के साथ 14-डी सिनेमा थियेटर में बैठकर फिल्म का आनंद लिया। फिल्म देखने के बाद उन्होंने कहा कि दोनों फिल्में देखकर उन्हें अद्भुत आनंद की अनुभूति हुई। उन्होंने वर्चुअल जंगल सफारी का भी अवलोकन किया तथा सफारी की व्यवस्थाओं एवं तकनीकी विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने रिमोट दबाकर फव्वारे का शुभारंभ किया। उन्होंने एक्वेरियम में मौजूद रंग-बिरंगी मछलियों का भी अवलोकन किया। उन्होंने प्राणी संग्रहालय में विकसित की गई इन नवीन सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे शहरवासियों, बच्चों और पर्यटकों को मनोरंजन के साथ वन्यजीवों एवं प्रकृति को नए तकनीकी माध्यम से समझने का अवसर मिलेगा।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

पुलिस पोस्ट के सामने युवक की हत्याः 10 गुंडे एक टेम्पो में आए, उसे कुचला और पीठ में 15 से ज़्यादा बार चाकू मारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कल देर रात (15 अगस्त) रानीप पुलिस पोस्ट के सामने अजय साल्वी नाम के युवक की हत्या कर दी गई। 12 दिन पहले हुए झगड़े में 8 से 10 गुंडे एक टेम्पो में आए और उसे कुचला और पीठ में 15 से ज़्यादा बार डंडे, डंडे और चप्पू से वार किया। हमले में युवक के पेट से उसकी आंतें भी बाहर आ गईं। यह हत्या सरेआम और रानीप पुलिस पोस्ट के सामने हुई। पुलिस कमिश्नर ने सभी अधिकारियों को रात में मौजूद रहने का निर्देश दिया है। जब देर रात सरेआम ऐसी हत्या होती है, तो पुलिस की परफॉर्मेंस पर सवाल उठते हैं। ऋक्षह चौराहे के पास अजय साल्वी नाम के 37 साल के युवक पर विशाल चौहान और उसके 8 से 10 साथियों ने तलवार और धारिया जैसे धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में अजय गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके चलते उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। हालांकि, गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान अजय की मौत हो गई। पुलिस ने अजय के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और शिकायत दर्ज कर ली है। घटना के संबंध में इलाके के CCTV फुटेज और परिवार वालों के बयान लिए जा रहे हैं।

रैपिडो से पार्सल भेजने के बाद लड़की के साथ बुरा अनुभवः फोन पर आए ढेर सारे हञ्जक्कमैसेज, फेक ID बनाकर अश्लील मैसेज लिखे

हानगर मेट्रो ब्यूरो

नवरंगपुरा। अहमदाबाद के नवरंगपुरा में रहने वाली एक ढ्ढञ्ज इंजीनियर लड़की का रैपिडो से पार्सल भेजने के बाद डिलीवरी बॉय से किराए को लेकर झगड़ा हो गया। झगड़े के बाद लड़की को अलग-अलग नंबरों से ढेर सारे OTP मैसेज मिले। किसी अनजान आदमी ने लड़की के नाम से फेक इंस्टाग्राम ID बनाकर

DP में उसकी फोटो लगाई, स्टोरी में भी उसकी फोटो लगाई और अश्लील मैसेज भी लिखे। इतना ही नहीं, अनजान आदमी ने पैसे और iPhone भी मांगे, जिसकी शिकायत लड़की ने नवरंगपुरा पुलिस स्टेशन में की है। 23 मई को लड़की ने रैपिडो एप्लीकेशन से पार्सल भेजा था और गूगल पे से 77 रुपये किराया दिया था। डिलीवरी बॉय के लड़की से पैसे मांगने पर लड़की ने डिलीवरी बॉय को गूगल पे का स्क्रीनशॉट भेजा, लेकिन डिलीवरी बॉय लड़की के घर यह कहकर पहुंच गया कि उसे पैसे नहीं मिले हैं। लड़की ने डिलीवरी बॉय के बुरे बर्ताव की शिकायत रैपिडो से की 23 मई को लड़ाई के बाद 26 मई को लड़की के फोन पर अलग-अलग नंबरों से रैपिडो और दूसरी कंपनियों के OTP आने लगे। लड़की ने जिस कंपनी में काम करती थी, वहां बिजनेस के लिए फॉर्म भरे थे, जिसमें पर्सनल डिटेल्स में गंदे शब्द लिखे थे। इतना ही नहीं, लड़की को उसके मिले-जुले नाम से एक ईमेल मिला, जिसमें गंदे मैसेज भी भेजे गए थे। कुछ दिनों बाद लड़की के नाम से एक फेक ID बनाई गई, जिसमें उसकी फोटो को DP के तौर पर इस्तेमाल किया गया। लड़की की फोटो का इस्तेमाल करके एक स्टोरी भी लिखी गई और गंदे मैसेज भी लिखे गए। लड़की ने अपनी ID से फेक ID पर मैसेज भेजकर पूछा, 'तुम्हें क्या चाहिए?' उसके सामने वाले व्यक्ति ने लड़की से कहा कि उसे माफी मांगनी होगी, 77 हजार रुपये और एक आईफोन लेना होगा। अगर उसने पैसे नहीं दिए तो वह लड़की की फोटो और टेक्स्ट उसके दोस्तों को भेज देगा। लड़की ने ऐसी मांग करने वाले एक अनजान व्यक्ति के खिलाफ नवरंगपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में जंक फूड की बिक्री पर रोक लगाने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। छोटे बच्चों में बढ़ती गंभीर बीमारियों और बिगड़ती सेहत को ध्यान में रखते हुए, स्टेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने शिक्षा मंत्री को लेटर लिखकर स्कूल कैंपस में जंक फूड की बिक्री पर सख्त रोक लगाने की मांग की है। एसोसिएशन ने स्कूल कैंटीन के लिए सख्त SOP बनाने और स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में जंक फूड, पैकेट फूड और ज़्यादा तेल और चीनी वाले खाने

की चीज़ों की बिक्री पर रोक लगाने का प्रस्ताव दिया है। गौरतलब है कि हाल ही में महाराष्ट्र सरकार ने भी स्कूलों के 50 मीटर के दायरे में जंक फूड की बिक्री पर रोक लगा दी है।

कैंटीन के रजिस्ट्रेशन और समय-समय पर चेकिंग की मांग

सोसाइटी मैनेजमेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट भास्कर पटेल ने कहा कि स्कूलों में चल रही कैंटीन का रजिस्ट्रेशन ज़रूरी होना चाहिए। इसके अलावा, नगर निगमों और नगर पालिकाओं द्वारा कैंटीन में परोसे जाने वाले खाने की चीज़ों की समय-समय पर चेकिंग होनी चाहिए। अगर कोई संस्था सरकार के SOP का पालन नहीं करती है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की गई है।

पौष्टिक खाने की आदत डालने पर ज़ोर

एक बच्चा चत्त से लेकर स्टैंडर्ड 12वीं तक अपना ज़्यादातर समय स्कूल में बिताता है, इसलिए उसे कम उम्र से ही पौष्टिक खाने की आदत डालना ज़रूरी है। चेयरमैन ने पहले की तरह चना और चने जैसे पौष्टिक खाने का इस्तेमाल बढ़ाने पर ज़ोर दिया। 17 दिन पहले, महाराष्ट्र फ़ूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने राज्य के सभी सरकारी, प्राइवेट, CBSE और ICSE स्कूलों में ज़्यादा फ़ैट, चीनी और नमक वाले जंक फ़ूड पर पूरी तरह से बैन लगा दिया है, ताकि स्टूडेंट्स को पौष्टिक खाना मिले। नए ऑर्डर के मुताबिक, स्कूल कैंपस और गेट के 50 मीटर के अंदर जंक फ़ूड की बिक्री, विज्ञापन या बांटना मना होगा।

गुजरात-महाराष्ट्र बॉर्डर पर माफिया का 'कसीनो राज'

वापी से अंकलेश्वर तक के जुआरियों के लिए नवापुर बना महफ़ूज़ ठिकाना; शिकायतकर्ताओं को दी जा रही जान से मारने की धमकियां

क्राइम हब बना नवापुरः खाकी की सरपरस्ती में फल-फूल रहा करोड़ों का काला कारोबार

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नवापुर। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले का सीमावर्ती कस्बा नवापुर अब पूरी तरह अपराध, खौफ और गैर-कानूनी गतिविधियों की गिरफ्त में आ चुका है। पुलिस प्रशासन की संदिग्ध चुप्पी और शह के चलते गुजरात-महाराष्ट्र बॉर्डर का यह इलाका माफियाओं के लिए एक सुरक्षित कसीनो में तब्दील हो चुका है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, यहाँ प्रतिदिन करोड़ों रुपये का काला कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है, जबकि कानून के रखवाले मूकदर्शक बने हुए हैं।

बंगले से पक्के शेड तकः संगठित सिंडिकेट का सीक्रेट नेटवर्क

नवापुर पुलिस स्टेशन की सीमा में दो प्रमुख स्थानों पर यह अवैध साम्राज्य फैला हुआ है एक आलीशान बंगले को सीक्रेट कसीनो का रूप देकर हाई-प्रोफाइल जुआरियों के लिए खेल का इंतजाम किया जाता है।

विसारवाड़ी इलाका, एकता होटल के पीछेः यहाँ एक बड़ा पक्का शेड बनाकर बड़े पैमाने पर जुए की महफिलें सजाई जाती हैं। इस पूरे काले नेटवर्क को राकेश गोसावी उर्फ पप्पू गोसावी, राइस शेख और सूरज जायसवाल का संगठित सिंडिकेट चला रहा है, जहाँ 'आसरो' (नंबरों का जुआ) और 'ट्रान पट्टी' जैसे जोखिम भरे खेलों में रोजाना करोड़ों रुपये दांव पर लगाए जा रहे हैं। गुजरात से लग्जरी कारों का काफिलाः रात के अंधेरे में करोड़ों का दांव यह जुआ अड्डा केवल स्थानीय लोगों तक सीमित नहीं है। गुजरात के औद्योगिक शहरों–वापी, वलसाड, सूरत, भरूच और अंकलेश्वर –से रसूखदार जुआरी लग्जरी गाड़ियों के काफिले के साथ यहाँ पहुँचते हैं। देर रात 1 बजे अड्डों के बाहर खड़ी गुजरात नंबर की दर्जनों गाड़ियाँ इस अवैध धंधे के विशाल पैमाने की गवाही देती हैं। सवाल यह उठता है कि क्या पुलिस को रात के अंधेरे में खड़ी ये गाड़ियाँ वाकई नजर नहीं आतीं?

आला अधिकारियों की चुप्पी पर उठे गंभीर सवाल

स्थानीय नागरिकों द्वारा नवापुर पुलिस स्टेशन के PI अभिषेक पाटिल को बार-बार लिखित व मौखिक शिकायतें देने के बावजूद आज तक एक भी रेड नहीं मारी गई। मामला केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं है नंदुरबार SP अश्विनी सनप, LCB PI और IG संजय यानपुरे तक को इस स्थिति से अवगत कराया जा चुका है। कार्रवाई के अभाव में यह चर्चा जोरों पर है कि लाखों रुपये की मासिक 'किश्तों' (हफ्तों) ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को पंगु बना दिया है। स्थिति इतनी खतरनाक हो चुकी है कि इस काले धंधे के खिलाफ आवाज उठाने वाले आम नागरिकों और पत्रकारों को जान से मारने और झूठे केस में फंसाने की खुलेआम धमकियाँ दी जा रही हैं।

अतीत का आईनाः जब कार्रवाई से हिला था माफिया नेटवर्क

पूर्व में महानगर मेट्रो न्यूज़' के खुलासे के बाद तत्कालीन IG शेखर साहेब ने कड़ा रुख अपनाते हुए राइस शेख के ठिकानों पर सीधी रेड मारी थी। उस समय करोड़ों की संपत्ति जब्त हुई थी और कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले

तत्कालीन नवापुर PI को तत्काल निलंबित कर दिया गया था।

जनता का तीखा सवालः क्या नंदुरबार में कानून का राज खत्म हो चुका है?

पूर्व की सख्त कार्रवाई के बावजूद, नवापुर पुलिस स्टेशन एक बार फिर अपराधियों की शरणस्थली बन गया है। PI अभिषेक पाटिल और SP मैडम की रहस्यमयी चुप्पी ने प्रशासन की साख पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। क्या नवापुर में हफ्ता वसूली का यह खेल यूं ही चलता रहेगा या कोई निडर और ईमानदार अधिकारी आकर इस गिरोह पर सर्जिकल स्ट्राइक करेगा? खाकी के इस गिरते स्तर से त्रस्त जनता अब शीर्ष स्तर से कड़े प्रहार का इंतजार कर रही है।

भरोसे का फायदा उठाकर करोड़ों रुपये का गबनः बिल्डर ने अकाउंटेंट को साइन की हुई खाली चेक बुक दीं

16 महीने में किसी और के अकाउंट में 1.23 करोड़ ट्रांसफर कर दिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें अहमदाबाद के CTM इलाके में मौजूद एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के अकाउंटेंट ने बिल्डर के भरोसे का फायदा उठाकर 1.23 करोड़ की धोखाधड़ी की। आरोपी अकाउंटेंट ने अकाउंटेंट के साइन किए हुए खाली चेक में लेबर वर्क का पेमेंट दिखाकर रकम अपने जान-पहचान वालों के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर दी थी। कंपनी के ऑडिट में पूरा घोटाला सामने आने के बाद बिल्डर ने खोखरा पुलिस स्टेशन5में केस दर्ज कराया है।

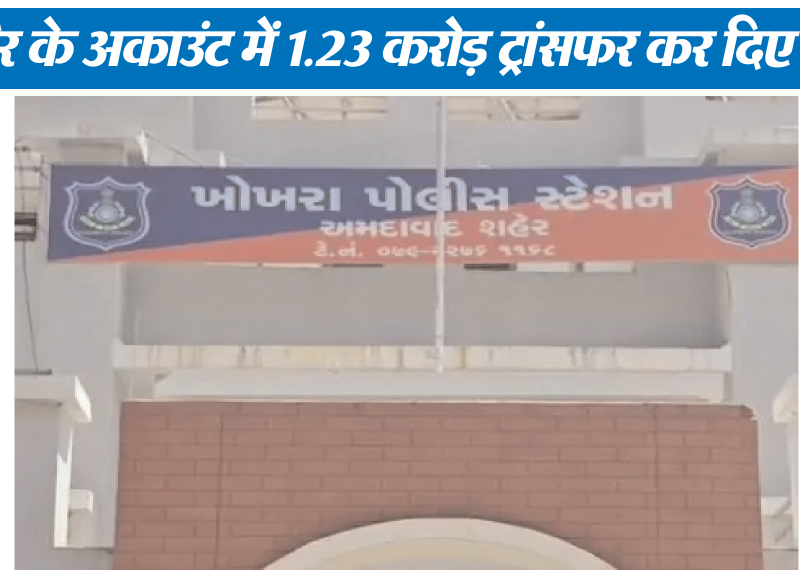

भरोसा बनाकर साइन की हुई चेक बुक हासिल करना

घोड़ासर में रहने वाले शरद पटेल ष्ट्ठञ्जरू में अनमोल आंगन कॉम्प्लेक्स में 'महादेव कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड' और 'ओम इंफ्रास्ट्रक्चर' नाम से कंस्ट्रक्शन का बिजनेस करते हैं। मणिनगर की मार्मिक पंड्या पिछले दस साल से उनकी कंपनी में अकाउंटेंट के तौर पर काम कर रही थीं। क्योंकि वह काफी समय से काम कर रहा था, इसलिए बिल्डर ने उस पर भरोसा किया और पेमेंट करने के लिए उससे साइन की हुई एक खाली चेक बुक रख ली। अगस्त, 2024 से नवंबर, 2025 तक मार्मिक पंड्या ने अपने तरीके से चेक भरकर अलग-अलग बैंक अकाउंट में जमा किए थे। उसने इन एंट्री को टैली सॉफ्टवेयर में लेबर चार्ज के तौर पर दिखाया था। हाल ही में जब कंपनी के चार्टर्ड अकाउंटेंट ने ऑडिट किया तो लेबर पेमेंट से जुड़े बिल मांगे गए। जब फाइल में बिल नहीं मिला तो जांच की गई तो पता चला कि ट्रांसफर की गई रकम कंपनी से जुड़े नहीं अनजान लोगों के अकाउंट में गई है। बिल्डर शरद पटेल ने मार्मिक पंड्या के खिलाफ खोखरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जब यह पता चला कि आरोपी ने अपने साथियों के अकाउंट में कुल 1.23 करोड़ जमा करके भरोसा तोड़ा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई कर रही है।

झ्ठासरा में सरकारी भ्रष्टाचार का एक और उदाहरण चितलाव को सरदारपुरा से जोड़ने वाला पुल गिरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। जिले के ठासरा तालुका में एक बहुत ही शर्मनाक घटना सामने आई है, जिसने उद्घाटन और क्वालिटी के बड़े-बड़े दावों की पोल खोल दी है। ठासरा तालुका के चितलाव गांव को सरदारपुरा गांव से जोड़ने वाले एक ज़रूरी पुल के अचानक गिरने से पूरे इलाके में भारी हंगामा मच गया है। स्थानीय लोगों के लिए लाइफलाइन जैसे इस पुल के गिरने से प्रशासन के खराब कामकाज और ठेकेदारों के भ्रष्टाचार पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। चितलाव और सरदारपुरा के बीच यह पुल आसपास के कई गांवों के आने-जाने का मुख्य रास्ता था।

यह सड़क रोज़ाना के काम, स्कूल-कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स और इलाज के लिए हॉस्पिटल जाने वाले मरीज़ों के लिए बहुत ज़रूरी थी। पुल गिरने से दोनों गांवों के बीच सीधा संपर्क टूट गया है, जिससे स्थानीय लोगों को किलोमीटरों का सफ़र तय करना पड़ रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से बना यह पुल लकड़ी की तरह क्यों टूट गया? इस घटना को लेकर लोकल लोगों में बहुत गुस्सा है। गांव वाले सीधे तौर पर आरोप लगा रहे हैं कि लोगों के टैक्स के पैसे से बने इस पुल को बनाने में इस्तेमाल किए गए घटिया मटीरियल और घटिया कंस्ट्रक्शन की वजह से यह हादसा हुआ। सवाल उठता है कि क्या सरकारी अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्टर की मिलीभगत के बिना इतनी बड़ी लापरवाही मुमकिन है? हादसे की खबर मिलते ही आस-पास के इलाके से लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। लोग गुस्से में पूछ रहे हैं ट्रैफिक को ठीक करने के लिए एडमिनिस्ट्रेशन कोई दूसरा इंतज़ाम कब करेगा? अगर इस मामले में सही जांच नहीं हुई और करप्ट अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ सख्त एक्शन नहीं लिया गया तो ठासरा के लोग आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन करने की धमकी भी दे रहे हैं।

दिल्ली युनिवर्सिटी में नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन लाइब्रेरी विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर हुआ मंथन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग एवं दिल्ली पुस्तकालय संघ के संयुक्त तत्वावधान में पुस्तकालय दिवस के अवसर पर 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शिक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल और महत्वपूर्ण आयोजन टैगोर सभागार,दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में किया गया। इस भव्य समारोह का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेलंगाना के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला जी ने किया।अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो.बलराम पाणि ने की।डॉ.अजय शंकर पांडेय,पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी एवं पूर्व आयुक्त, झांसी तथा प्रो.पायल मग्गो,निदेशक,मुक्त शिक्षा महाविद्यालय,दिल्ली विश्वविद्यालय सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ.एस.आर.रंगनाथन की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ।इसके उपरांत महामहिम द्वारा नव-निर्मित संगोष्ठी और व्याख्यान कक्ष का उद्घाटन किया गया।दीप प्रज्ज्वलन और राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम शुभारंभ हुआ। सम्मेलन की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्यों पर प्रो.एम.पी.सिंह ने प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शिक्षा को आधुनिक,कौशलपरक तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुकूल विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो.के.पी.सिंह ने अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विभाग की शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों का उल्लेख किया।इस अवसर पर हिन्दू अध्ययन केंद्र दिल्ली विश्वविद्यालय की संयुक्त निदेशक डॉ.प्रेरणा मल्होत्रा ने विभाग की 80 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर आधारित पुस्तक के संबंध में

जानकारी प्रस्तुत की।राज्यपाल जी के कर-कमलों द्वारा पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही 'दिल्ली पुस्तकालय संघ जीवनपर्यंत उपलब्धि सम्मान-2026' से प्रो.पी.बी.मंगला तथा 'दिल्ली पुस्तकालय संघ जन-जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार अवार्ड -2026' से प्रो.मनोज कुमार कैन को महामहिम द्वारा सम्मानित किया गया।प्रो.कैन को यह सम्मान पुस्तकालय एवं ज्ञान-संवर्धन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। अपने संबोधन में माननीय राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला जी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा,ज्ञान और नवाचार की भूमिका को रेखांकित किया।उन्होंने पुस्तकालयों को केवल पुस्तकों के संग्रह का केंद्र न मानकर ज्ञान,अनुसंधान और सामाजिक जागरूकता के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी और डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व को भी रेखांकित किया।उन्होंने बताया पुस्तकालय को भारत की संस्कृति का जनक माना जाता है।उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि आज युवाओं से बात करके अपनी संस्कृति के बारे में बताने की आवश्यकता है।अपने परिवार के बच्चों को समझाते हुए उनके व्यवहारिक ज्ञान को समृद्ध करने की जरूरत है।जेन-जी के प्रश्नों का उत्तर देना चाहिए,समझाना चाहिए समाधान देना चाहिए।उस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि नेपाल में व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन ने उसकी पूरी धरोहर और अनेक प्रकार की संस्कृति को नष्ट कर दिया परंतु अब नेपाल अपनी पुरानी लोकतांत्रिक पद्धति पर ही चल रहा है। डॉ.अजय शंकर पांडेय ने शिक्षा और ज्ञान को राष्ट्र एवं समाज के विकास का महत्वपूर्ण आधार बताया। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. बलराम पाणि ने उच्च शिक्षा में अनुसंधान,नवाचार तथा बहुविषयक दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित किया उद्घाटन सत्र के अंत में वरिष्ठ प्रो.आर.के.भट्ट ने सभी का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन के विभिन्न तकनीकी सत्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शिक्षा,कृत्रिम बुद्धिमत्ता,उभरती प्रौद्योगिकियों तथा आधुनिक पुस्तकालय सेवाओं से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। समापन सत्र में प्रो.संजय श्रीवास्तव,कुलपति,मानव रचना विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।इस सत्र की अध्यक्षता प्रो.के.पी.सिंह,ने की।श्री सिया शरण प्रधान निदेशक-सीएजी,भारत तथा डॉ.पुष्कर मिश्रा,निदेशक,रामपुर रज़ा पुस्तकालय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

के.पी. स्वामी ब्लैकमेल केसः 5 करोड़ की फिरौती मांगने वाले कपल समेत तीन आरोपी जेल भेजे गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडताल। धर्म के नाम पर या पर्सनल मामलों में समझौता करके करोड़ों रुपये ऐंठने वाले गुंडों के एक गैंग का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने मास्टरमाइंड कपल समेत तीन लोगों को रंगे हाथों पकड़ा है, जिन्होंने वडताल धाम से जुड़े जाने-माने के.पी. स्वामी को अश्लील वीडियो और झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 5 करोड़ रुपये की भारी फिरौती मांगी थी। जैसे ही यह

घटना सामने आई, साधु-संतों और भक्तों में भारी हंगामा मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने के.पी. स्वामी की रेप्युटेशन खराब करने और समाज में उन्हें बदनाम करने का मास्टर प्लान बनाया था। स्वामी को ब्लैकमेल किया जा रहा था और लगातार दबाव बनाया जा रहा था कि अगर 5 करोड़ रुपये नहीं दिए गए तो उन पर गंभीर आरोप लगाए जाएंगे और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा। मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान करने वाले इन ब्लैकमेलर्स के आगे झुकने के बजाय, मामला आखिरकार पुलिस स्टेशन तक पहुंच गया। स्वामी से मिली एक खास शिकायत के आधार पर, पुलिस ने एक तेज़ और सीक्रेट ऑपरेशन किया। आरोपी फिरौती की रकम वसूलने के लिए बिछाए गए जाल में आसानी से फंस गए। पुलिस ने घेरा इन तीनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पता चला है कि उनके पास से ब्लैकमेलिंग के लिए इस्तेमाल किए गए डिजिटल सबूत और मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।गुजरात के एक खास से सीधा सवालः धमकी देकर करोड़ों पार कराने का नेटवर्क कहां तक है फिलहाल, पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी और वसूली का सख्त केस दर्ज किया है और आगे की पूछताछ कर रही है।

कामरेज में नकली घी फैक्ट्री का पर्दाफाश, 5157 लीटर घी जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत/डीसा। गुजरात में मिलावटखोरों के खिलाफ खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सूरत के कामरेज पंथक में कथित नकली घी बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। बताया गया कि फैक्ट्री का मुख्य गेट बाहर से बंद रखा जाता था और अंदर बड़े स्तर पर घी तैयार करने का काम चल रहा था। सूचना मिलने पर खाद्य विभाग की टीम ने मौके पर छापा मारा तो भारी मात्रा में तैयार घी और उसे बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल बरामद हुआ। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से 5,157 लीटर संदिग्ध घी जब्त किया। इसके अलावा 1,770 किलो वेजिटेबल और पाम ऑयल भी मिला, जिसका इस्तेमाल घी तैयार करने में किए जाने की आशंका है। अधिकारियों ने घी बनाने और पैकिंग में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी, फ्लेवर तथा अन्य सामग्री भी कब्जे में ली है। बरामद सामग्री के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद साफ होगा कि घी में किस स्तर पर और किस तरह की मिलावट की गई थी। खाद्य विभाग की कार्रवाई यहीं नहीं रुकी। बनासकांठा जिले के डीसा शहर में भी टीम ने जांच अभियान चलाते हुए 987 लीटर संदिग्ध घी बरामद किया। यहां भी अधिकारियों ने घी के नमूने लेकर जांच शुरू कर दी है। दोनों जगहों से बड़ी मात्रा में संदिग्ध घी मिलने के बाद विभाग अब यह पता लगाने में जुटा है कि तैयार माल की सप्लाई कहां की जा रही थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। कामरेज की फैक्ट्री में बाहर से ताला या बंद गेट रखने की बात सामने आने के बाद अधिकारियों को आशंका है कि कारोबार को छिपाकर संचालित किया जा रहा था। जांच एजेंसियां अब फैक्ट्री के संचालक, सप्लायर, कच्चे माल के स्रोत और तैयार घी की बिक्री से जुड़े नेटवर्क की जानकारी जुटा रही हैं। साथ ही यह भी जांचा जा रहा है कि जब्त घी किसी ब्रांड के नाम पर बाजार में तो नहीं भेजा जा रहा था। गुजरात में लगातार सामने आ रहे मिलावटी खाद्य पदार्थों के मामलों के बीच इस कार्रवाई ने एक बार फिर खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। खासकर घी जैसे रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले खाद्य पदार्थ में मिलावट लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर अन्य कानूनी धाराएं भी लगाई जा सकती हैं।

अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पू मोरारीबापू की आवाज़ से राम कथा और तुलसी जन्मोत्सव शुरू

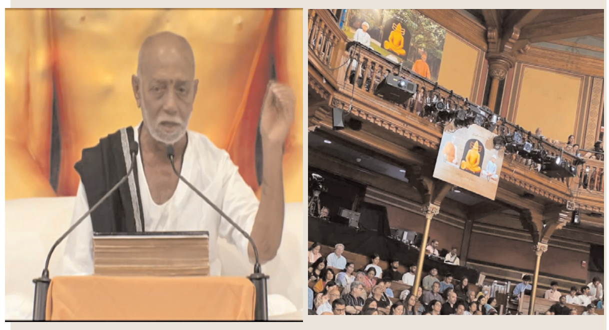

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी बोस्टन में है। इसे दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटी माना जाता है। जिसमें रतन टाटा और राहुल बजाज जैसे भारत के मशहूर उद्योगपतियों ने पढ़ाई की है। वहां के मेमोरियल हॉल में पू मोरारीबापू की आवाज़ से रामचरित मानस का गान शुरू हो गया है। यह भी कहा जा सकता है कि यूनाइटेड नेशंस और कैम्ब्रिज जैसी यूनिवर्सिटी में कथा गाए जाने के बाद, हार्वर्ड में एक बार फिर राम का नाम नई शान के साथ सुनाई दे रहा है। यह ऐतिहासिक है। पू मोरारीबापू ने इसे ऐतिहासिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक कथा के तौर पर पेश किया। भारत के स्टैंडर्ड टाइम से 9:30 घंटे पीछे इस कथा की शुभ शुरुआत कल दोपहर 1:30 बजे और बोस्टन में शाम 4:00 बजे हुई। कथा का नाम पिछली नैरोबी कथा के नाम पर रखा गया है। इसी के हिसाब से इसका नाम 'मानस गुरु प्रसाद' रखा गया है। भगवान श्री राम यानी रामचरित मानस और इसके रचयिता तुलसीदासजी महाराज का जन्मोत्सव हर साल श्रावण सुद की सप्तमी को मनाया जाता है। यह उत्सव पिछले 17 सालों से तलगाजरडा के ज़रिए होता आ रहा है। 2010 से 2024 तक इसका स्थान तलगाजरडा की पवित्र भूमि रही है। 2025 में यह उत्सव राजापुर, उत्तर प्रदेश में आयोजित किया गया था। अब आज यह विदेशी धरती पर मनाया जा रहा है भगवान श्री राम के पुण्य योग की महिमा बताया और इसका श्रेय कथा प्रेमी लंदन के श्री डोलरभाई पोपट और उनके बेटे पावन पोपट को दिया। लोग को समाप्त होगा।

अहमदाबाद में खाकी शर्मसार: TRB जवान ने PSI से कहा 'मैं तुम्हारी आंतें निकाल लूंगा, यह मेरा इलाका है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एक बहुत ही चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति और पुलिस फोर्स में मौजूद अनुशासन पर सवाल उठ रहे हैं। जहां जनता की सुरक्षा के लिए तैनात ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के एक PSI ने अपने अंडर काम करने वाले TRB जवान को सरेआम जान से मारने की धमकी दी है। इस घटना से साफ है कि खाकी वर्दी का डर अब आम अपराधियों में ही नहीं, बल्कि पुलिस फोर्स से जुड़े निचले लेवल के कर्मचारियों में भी है। मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद के रू डिवीजन ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में काम करने वाले PSI भरत पंड्या ने वासना पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया है। इस केस की जानकारी यह है कि PSI भरत पंड्या के कमांड में काम करने वाला TRB जवान लगातार अपनी कानूनी ड्यूटी से गैरहाजिर रहता था। भरत पंड्या ने सरकारी काम में लापरवाही और अनियमितता के लिए नियमों के मुताबिक इस जवान की रिपोर्ट अपने सीनियर अधिकारियों को दी थी। अपने खिलाफ इस लीगल रिपोर्ट से हैरान TRB जवान ने सारी हदें पार करते हुए सीध PSI को धमकी दे डाली। RB जवान ने बिना किसी डर के PSI भरत पंड्या को कैश दिखाकर धमकाया कि अगर मेरे खिलाफ कोई एक्शन लिया तो मैं तुम्हें मार डालूंगा। यहीं नहीं रुका, उसने यह भी गरजा कि यह मेरा इलाका है। एक बड़े ऑफिसर के खिलाफ ऐसी गुंडागर्दी और गंदी भाषा से पुलिस फोर्स में भारी हंगामा मच गया है। अपनी ड्यूटी ईमानदारी से करने के बावजूद, अपनी जान को खतरा होने पर, PSI भरत पंड्या ने तुरंत वासना पुलिस स्टेशन से संपर्क किया और इस धमकी देने वाले TRB जवान के खिलाफ फॉर्मल शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल, वासना पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और लीगल एक्शन ले रही है। लेकिन इस घटना ने शहर में एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि जब डिसिप्लिन वाले फोर्स के जवान खुद अपने ऑफिसर को मार डालने की धमकी देंगे तो आम जनता की सुरक्षा का क्या होगा?

क्या पूर्व MP दीनू बोधा के खिलाफ होम मिनिस्टर हर्ष संघवी का अधिकार बेकार है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गिर सोमनाथ। सामने आया एक सनसनीखेज वीडियो राज्य की पॉलिटिक्स और कानून व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान लगाता है। गुजरात में आम लोगों को यह मैसेज जा रहा है कि जैसे ही गिर सोमनाथ का बॉर्डर शुरू होता है, राज्य के होम मिनिस्टर हर्ष संघवी और सरकार का कानून खत्म हो जाता है, और वहीं से पूर्व BJP MP दीनू बोधा सोलंकी का 'राज' शुरू होता है। एरीठिया गांव के एक पीड़ित परिवार के साथ हुए अन्याय और जुल्म इस वीडियो में साफ तौर पर सामने आ रहे हैं। खासिया मुन्नाभाई द्वारा जारी यह वीडियो इतना दिल दहला देने वाला और चौंकाने वाला है कि यह सत्ता के सबसे ऊंचे शिखर पर बैठे मुख्यमंत्री को भी हिला देगा। लेकिन दुख की बात यह है कि इतने गंभीर प्रदर्शन और अन्याय के शोर के बावजूद सरकार चुपचाप बैठी है। अंदरखाने चर्चा में आई और जिस पर बहुत बहस हुई, उसके मुताबिक दीनू बोधा सोलंकी देश के होम मिनिस्टर अमित शाह के बहुत करीबी और पर्सनल दोस्त माने जाते हैं। इसी पॉलिटिकल असर और रिश्तों की वजह से राज्य सरकार या लोकल एडमिनिस्ट्रेशन उन पर उंगली भी नहीं उठा सकता। कानून लागू करने वाली एजेंसियां ??और लोकल पुलिस सत्ता के इस ज़बरदस्त दबदबे के आगे बेबस दिख रही हैं। जनता अब खुद को डिसिप्लिन्ड और कानून मानने वाली सरकार कहने वाली BJP सरकार से सीधा सवाल पूछ रही है: क्या सरकार पीड़ित परिवार को इंसाफ दिलाने के लिए दीनू बोधा सोलंकी के खिलाफ कोई एक्शन लेने की हिम्मत करेगी? अगर पीड़ितों को वीडियो में दिखाए गए तरीके से इंसाफ नहीं मिला, तो यह पक्का है कि राज्य सरकार की 'ज़ीरो टॉलरेंस' पॉलिसी सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहेगी।

दानिलिमडा से लाखों की MD ड्रग्स के साथ दो पेडलर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर को ड्रग्स के धंधे से मुक्त कराने में लगी क्राइम ब्रांच ने एक और सफल रेड मारकर ड्रग्स नेटवर्क पर कड़ी चोट की है। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शहर के संवेदनशील दानिलिमडा इलाके में रेड मारकर लाखों की स्ड्ढ ड्रग्स (मेफेड्रोन) जब्त की और इस काले धंधे में शामिल दो आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा। क्राइम ब्रांच की टीम ने मिली एक खास सूचना के आधार पर रेड की, जहां से कुल 76 ग्राम से ज्यादा स्ड्ढ ड्रग्स बरामद हुई, जिसकी कीमत 2.28 लाख रुपये है। पुलिस ने मौके से ड्रग्स जब्त कर ली है और कानूनी कार्रवाई कर रही है। रेड के दौरान क्राइम ब्रांच ने मौके से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैं ये दोनों लोग लोकल एरिया में ड्रग्स बेचने का नेटवर्क चला रहे थे और युवाओं को नशे की तरफ धकेल रहे थे। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि ड्रग्स की इतनी बड़ी मात्रा सप्लाई करने वाला मुख्य मास्टरमाइंड नफीस शेख है, जो पुलिस रेड के बाद फिलहाल फरार है।

तेजगढ़ महिला मर्डर केस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तेजगढ़। छोटाउदेपुर जिले के तेजगढ़ के कोराज डूंगर फलिया में 35 साल की महिला की हत्या से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस कंप्लेंट में बताया गया है कि घर में सो रही महिला की गर्दन और पीठ पर चप्पा से गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद छोटाउदेपुर पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश के साथ जांच कर रही है। छोटाउदेपुर तालुका के तेजगढ़ गांव के कोराज डूंगर फलिया में 16 अगस्त की रात को हुई हत्या की घटना से स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। पुलिस कंप्लेंट के मुताबिक, मृतक महिला का नाम भारतीबेन योगेशभाई विपिनभाई राठवा है, उम्र करीब 35 साल है। मिली कंप्लेंट की डिटेल्स के मुताबिक, भारतीबेन अपने घर पर सो रही थी। इसी बीच, 16 अगस्त की रात 1:30 से 2 बजे के बीच उस पर चप्पे से हमला किया गया। महिला की गर्दन और पीठ पर गंभीर चोटें आईं। गंभीर चोटों के कारण भारतीबेन की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर परिवार वालों और स्थानीय लोगों में भारी भीड़ लग गई। पूरा मामला पुलिस को बताए जाने के बाद छोटा उदयपुर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और शुरुआती जांच शुरू की। पुलिस शिकायत में सुनीलभाई शैलेशभाई राठवा को आरोपी बनाया गया है। शिकायत के अनुसार, आरोपी मृतक महिला का पारिवारिक भतीजा है। शिकायत में लगाए गए आरोपों के अनुसार, मृतक महिला और आरोपी के बीच पिछले एक साल से प्रेम संबंध थे। हालांकि, महिला कुछ समय से आरोपी के साथ प्रेम संबंध होने से इनकार कर रही थी। शिकायत में आरोप है कि आरोपी इसी बात को लेकर दुश्मनी रखता था। पुलिस शिकायत के अनुसार, इसी दुश्मनी के कारण आरोपी ने रात में घर में सो रही भारतीबेन पर चप्पे से हमला किया। शिकायत में यह भी बताया गया है कि हमले के बाद आरोपी मौके से भाग गए। इस पूरी घटना में छोटा उदेपुर पुलिस स्टेशन में इंडियन पीनल कोड-2023 की धारा 103(1) और जी.पी. एक्ट की धारा 135 के तहत केस दर्ज किया गया है। छोटा उदेपुर पुलिस स्टेशन के इंचार्ज पुलिस इंस्पेक्टर जे.डी. वसावा इस मामले की जांच कर रहे हैं। हत्या की इस घटना में पुलिस अब आरोपियों तक पहुंचने के लिए अलग-अलग दिशाओं में जांच कर रही है। हत्या करने के लिए किस हथियार का इस्तेमाल किया गया, हमले के समय घर में कौन मौजूद था, घटना के बाद आरोपी किस दिशा में भागे और हत्या के पीछे क्या सही वजह थी, जैसे मुद्दों की जांच की जा रही है। घटना के बाद कोराज डूंगर फलिया और आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया है। सुबह-सुबह हुई इस घटना से स्थानीय लोगों में भी काफी गुस्सा और चिंता है। पुलिस ने मृतक महिला के शव को कानूनी कार्रवाई के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, मौके पर मिले सबूतों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। फिलहाल, पूरे

मामले में पुलिस की जांच जारी है और आरोपियों पर लगे आरोपों की सच्चाई जांच के बाद ही साफ हो पाएगी। पता चला है कि पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। तेजगढ़ के कोराज डूंगर फलिया में हुई इस हत्या की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है।

धामनसरा में कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया पौधारोपण, ग्रामीणों और वन विभाग की रही सक्रिय सहभागिता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, सुरगी, राजनांदगाँव के चतुर्थ वर्ष (बी.एससी. कृषि) के विद्यार्थियों ने अपने रेडी एवं ए.आई.ए. कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम धामनसरा में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विनम्रता जैन के प्रोत्साहन तथा रावे कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. शिवाजी लिमजे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।विगत मंगलवार को आयोजित इस वृक्षारोपण अभियान में चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने गाँव के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों एवं मुख्य परिसर में छायादार व फलदार पौधे रोपे। इस सामाजिक पहल में स्थानीय प्रशासन और वन विभाग का भी भरपूर सहयोग मिला। कार्यक्रम में ग्राम धामनसरा के सरपंच श्री कृतलाल पटेल, ब्लॉक वन अधिकारी श्री भावदास साहू व श्री सुभाष साहू ने उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इसके साथ ही गाँव के स्थानीय किसानों और ग्रामीणों ने भी वृक्षारोपण में हाथ बँटाया। छात्रों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देना तथा ग्रामीणों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करना है। ग्रामवासी एवं उपस्थित अधिकारियों ने विद्यार्थियों के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समुदाय के लिए एक प्रेरणादायक पहल बताया। विद्यार्थियों ने रोपे गए पौधों की देखभाल व सुरक्षा का संकल्प लिया और भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस संपूर्ण कार्यक्रम में डॉ. डी. पी. चौधरी, डॉ. अभय बिसेन, डॉ. छविराज बघेल, डॉ. नितिन कुमार तुर्रे, डॉ. एम. के. देशमुख, डॉ. मनोज चंद्राकर, डॉ. (श्रीमती) पूजा साहू एवं डॉ. डीकेश्वर निषाद का बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस वृक्षारोपण अभियान में चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों–आरती, आस्था, अनुष्का, अभिन, अभिनव, आयुष, हनुमान, इरफान, मुस्कान, प्रत्युषा, संदीप, तरूण, विकास और श्रुत–की सक्रिय एवं महत्वपूर्ण सहभागिता रही।

दाहोद से क्वांट जा रही एक पिकअप जीप का भयानक एक्सीडेंट हुआ: 4 बच्चों समेत कई लोग घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। ज़िले के झोझ-लिंबानी रोड पर एक भयानक एक्सीडेंट हुआ। गाड़ी में सवार 8 लोगों में से 4 मासूम बच्चे और दूसरे लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। छोटाउदेपुर जिले से एक बड़े हादसे की खबर आ रही है। दाहोद से मजदूरी के काम के लिए क्वांट जा रही एक बोलेरो पिकअप जीप को तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में गाड़ी पलट गई, जिससे गाड़ी में सवार बच्चों समेत कई लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के मुताबिक, कुल 8 मजदूर दाहोद से बोलेरो पिकअप जीप में मजदूरी के लिए क्वांट जा रहे थे। इसी दौरान छोटाउदेपुर के जोज-लिंबानी रोड पर एक ट्रक ड्राइवर ने बोलेरो गाड़ी को टक्कर मार दी। गाड़ी को काफी नुकसान: ट्रक की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो गाड़ी सड़क पर पलट गई और पास में बना पुल भी डैमेज हो गया। इस भयानक हादसे के बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में गाड़ी में 8 लोग सवार थे। लोगों में 4 छोटे बच्चों के शरीर पर काफी चोटें आई हैं, जबकि दूसरे यात्रियों को भी हल्की से गंभीर चोटें आई हैं। हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय युवक तुरंत मौके पर पहुंचे। साथ युवकों की मदद से सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए पास के हेल्थ सेंटर (हॉस्पिटल) ले जाया गया। घटना की खबर मिलते ही लोकल पुलिस फोर्स भी तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ट्रैफिक खुलवा दिया है और ट्रक ड्राइवर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर आगे की जांच कर रही है।

बच्चों का कभी कंपैरिजन नहीं करना चाहिए - श्रेयांशप्रभ सागर जी
विनय दबना नहीं बल्कि बड़ों का सम्मान करना सिखाता है

राजनांदगांव। जैन मुनि श्रेयांशप्रभ सागर जी ने कहा कि बड़ों को कभी बच्चों का कंपैरिजन नहीं करना चाहिए, इससे उनमें हीन और नफरत की भावना पैदा होती है। उन्हें वह करने दीजिए जो वह अच्छे से कर सकते हैं, उन पर दबाव मत बनाइए। उन्होंने कहा कि बच्चों को बड़ों का विनय करना चाहिए। विनय हमें सम्मान करना सिखाता है नाकि दबना। ज्ञान बल्लभ उपाश्रय भवन में आज मुनि श्री श्रेयांशप्रभ सागर जी ने कहा कि विनय बड़ों के सामने झुकना और आदर करना सिखाता है। विनय अपनी बात सही ढंग से बोलना सिखाता है। विनय आपकी भाषा में फिल्टर लगा देता है ताकि आपकी बात छनकर बाहर निकले। विनय चुप रहना नहीं सिखाता किंतु यह बताता है कि आपके पास जो भी है, वह बड़ों की कृपा से है,आपका कुछ भी नहीं। मुनि श्री श्रेयाशप्रभ सागर जी ने कहा कि स्वीकार करना सीखिए। आपके पास जो है, उसे स्वीकार कीजिए और जो नहीं है उसे पाने का प्रयास करें। क्या ग्रहण करना है उसे समझें और फिर ग्रहण करें। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि एक शराबी पिता के दो बच्चे थे उनमें से एक ने पिता के शराब पीने के गुण को अपनाया जबकि दूसरे ने शराब से नफरत कर उसके दोषों को देखा। इसका असर यह हुआ कि पहले पुत्र जिसने पिता की राह चुनी, वह अशांत रहा जबकि दूसरे ने शराब से दूर रहने की सोंची और उसका परिवार शांत और समृद्ध हो गया। उन्होंने कहा कि किसी भी चीज को ग्रहण करने के लिए हममें उसकी समझ होनी चाहिए और सोच समझ कर ही किसी भी चीज को ग्रहण करना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि बच्चों में कंपैरिजन कर उन्हें हतोत्साहित न करें बल्कि उन्हें उनकी रुचि के काम ही करने दे। अच्छा काम करने पर उन्हें शाबाशी देखकर प्रोत्साहित करें। ऐसा करने पर उन्हें शक्ति मिलेगी और वे दुगुने उत्साह से काम करने लगेंगे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने दी।

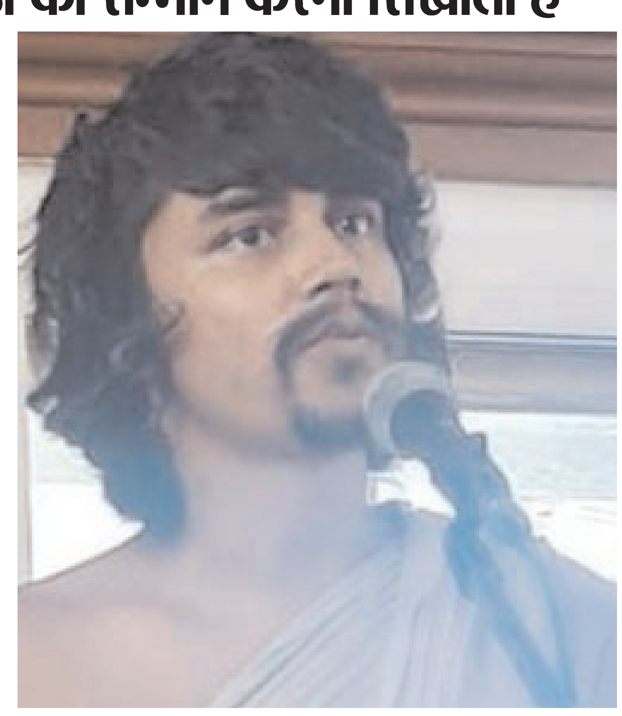

आज का राशिफल

17 अगस्त 2026, सोमवार

मेष — आज कामकाज में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। रूके हुए काम पूरे होंगे और धन संबंधी मामलों में लाभ के संकेत हैं। परिवार में किसी सदस्य से मतभेद हो तो बावचीत्त से समाधान निकालें।

वृषभ — कारोबार और नौकरी में परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। निवेश करते समय जल्दबाजी से बचें और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मिथुन — आज नए संपर्क भविष्य में लाभ दे सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी बात को महत्व मिलेगा। खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट बनाकर चलना बेहतर रहेगा।

कर्क — परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। नौकरी में बदलाव या नई जिम्मेदारी का प्रस्ताव मिल सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन भावनाओं में आकर बड़ा खर्च न करें।

सिंह — आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और महत्वपूर्ण काम पूरे करने में सफलता मिलेगी। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में लाभ के नए रास्ते खुल सकते हैं।

कन्या — कार्यक्षेत्र में चुनौतियां रहेंगी, लेकिन धैर्य से काम लेने पर सफलता मिलेगी। किसी पूराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य को लेकर दिन सामान्य रहेगा।

तुला — आज सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। धन लाभ के अवसर मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ चल रहा तनाव कम होगा और संबंधों में मधुरता आएगी।

वृश्चिक — रूके हुए कार्यों में तेजी आएगी। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण फैसला सोच-समझकर लें।

धनु — आज यात्रा के योग बन सकते हैं। नए लोगों से मुलाकात लाभदायक रहेगी। कारोबार में विस्तार की योजना बन सकती है, लेकिन कागजी काम पूरी तरह जांच लें।

मकर — मेहनत के बावजूद परिणाम थोड़ा धीमा मिल सकता है। आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी है। परिवार में किसी बुजुर्ग की सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

कुंभ — आज नई योजनाओं पर काम शुरू करने का अच्छा समय है। नौकरी और व्यापार में प्रगति के संकेत हैं। पूराने आर्थिक विवाद का समाधान निकल सकता है।

मीन — रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा और परिवार का सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में सकातामकता आएगी, जबकि खर्चों पर नियंत्रण रखमा जरूरी होगा।

शुभ रंग: पीला | शुभ अंक: 3 | शुभ समय: सुबह 9:00 से 11:00 बजे तक

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

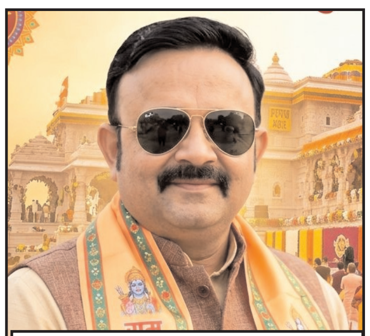

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

ललित गर्ग

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है।

संसदीय मर्यादाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया।

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मर्यादा होती है। यदि

विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं।

इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है।

यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है-जब संसद चल सकती है तो उसे बार-बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्या हम यह भूल गए हैं कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं है? लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-विचारों का सम्मान, असहमति की स्वीकार्यता, संवाद की निरंतरता और निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत उसे शासन करने का अधिकार देता है, लेकिन विपक्ष को सुनने से मुक्त नहीं करता। दूसरी ओर विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध का अधिकार संसद को निष्क्रिय करने का अधिकार नहीं है।

अतीत में हमारी संसदीय परंपरा ने अनेक कठिन दौर देखे हैं। तीखी बहसें हुईं, वैचारिक संघर्ष हुए, सरकारों की आलोचना हुई, लेकिन संसद को संवाद का मंच बनाए रखने की कोशिश होती रही। आज आवश्यकता है कि हम उस परंपरा को पुनर्जीवित करें। राजनीतिक दलों को अपने भीतर यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे जनता के बीच जाकर यह कह सकते हैं कि हमने संसद में आपके प्रश्नों के लिए उपलब्ध समय का पूरा उपयोग किया? क्या कोई सांसद गर्व से कह सकता है कि उसने अपने कार्यकाल के प्रत्येक संसदीय अवसर को राष्ट्रहित में लगाया? संसद में हंगामा करना आसान है, लेकिन संसद चलाना चरित्र, संयम और लोकतांत्रिक परिपक्वता मांगता है। नारे लगाने के लिए ऊर्जा चाहिए, लेकिन तथ्यपूर्ण बहस के लिए अध्ययन चाहिए। माइक के सामने खड़े होने के लिए राजनीतिक उत्साह चाहिए, लेकिन कानून बनाने के लिए दूरदृष्टि चाहिए। कार्यवाही रोकने के लिए संख्या पर्याप्त हो सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए विवेक, धैर्य और संवाद आवश्यक है।

आजादी के 80वें वर्ष की ओर बढ़ते भारत के लिए यह आत्ममंथन का समय है। हमने विज्ञान, अर्थव्यवस्था, तकनीक और वैश्विक प्रतिष्ठा के अनेक क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन क्या हमारी राजनीतिक संस्थाएं भी उसी गति से परिपक्व हुई हैं? क्या हम संसदीय प्रणाली को इतना सशक्त बना पाए हैं कि संसद के एक-एक मिनट का अधिकतम उपयोग कर सकें? क्या हम अपनी असहमति को इतनी गरिमा दे पाए हैं कि विरोध भी हो और संवाद भी बना रहे? क्या हम सत्ता को इतनी विनम्रता और विपक्ष को इतना विवेक दे पाए हैं कि दोनों मिलकर लोकतंत्र को मजबूत करें? इन प्रश्नों के उत्तर केवल संसद भवन के भीतर नहीं खोजे जाने चाहिए। राजनीतिक दलों के नेतृत्व, सांसदों, संसदीय कार्यप्रणाली और अंततः हम नागरिकों-सभी को इस पर विचार करना होगा। जनता को भी यह प्रश्न पूछना चाहिए कि उसका प्रतिनिधि संसद में कितनी बार उपस्थित रहा, कितने प्रश्न पूछे, कितनी बहसों में भाग लिया और राष्ट्र के लिए क्या सार्थक योगदान दिया। लोकतंत्र केवल पांच वर्ष में एक बार वोट देने से मजबूत नहीं होता, लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब जनता अपने प्रतिनिधियों से निरंतर जवाब मांगती है। हंगामा किसी दल की विजय नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की सामूहिक पराजय है। संसद चलेगी तो प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रश्न पूछे जाएंगे तो सरकार जवाब देगी, जवाब मिलेगा तो नीतियों की समीक्षा होगी और सार्थक कानून बनेंगे। यही लोकतंत्र की जीवन-धारा है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

वी डोंट केयर संसद

राहुल गांधी और अमित शाह बुनियादी तौर पर दोनों लोकसभा सांसद हैं। चूंकि राहुल विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के संसदीय दल के नेता हैं, लिहाजा उन्हें 'नेता प्रतिपक्ष' तय किया गया है। अमित शाह प्रधानमंत्री मोदी की कैबिनेट के सदस्य हैं और उन्हें 'गृहमंत्री' का दायित्व सौंपा गया है। दोनों ही नेता संसद से 'सुप्रीम' नहीं हैं और न ही लोकसभा उनकी बपौती है। दोनों ही संसद के प्रति जवाबदेह हैं और नियम-प्रक्रिया से बंधे हैं। दिल्ली में छात्र, युवा आंदोलन के बाद गृहमंत्री अमित शाह संसद में दिखाई नहीं दिए। संसद भवन के अपने चैंबर में उपस्थित रहना और सदन में मौजूदगी बिल्कुल विपरीत स्थितियां हैं। गृहमंत्री को दोनों सदनों में बयान देकर आंदोलन के दौरान, उसके बाद और प्रदर्शनकारियों पर बर्बर हमलों को लेकर पहले ही स्पष्टीकरण दे देना चाहिए था। यह उनका संवैधानिक दायित्व था। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष यह मांग लगातार करता रहा कि गृहमंत्री सदन में आएं और बताएं कि पैलेट गन क्यों चलाई गई? कीलों वाली लाठियां क्यों भांजी गईं? किसने आदेश दिया था? गृहमंत्री के लिए 'गायब, लापता, भगोड़े, भाग गए' सरीखे शब्द विपक्ष ने इसीलिए इस्तेमाल किए, क्योंकि न तो गृहमंत्री सामने आए और न ही बयान दिया। इन अमर्यादित, असंसदीय शब्दों की नौबत नहीं आनी चाहिए थी। नतीजा यह हुआ कि संसद की कार्यवाही निरंतर स्थगित होती रही। मॉनसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और बुधवार, 12 अगस्त, तक 18 दिनों की बैठकें हुईं, लेकिन लोकसभा में कुल 17 घंटे भी काम नहीं किया जा सका। विपक्ष के हंगामे, शोर, नारेबाजी के बीच ही 59 मिनट में 9 बिल ध्वनि-मत से पारित करने पड़े। हरेक बिल पर औसतन 3-5 मिनट खर्च किए गए और किसी भी बिल पर कोई चर्चा नहीं की गई। राज्यसभा में भी करीब 31 फीसदी काम किया जा सका। इन 18 दिनों में देश के करदाताओं के 118 करोड़ रुपए से अधिक की राशि पर पानी फेर दिया गया, जबकि सांसदों के भत्ते 'अलग खर्च' हैं। क्या इसी तरह देश का पैसा फूंकने और बिना चर्चा के बिल पारित करने को ही संसद बनी है? यहां यह भी प्रासंगिक है कि हमारी संसद अब साल में औसतन 50-65 दिन ही जुटती है और उस दौरान भी हंगामा मचा रहता है। अमरीका, ब्रिटेन, जापान जैसे देशों में संसद साल में 140-160 दिन काम करती है। यह तुलना हमारे अधिकतर 'माननीय' नहीं जानते होंगे! बहरहाल जब मॉनसून सत्र 'साइनेडाई' (अनिश्चित काल के लिए स्थगित) होने को आया, तो गृहमंत्री अमित शाह सामने आए और हर सवाल का जवाब देने की बात कही। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब सदन में हंगामा मच रहा था, कार्यवाही लगातार स्थगित करनी पड़ रही थी, तो वह सदन में आकर क्या करते?

चिंतन-मनन

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वंद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वंद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वंद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भँवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भँवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

नाग पंचमी : प्रकृति के प्रति सम्मान और सह-अस्तित्व का पर्व

सुनील कुमार महला

भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है-नाग पंचमी। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में नाग पंचमी का पावन पर्व 17 अगस्त (सोमवार) को मनाया जाएगा। जानकारों के अनुसार सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 16 अगस्त को दोपहर 4:52 बजे से शुरू होकर 17 अगस्त को शाम 5:00 बजे समाप्त होगी, और उदया तिथि के कारण यह त्योहार 17 अगस्त को ही मनाया जाएगा। इस दिन नाग की पूजा की जाती है। दरअसल,नागों(सर्पों) को प्रकृति, शक्ति, सुरक्षा, उर्वरता और पर्यावरणीय संतुलन के प्रतीक माना गया है। इस पर्व का धार्मिक महत्व है। भगवान शिव ने अपने गले में नाग धारण कर रखा है, उनके गले में नाग का विराजमान होना उनके प्रकृति और समस्त जीव-जगत के साथ सामंजस्य का प्रतीक माना जाता है। भगवान विष्णु की शेषनाग पर शयन मुद्रा भी नागों के धार्मिक महत्व को दशार्ती है। इस दिन नाग देवता की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि, सुरक्षा और कल्याण की कामना की जाती है। जीव-जंतुओं का भारतीय संस्कृति में हमेशा हमेशा से महत्वपूर्ण व अहम् स्थान रहा है और जीव-दया, जीवों के प्रति करूणा, सह-अस्तित्व की भावना हमारे देश की संस्कृति रही है। नाग या सर्प खेतों में चूहों जैसे कृंतकों की संख्या नियंत्रित करके फसलों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए सर्पों को किसान का मित्र कहा जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि सर्प विभिन्न जीवों की आबादी को नियंत्रित करके खाद्य-श्रृंखला(फूड चेन) को संतुलित रखते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र और जैव-विविधता को बनाए रखने में सर्पों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि,यह बात अलग है कि सर्प स्वयं भी बाज, उल्लू, नेवला, मोर और अन्य जीवों के भोजन का हिस्सा हैं। इसलिए उनका अस्तित्व खाद्य-जाल की अनेक कड़ियों को प्रभावित करता है। प्रकृति का अपना एक सिस्टम है और इस सिस्टम में हर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े जीव की अपनी भूमिका व महत्व है और सर्प भी उनमें से एक है, लेकिन आज सर्पों को मार दिया जाता है और प्रकृति चक्र को डिस्टर्ब कर दिया जाता है,यह ठीक नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो सर्पों से भय के कारण उन्हें मार देना पर्यावरणीय दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। यदि हम सर्पों को मारेंगे तो धरती पर चूहों और कृंतकों की संख्या बढ़ सकती है, फसलों पर दबाव बढ़ सकता है, जैसा कि चूहे और अन्य कृतंक बीज, अनाज और पौधों को अधिक नुकसान पहुँचा सकते हैं। सर्प नहीं होंगे तो इससे हमारी खाद्य श्रृंखला प्रभावित हो जाएगी, क्यों कि सर्प मोर, नेवला और अन्य शिकारी पक्षियों का भोजन हैं,जो पर्यावरण और प्रकृति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सर्प नहीं होंगे तो हमें चूहों व अन्य कृतंकों से फसलों को बचाने के लिए रासायनिक उर्वरकों, पेस्टीसाइड्स , दवाओं का इस्तेमाल करना पड़ेगा, जिससे रासायनिक उपायों पर निर्भरता बढ़ सकती है, इसलिए इनको बचाना,इनका संरक्षण करना बहुत आवश्यक है। आंकड़े बताते हैं कि

भारत में हर वर्ष अनुमानतः 58 हजार लोगों की मृत्यु सर्पदंश से होती है, जिससे भारत विश्व में सर्पदंश मृत्यु के सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है; हालांकि उपचार एवं मृत्यु के मामलों की कम रिपोर्टिंग के कारण वास्तविक आंकड़ा अलग हो सकता है, लेकिन बावजूद इसके हमें यह याद रखना चाहिए कि सर्प प्रकृति के महत्वपूर्ण प्रहरी हैं। जैसा कि ऊपर इस

आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि वे चूहों और अन्य कृंतकों की संख्या नियंत्रित कर खेतों तथा खाद्यान्न की रक्षा करने में सहायता करते हैं और खाद्य-श्रृंखला को संतुलित बनाए रखते हैं। सर्प स्वयं भी अनेक पक्षियों और वन्यजीवों के भोजन का हिस्सा हैं, इसलिए उनका संरक्षण जैव-विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक है। सर्पों के प्रति भय नहीं, बल्कि सावधानी और सह-अस्तित्व की भावना विकसित करना प्रकृति संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नाग पंचमी का पर्व हमें नाग जैसे महत्वपूर्ण जीव का संरक्षण कख संदेश देता है। संक्षेप में कहें तो आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण और करुणा को जोड़ना ही नाग पंचमी का वास्तविक व असली संदेश है।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

अब 'दिमागी नक्सली', प्रधानमंत्री ने छेड़ी नई बहस..!

ऋतुपर्ण दवे

लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 80वें स्वाधीनता दिवस पर उद्बोधन के दौरान विरोधियों पर कसा गया तंज अब नई और राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। प्रधानमंत्री की दिमागी नक्सलवाद कह कर की गई टिप्पणी ने नया सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री ने किसे या किन्हें दिमागी नक्सली कहा, क्या विपक्ष और आंदोलनकारी छात्रों को या सरकार पर उंगली उठाने वाले हरेक को या फिर संसद न चलने देने वाले विपक्ष को? निश्चित रूप से इस टिप्पणी पर अभी आगे काफी कुछ सियासत होनी तय है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हथियार उठाने वाले नक्सलियों से तो निपट लिया गया, लेकिन अब देश को ह्यदिमागी नक्सलियोंह्व से सतर्क रहने और उन्हें अलग-थलग करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलवाद और माओवादी हिंसा ने दशकों तक देश के बड़े हिस्से को प्रभावित किया जिसमें हजारों लोगों की जान गई। उनका इशारा था कि अब इस चुनौती के एक दूसरे स्वरूप यानी दिमागी नक्सलवाद से निपटना जरूरी हो गया है।

प्रधानमंत्री ने अपनी टिप्पणी में दिमागी नक्सली की कोई स्पष्ट या औपचारिक परिभाषा तो दी नहीं और न ही कोई कानूनी परिभाषा बताई। भले ही उनकी टिप्पणी इशारों में रही, लेकिन राजनीतिक और वैचारिक संदर्भ में इसके मायने बहुत गहरे हैं। जंतर-मंतर पर हाल ही में जिस तरह कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले छात्र आंदोलन हुआ जो देखते-देखते देश का एक बड़ा और अप्रत्याशित आन्दोलन बन खड़ा हुआ। अब उसके फैलते जाने का अंदेशा भी दिखाई दे रहा है। कहीं उसी पर तो यह टिप्पणी नहीं की? या फिर हाल ही में संसद में लगातार गतिरोध बने रहने और नेता विपक्ष राहुल गांधी के तमाम मंचों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती देने की खीझ पर तो निशाना नहीं लगया?

सच यह है कि हाल के दिनों में जेन-जी के जंतर-मंतर पर आन्दोलन के बाद 12 वर्षों में पहली बार मोदी सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा। उससे भी गंभीर और बड़ी बात यह कि इस मुद्दे को विपक्ष खासकर राहुल गाँधी ने लपक लिया और संसद से सड़क तक प्रभावशाली तरीके से उठाया। निश्चित रूप से जेन-जी आन्दोलन के चलते महज युवा ही नहीं बल्कि उनके अभिभावक भी नाराज दिखे। इससे पहली बार लगा कि मोदी सरकार परेशान है। देखते ही देखते छात्रों की पिटाई, बिना वर्दी के पुलिस वालों की मौजूदगी, पैलेट गन और कील लगी लाठियों के उपयोग को राहुल ने राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया। कहीं दिमागी नक्सली कहकर उनका इशारा इसी पर तो नहीं था?

क्या प्रधानमंत्री ने दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल करके देश को सुरक्षा, वैचारिक स्थिरता और सामाजिक एकता से जुड़ाव रखने का साफ और कड़ा संदेश तो देने की कोशिश तो नहीं की? अपने उद्बोधन के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को हिंसा और अराजकता से दूर रहना होगा और विकास तथा रचनात्मक कार्यो में सहयोग देना होगा। जाहिर है प्रधानमंत्री दिमागी नक्सलवाद के जरिए विरोधियों को लताड़ तो लगा रहे थे। साथ ही रूठे या उनसे नाराज जेन-जी को भी संदेश दे रहे थे कि वो रचनात्मक कार्यों में सहयोग करें। जंगली नक्सली खत्म हो गए हैं लेकिन जो दिमागी नक्सली सिर उठा रहे हैं, उन्हें पहचानने की बात किसके लिए कह गए? उन्होंने आगे जो कहा वह और भी खास है जिसमें जंगल नक्सलियों की जगह अब शहरों, शिक्षण संस्थानों और बौद्धिक मंचों पर सक्रिय दिमागी नक्सल के लेने की बात कह, सरकार का विरोध करने वालों को तिलमिला दिया। उन्होंने इनसे सावधान रहने का आगाह भी किया। हथियारबंद नक्सल तो गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं जिन्हें पहचानना होगा। उन्होंने साफ किया कि यह वर्ग सीधे हथियार नहीं उठाता, बल्कि अपनी विचारधारा से देश में भ्रम और अराजकता फैलाने की फिराक में रहता है। पहले भी अर्बन नक्सली कहे जाने पर हंगामा हुआ था जिस पर संसद में बताया गया कि संसद में अर्बन नक्सल शब्द की कोई औपचारिक कानूनी परिभाषा नहीं है। सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि कानून के तहत इस शब्दावली को परिभाषित नहीं किया गया। हाँ, राजनीतिक बयानों और बहसों में इसका उपयोग अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा और वैचारिक विरोध के संदर्भ में किया जाता है। आगे क्या दिमागी नक्सल पर भी यही होगा।

काँग्रेस ने दिमागी नक्सलवाद पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी को उनकी घबराहट बताया तो प्रधानमंत्री मोदी के दिमागी नक्सल बयान पर कॉकरोच जनता पार्टी की प्रतिक्रिया ने इस मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अब सवाल यह है कि सरकार और विपक्ष इस बहस को किस दिशा में ले जाते हैं। राजनीतिक बहस तेज हो गई है। जहाँ सीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उल्टा सरकार से सवाल पूछा कि शिक्षित युवाओं को नक्सली कहना कितना उचित है? साथ ही यह भी चेताया कि कि देश के हर जिले में एक नया जंतर-मंतर जन्म ले रहा है। यह वह जगह होगी, जहां निराश लोगों को उम्मीद और कमजोर लोगों को एकजुट होने की ताकत मिलेगी। सीजेपी ने सत्ता पक्ष पर युवाओं और जेन-जी को बांटने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। सीजेपी की यह टिप्पणी कि इतिहास बताता है कि एकजुट जनता से अधिक शक्तिशाली कुछ नहीं होता, वो बांटेंगे, हम जोड़ेंगे। वो डर फैलाएंगे, हम साहस फैलाएंगे। अब मन डर से मुक्त है और वापसी का रास्ता नहीं है।

जाहिर है कि दिमागी नक्सली को लेकर अभी काफी कुछ बयान, विरोध, हंगामा और बहुत कुछ देखने मिलना तय है। अब यह वक्त ही तय करेगा दिमागी नक्सली वाली टिप्पणी किस पर कितना भारी पड़ती है?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

प्रतापगढ़ में हत्या के बाद 40 घंटे से शव नहीं उठा, थानेदार के सस्पेंशन से बुलडोजर एक्शन तक की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रतापगढ़। एक गांव में एक लाश 40 घंटे से रखी हुई है. घर में मातम है, बाहर लोगों की भीड़ है और चारों तरफ पुलिस का पहरा. मामला इतना गरमा गया है कि शव का अंतिम संस्कार तक रोक दिया गया है. परिवार की मांगें हैं कि थानेदार पर कार्रवाई हो, मुआवजा मिले, शस्त्र लाइसेंस मिले और आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चले. प्रशासन समझा रहा है, नेता मौके पर पहुंच रहे हैं और पुलिस फोर्स लगातार तैनात है. मामला उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के लीलापुर थाना क्षेत्र के सिंधौर गांव का है. यहां आपूर्ति विभाग में संविदा कर्मी सौरभ उर्फ मोनू विश्वकर्मा की हत्या के बाद बवाल बढ़ता जा रहा है. घटना के करीब 40 घंटे बाद भी परिवार ने शव का अंतिम संस्कार नहीं किया है. सौरभ की मौत के बाद परिवार का गुस्सा पुलिस और प्रशासन पर भी फूट पड़ा. परिजन आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. उनका कहना है कि सिर्फ गिरफ्तारी से बात नहीं बनेगी, बल्कि जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए. परिजनों ने लीलापुर थानाध्यक्ष को निलंबित करने, आर्थिक मुआवजा देने, शस्त्र लाइसेंस उपलब्ध कराने और आरोपियों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग रखी है. इन मांगों पर परिवार के अड़ जाने के बाद शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका. गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने भी सुरक्षा बढ़ा दी. माहौल को देखते हुए मौके पर कई थानों की पुलिस फोर्स भेजी गई है. इसके अलावा पीएसी की दो बटालियन और प्रिजन वैन भी तैनात की गई है. अधिकारी लगातार परिवार और ग्रामीणों से बातचीत कर रहे हैं, ताकि स्थिति बिगड़े नहीं. लेकिन इस पूरे मामले में राजनीति की एंट्री ने कहानी को और गर्म कर दिया. परिवार को समझाने और स्थिति का जायजा लेने के लिए कई जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे. अपना दल (एस) और भाजपा विधायक जीत लाल पटेल भी मौके पर पहुंचे. वहीं समाजवादी पार्टी के विधायक डॉ. आर.के. वर्मा भी सिंधौर गांव पहुंचे. यहां उनकी अपर पुलिस अधीक्षक बृजनंदन राय से बहस हो गई. दोनों के बीच हुई नोकझोंक का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है. एक तरफ परिवार इंसाफ की मांग को लेकर अड़ा है, दूसरी तरफ प्रशासन हालात सामान्य करने में जुटा है. इसी बीच नेताओं और पुलिस अधिकारियों के बीच बहस ने मामले को और चर्चा में ला दिया है. पुलिस के मुताबिक, हत्या के मामले में 6 नामजद आरोपियों समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है. पुलिस का कहना है कि अब तक मुख्य आरोपी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है. गिरफ्तार आरोपियों में सौरभ, संजय और दरोगा तिवारी के नाम हैं. हालांकि बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा. सिंधौर गांव में फिलहाल तनावपूर्ण माहौल है. पुलिस और पीएसी की तैनाती के बीच प्रशासन परिवार से बातचीत कर रहा है. लेकिन परिवार अपनी मांगों पर कायम है. अंतिम संस्कार करने के लिए तैयार होते हैं.

स्कूल तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं, छात्रों ने राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार के काफिले को रोका

मध्य प्रदेश के छतरपुर में छात्रों ने मंत्री दिलीप अहिरवार के काफिले को रोक दिया है छात्र सड़क की मांग कर रहे थे स्कूल तक जाने के लिए रास्ते नहीं हैं इसके बाद मंत्री ने भरोसा दिया है कि जल्द ही सड़क का निर्माण हो जाएगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में विद्यार्थियों के एक समूह ने शुक्रवार को वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार का काफिला रोककर अपने स्कूल तक पक्की सड़क और बिजली समेत बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। यह घटना चंदला विधानसभा क्षेत्र में हुई, जो जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर है।

मंत्री के काफिले को रोक दिया

बस्राही स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने क्षेत्र से गुजर रहे मंत्री के काफिले को रोक लिया। विद्यार्थियों ने मंत्री को बताया कि स्कूल तक समतल सड़क नहीं होने के कारण उन्हें लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने स्कूल में बिजली आपूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं भी उठाईं। सोशल मीडिया पर वायरल विद्यार्थियों द्वारा मंत्री का काफिला रोके जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ है। दिलीप अहिरवार ने विद्यार्थियों की बातें सुनीं और उन्हें जल्द समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया।

जमीन मालिक से की है बात

मंत्री ने शनिवार को कहा कि प्रस्तावित सड़क के रास्ते में निजी भूमि आने के कारण सड़क निर्माण का काम लंबित था। उन्होंने कहा कि भूमि मालिक से चर्चा हो चुकी है और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। अहिरवार ने कहा कि सड़क निर्माण का काम जल्द शुरू किया जाएगा।

स्कूल तक पहुंचने के लिए चाहिए सड़क

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्कूल में पहले से ही चारदीवारी है और विद्यार्थियों की मुख्य मांग स्कूल तक पहुंच मार्ग के निर्माण को लेकर है। विद्यार्थियों ने बताया कि समस्या लंबे समय से बनी हुई थी और मांगें पूरी नहीं होने के कारण उन्हें मंत्री का काफिला रोककर अपनी बात रखनी पड़ी। यह घटना ऐसे समय हुई है जब देश के विभिन्न हिस्सों में स्कूली विद्यार्थी के अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठाने के मामले सामने आ रहे हैं।

बदायूं के आवासीय बालिका स्कूल में खाना खाने से 7 छात्राएं बीमार, दो की हालत गंभीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बदायूं। समरेर स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय बालिका विद्यालय में शनिवार को खाना खाने के बाद सात छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां दो छात्राओं की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद स्कूल की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। अभिभावकों ने भोजन और मूलभूत सुविधाओं में लापरवाही के आरोप लगाए हैं, जबकि प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, समरेर स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय बालिका विद्यालय में दोपहर के भोजन के बाद छात्राओं की तबीयत बिगड़ने से अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में सात छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार शुरू किया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान पांच छात्राओं को उनके परिजन यह कहकर अपने साथ ले गए कि वे उन्हें निजी अस्पताल में दिखाएंगे। वहीं 12वीं की छात्रा

प्रिया और आठवीं की छात्रा राधिका को डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सीएचसी के डॉक्टरों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला गर्मी के कारण तबीयत बिगड़ने का प्रतीत होता है। हालांकि खाने की गुणवत्ता या किसी अन्य वजह से छात्राओं की तबीयत खराब हुई है या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। घटना के बाद स्कूल प्रशासन के बयान पर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रधानाचार्य ने केवल तीन छात्राओं की तबीयत बिगड़ने की बात कही, जबकि अस्पताल के रजिस्टर में सात छात्राओं के भर्ती होने की एंट्री दर्ज मिली है। इससे पूरे मामले में विरोधाभास सामने आया है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ने तत्काल संज्ञान लिया और नायब तहसीलदार को स्कूल भेजकर जांच कराई। जिलाधिकारी ने भी पूरे प्रकरण की जांच के निर्देश देते हुए कहा है कि रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इधर, छात्राओं के अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि यह पहली घटना नहीं है। उनके अनुसार अक्सर छात्राएं बीमार होकर अस्पताल पहुंच रही हैं। आरोप है कि छात्राओं को समय पर भोजन तक नहीं मिलता और कई बार दोपहर का खाना तीन बजे के बाद परोसा जाता है। अब प्रशासनिक जांच से यह साफ होगा कि छात्राओं की तबीयत बिगड़ने की असली वजह क्या थी और स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी कितनी तय होती है।

मथुरा में डंपर ने 5 लोगों को मारी टक्कर तो हाथरस में कार पलटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। उत्तर प्रदेश में रविवार सुबह दो अलग-अलग जिलों में सड़क हादसों ने कई परिवारों को झकझोर दिया. मथुरा में तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़े पांच लोगों को टक्कर मार दी. हादसे में छह साल की बच्ची समेत दो लोगों की मौत हो गई. वहीं हाथरस में नोएडा से आ रही एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई. हादसे में तीन लोगों की जान चली गई, जबकि ढाई साल के बच्चे समेत चार लोग घायल हैं. मथुरा की यह दिल दहला देने वाली घटना सदर बाजार थाना क्षेत्र के औरंगाबाद इलाके में मथुरा-आगरा लिंक मार्ग पर हुई. तेज गति से आ रहे डंपर ने सड़क किनारे खड़ी मां-बेटी समेत पांच लोगों को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही अफरा-तफरी मच गई. हादसे की पूरी तस्वीर पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है. स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने छह वर्षीय आयरा और प्रशांत चौधरी नाम के व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया. स्थानीय लोगों के मुताबिक, डंपर काफी तेज रफ्तार में था. अचानक वह नियंत्रण से बाहर हुआ और सड़क किनारे खड़े लोगों को अपनी चपेट में ले लिया. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. घायलों को इलाज के लिए भेजा गया. पुलिस अधीक्षक आशना चौधरी के मुताबिक, औरंगाबाद इलाके में डंपर की टक्कर से सड़क किनारे खड़े लोग इसकी चपेट में आए. स्थानीय लोगों ने बाहरी वाहनों की आवाजाही रोकने की मांग की है. इस पर उचित कार्रवाई की बात कही गई है.

वाराणसी: दबंगों का आतंक! मैगी नहीं देने पर मारपीट और रेस्टोरेंट में तोडफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। कैंट थाना क्षेत्र के सरसौली चांदमारी में मैगी न देने पर युवकों ने रेस्टोरेंट संचालक और स्टाफ से मारपीट और तोड़फोड़ की. आरोप है कि हमलावरों ने रंगदारी के तौर पर हर महीने 5 हजार रुपये देने की भी मांग की वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र के सरसौली चांदमारी इलाके में मैगी नहीं मिलने से नाराज युवकों द्वारा रेस्टोरेंट संचालक और कर्मचारियों के साथ मारपीट, तोड़फोड़ और कार में आग लगाने का मामला सामने आया है. घटना का छ्ष्टङ्घ्ङ्क फुटेज भी सामने आया है. रेस्टोरेंट संचालक की शिकायत पर पुलिस ने 9 नामजद आरोपियों समेत 10-12 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है. पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक 12-13 अगस्त की रात करीब 12 बजे कुछ युवक शराब के नशे में रेस्टोरेंट पहुंचे थे. उस समय रेस्टोरेंट बंद था और संचालक आदित्य सोनकर अपने ममेरे भाई के साथ सो रहे थे. आरोप है कि युवकों ने उन्हें जगाकर मैगी मांगी. मैगी देने से मना करने पर आरोपी भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए संचालक और उनके ममेरे भाई के साथ मारपीट शुरू कर दी. आरोप है कि हमलावर अपने

साथ हॉकी, डंडे और रॉड लेकर आए थे. उन्होंने रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ की और सामान क्षतिग्रस्त कर दिया. इसके बाद नीचे खड़ी रेस्टोरेंट संचालक के परिजन की मारुति स्विफ्ट कार के शीशे भी लाठी-डंडों से तोड़ दिए. पड़ोसी दुकान के साइन बोर्ड को भी क्षतिग्रस्त करने का आरोप है. तहरीर में रेस्टोरेंट संचालक ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज की और हर महीने 5 हजार रुपये रंगदारी देने की मांग की. शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने धमकी दी कि पैसे नहीं देने पर इलाके में कैफे नहीं चलाने दिया जाएगा. इसके बाद 15 अगस्त की देर रात करीब 3 बजे आरोपियों के दोबारा रेस्टोरेंट पहुंचने का आरोप है. शिकायतकर्ता के मुताबिक इस दौरान हमलावरों ने उनके चचेरे भाई गोविंद कुमार सोनकर की कार पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी. पास में लगे ट्रांसफॉर्मर के कुछ विद्युत उपकरणों को भी नुकसान पहुंचाने का आरोप है. हमलावरों ने पुलिस में शिकायत करने पर परिवार को भी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी. रेस्टोरेंट संचालक का दावा है कि पूरी घटना CCTV कैमरों में रिकॉर्ड हुई है. कैंट थाना पुलिस ने अभिषेक रघुवंशी उर्फ पंतु, सन्नी सिंह, आदित्य रघुवंशी, शशिभूषण उपाध्याय उर्फ चूंडी, अभिजीत ओझा, अंशुमान सिंह, अरुण सिंह और शाश्वत पांडेय समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस CCTV फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है. फिलहाल पुलिस ने मामले में विस्तृत जानकारी देने से इनकार किया है.

सिवनी के छपारा थाना क्षेत्र में एनएच-44 पर जला कंटेनर ट्रक भीषण आग से सड़क के दोनों तरफ लगा लंबा जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले से एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है। जिले के छपारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कुख्यात बंजारी घाटी के पास नेशनल हाईवे-44 पर रविवार को उस वक्त अचानक अफरा-तफरी मच गई, जब सिवनी से जबलपुर की तरफ जा रहे एक कंटेनर ट्रक में अचानक भीषण आग भड़क उठी। आग लगते ही कंटेनर ट्रक धूं-धूं कर जलने लगा और

कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप ले लिया। इस भयानक मंजर को देखकर हाईवे पर गुजर रहे अन्य वाहन चालकों के होश उड़ गए। आग की भयंकर लपटें और आसमान में उठता धुएं का काला गुबार दूर-दूर से साफ दिखाई दे रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही छपारा थाना पुलिस तुरंत हरकत में आई और दल-बल के साथ मौके पर पहुंच गई। इस भीषण आगजनी के कारण नेशनल हाईवे-44 पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित हो गई। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किया और वाहनों को सुरक्षित तरीके से निकालने के प्रयास शुरू किए।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि चलते हुए कंटेनर ट्रक में अचानक आग किस वजह से लगी थी। राहत की बात यह रही कि इस दर्दनाक हादसे में किसी भी प्रकार के हताहत होने की कोई आधिकारिक सूचना सामने नहीं आई है।

चंबल पार कर रहे स्टीमर का बीच में खत्म हुआ डीजल, तेज बहाव में बहता दिखा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले से एक डराने वाली खबर सामने आई है। जिले की पोरसा तहसील के अंतर्गत आने वाले चंबल नदी के नगरा घाट पर रविवार की सुबह चीख-पुकार मच गई। यह खौफनाक आवाज चंबल नदी के तेज बहाव के बीच अनियंत्रित होकर बहते जा रहे एक स्टीमर से आ रही थी।

गनीमत यह रही कि इस गंभीर स्थिति में कोई बड़ा जनहासा नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा के दावों की पोल खोलकर रख दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार की सुबह जब यह स्टीमर चंबल नदी में उतरा, तो नदी के बीच में पहुंचते ही उसका इंजन अचानक बंद हो गया। इंजन बंद होने की मुख्य वजह स्टीमर में डीजल खत्म होना बताई जा रही है। डीजल समाप्त होते ही चालक का वाहन से नियंत्रण छूट गया और पानी का तेज बहाव स्टीमर को अपने साथ आगे बहा ले गया। देखते ही देखते यह स्टीमर घाट से काफी दूर एक धुंधले बिंदु की तरह दिखाई देने लगा। बहते हुए इस स्टीमर को रोकने या उसमें समय पर डीजल या मदद पहुंचाने का कोई भी उपाय मौके पर नहीं किया गया था, जिससे वहां मौजूद लोगों की सांसें अटक गईं। आपको बता दें कि इन दिनों लगातार हो रही बारिश के कारण चंबल नदी अपने पूरे उफान पर है। पानी के बढ़ते खतरे को देखते हुए उत्तर प्रदेश प्रशासन के एसडीएम ने पहले ही घाट पर चलने वाले स्टीमर के संचालन को पूरी तरह बंद करने का सख्त आदेश जारी किया था। इसके बावजूद नियमों को ताक पर रखकर यह स्टीमर धड़ल्ले से चलाया जा रहा था। प्रशासन की पाबंदी के बाद भी स्टीमर के संचालन से यात्रियों की सुरक्षा पर बड़ा संकट मंडरा रहा है। स्थानीय नागरिकों और चंबल किनारे के लोगों ने प्रशासन से इस मामले में तत्काल और कठोर कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में किसी बड़ी अनहोनी को रोका जा सके।

बाराबंकी में एनकाउंटर: पुलिस ने रोका तो बाइक मोड़ी फिर चला दी गोली जवाबी फायरिंग में हुआ घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में चेकिंग के दौरान पुलिस बाइक सवार एक संदिग्ध को रोकने की कोशिश कर रही थी, लेकिन उसने बाइक मोड़कर भागने की कोशिश की. बाइक फिसली तो बदमाश ने खुद को घिरा देखकर फायरिंग शुरू कर दी. जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई, जो उसके पैर में जा लगी. घायल बदमाश को पकड़कर अस्पताल भेजा गया. तलाशी में उसके पास से दो मोबाइल, तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं. उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में शनिवार की देर रात पुलिस और एक लूट के वांछित आरोपी के बीच मुठभेड़ हो गई. घटना मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में कठोलिया पुल से छेदा रोड के पास की है. पुलिस के मुताबिक, चेकिंग के दौरान बाइक सवार संदिग्ध ने भागने की कोशिश की और बाद में पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी. जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी. दरअसल, 15 अगस्त की रात मोहम्मदपुर खाला थाना पुलिस अपराधियों की धरपकड़ और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी. इसी दौरान पुलिस को कठोलिया पुल से छेदा रोड के पास एक संदिग्ध अपराधी के मौजूद होने की सूचना मिली. पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी शुरू कर दी.इसी दौरान पुलिस को एक बाइक सवार संदिग्ध दिखाई दिया. पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह बाइक मोड़कर भागने लगा. पुलिस के मुताबिक, भागने के दौरान उसकी बाइक फिसल गई. इसके बाद आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी. यह भी पढ़ें: पुलिस की गाड़ी, टायर पंचर और फायरिंग... क्यों सुजीत सिन्हा एनकाउंटर ने याद दिलाया विकास दुबे का मामला? पुलिस का दावा है कि फायरिंग के बाद पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई की. इस दौरान बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया. पुलिस ने उसे पकड़ लिया और इलाज के लिए सीएचसी फतेहपुर भेजा गया. पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान दलबाग उर्फ सोनू निवासी सीतापुर के रूप में हुई है. पुलिस का कहना है कि आरोपी मोहम्मदपुर

खाला थाने में दर्ज लूट के एक केस के अलावा थाना रामनगर में दर्ज लूट के एक अन्य मामले में भी वांछित था. पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो लूटे गए मोबाइल फोन, तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और बाइक बरामद की है. आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है. रिकॉर्ड की जांच में सीतापुर और बाराबंकी के अलग-अलग थानों में उसके खिलाफ पहले से कई केस दर्ज होने की बात सामने आई है. फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है.

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

अहमदाबाद, (सोमवार)
17 अगस्त 2026

विमल पान मसाला ऐड को लेकर क्यों घिरे शाहरूख खान, अजय देवगन और टाइगर श्राप?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ मुश्किल में घिरते नजर आ रहे हैं। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने तीनों अभिनेताओं को विमल इलायची के विज्ञापन को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एफडीए का आरोप है कि यह विज्ञापन सीधे तौर पर भले ही इलायची का प्रचार करता दिखाई देता हो, लेकिन इसके जरिए विमल पान मसाला ब्रांड का अप्रत्यक्ष या सरोगेट विज्ञापन किया जा रहा है। महाराष्ट्र में पान मसाला पर फिलहाल प्रतिबंध है, जिसके चलते राज्य एफडीए ने इस विज्ञापन को गंभीरता से लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एफडीए ने अजय देवगन को उनके जुहू स्थित घर पर और शाहरुख खान को बांद्रा स्थित उनके घर मन्नत पर नोटिस पहुंचाया। वहीं, टाइगर श्रॉफ को नोटिस उनकी प्रोडक्शन कंपनी टाइगर श्रॉफ प्रोडक्शंस एलएलपी के जरिए दिया गया है। नोटिस में तीनों से विज्ञापन में उनकी भूमिका को लेकर जवाब मांगा गया है। एफडीए का कहना है कि

विमल ब्रांड मुख्य रूप से पान मसाला से जुड़ा हुआ है और महाराष्ट्र में इसके निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री पर रोक लगी हुई है। यह प्रतिबंध 13 जुलाई 2026 को महाराष्ट्र के खाद्य सुरक्षा आयुक्त की ओर से जारी आदेश के तहत लगाया गया है और इसकी अवधि एक साल की है। इस कार्रवाई में एफडीए ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एफएसएस) एक्ट, 2006 की धारा 24 का भी हवाला दिया है। यह धारा खाद्य उत्पादों से जुड़े ऐसे विज्ञापनों पर रोक लगाती है, जो भ्रामक या धोखा देने वाले हो सकते हैं। इसके अलावा, नोटिस में इसी कानून की धारा 53 का भी जिक्र किया गया है। इस धारा के तहत भ्रामक खाद्य विज्ञापन के प्रकाशन या प्रचार से जुड़े लोगों पर 10 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को भेजे गए ये नोटिस महाराष्ट्र एफडीए की बड़ी कार्रवाई का हिस्सा हैं। राज्य में खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के खिलाफ विभाग ने हाल के दिनों में अपना अभियान तेज किया है। खास तौर पर गुटखा और तंबाकू या निकोटीन वाले प्रतिबंधित पान मसाला उत्पादों के निर्माण और बिक्री पर नजर रखी जा रही है। इसके अलावा एफडीए खाद्य और दूध में मिलावट, स्कूलों के आसपास अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की बिक्री और प्रतिबंधित खाद्य उत्पादों के निर्माण एवं वितरण जैसे मामलों में भी कार्रवाई कर रहा है। हाल के महीनों में विभाग ने कई जगहों पर निरीक्षण और जब्ती की कार्रवाई की है।

दिल्ली में MCD के सफाईकर्मी का चाकू मारकर कत्ल, बहन बोली- वो सिर्फ 27 साल का था, इंसाफ चाहिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के कल्याणपुरी में ड्यूटी के दौरान दिल्ली नगर निगम) एक सफाई कर्मचारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पीड़ित परिवार के साथ-साथ इलाके के जनप्रतिनिधियों ने पुलिस से इस मामले में तुरंत एक्शन लेने की मांग की है। मृतक की पहचान 27 साल के अनिल कुमार के रूप पर हुई है। अनिल स्र्ष्ष्ठ में सफाई कर्मचारी थे।शुरुआती जानकारी के मुताबिक, अनिल कल्याणपुरी में अपनी ड्यूटी कर रहे थे, तभी उन पर चाकू से हमला किया गया। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि CCTV फुटेज में आरोपी को सफाई कर्मचारी पर चाकू से हमला करते हुए देखा गया है। पुलिस की जांच टीम हमलावर का पता लगाने के लिए फुटेज और दूसरे सबूतों की जांच कर रही है। इस हत्याकांड के बाद पूर्वी दिल्ली के DCP राजीव कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। वहीं, AAP विधायक कुलदीप कुमार अस्पताल परिसर के अंदर धरने पर बैठ गए हैं। मेरे पास एक फोन आया कि अनिल का एक्सीडेंट हो गया है और मुझे वहां पहुंचना चाहिए। वहां पहुंचने पर पता चला कि चाकू मार कर उसकी हत्या कर दी गई है। वह तो बस काम पर गया था। वह ड्यूटी पर था। कोई पीछे से आया और उनकी हत्या कर दी। हमें बस इंसाफ चाहिए। वह सिर्फ सत्ताइस साल का था। वह MCD के लिए काम करता था।

राष्ट्रगान विवाद में संदीप दीक्षित ने अमित मालवीय को भेजा कानूनी नोटिस, 48 घंटे में माफी की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित की तरफ से बीजेपी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय को कानूनी नोटिस भेजा गया है. यह नोटिस 15 अगस्त को वकील अंबुज दीक्षित और अमरीश रंजन पांडे ने भेजा. मामला 13 अगस्त को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में हुए रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय सम्मेलन से जुड़ा है, जहां राष्ट्रगान को लेकर एक तकनीकी गड़बड़ी हुई थी. नोटिस के मुताबिक, कार्यक्रम में राष्ट्रगान सामान्य तरीके से बजाया गया. मंच पर मौजूद संदीप दीक्षित, राहुल गांधी और बाकी लोग यह मानकर आगे बढ़ गए कि राष्ट्रगान खत्म हो चुका है और वे लोगों से मिलने जुलने लगे. इसी दौरान ऑडियो सिस्टम में गड़बड़ी की वजह से राष्ट्रगान गलती से दोबारा बजने लगा, जिसे ऑपरेटर ने तुरंत बंद कर दिया. नोटिस में वीडियो का पूरा टाइमलाइन भी दिया गया है, जिसके अनुसार 59:55 मिनट पर संदीप दीक्षित लोगों से नारेबाजी न करने की अपील करते हैं, 1:00:01 पर राष्ट्रगान शुरू होता है, 1:01:01 पर खत्म होता है और 1:01:02 पर गलती से दोबारा शुरू होकर 1:01:08 पर रोक दिया जाता है. नोटिस में कहा गया है कि बीजेपी के आधिकारिक एक्स हैंडल @BJPyIndia से इस घटना को गलत तरीके से पेश किया गया. पोस्ट में लिखा गया था कि राहुल गांधी ने फिर राष्ट्रगान का अपमान किया है और यह उनका देश विरोधी रवैया दिखाता है. कांग्रेस पक्ष का कहना है कि यह एक साधारण तकनीकी चूक थी, जिसे जानबूझकर अपमान के तौर पर पेश किया गया, जो पूरी तरह गलत और भ्रामक है.

बच्चा गोद लेने की चाहत बन सकती है मुसीबत ठगों के जाल में फंसे तो पहुंच जाएंगे जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कई बार ऐसे हालात बन जाते हैं, जब इलाज, आईवीएफ के बावजूद बच्चे की चाहत पूरी नहीं हो पाती है। ऐसे में कई दंपती बच्चा गोद लेने पर विचार करते हैं। इसी भावनात्मक मोड़ का कुछ ठग और बाल तस्करी से जुड़े गैंग फायदा उठाते हैं। बच्चा गोद दिलाने का भरोसा देकर लाखों रुपयों की डिमांड करते हैं। मामला तब गंभीर हो जाता है, जब 'गोद' लेने की चाहत वाले दंपती फर्जी दस्तावेज, बच्चे की खरीद-फरोख्त या मानव तस्करी गैंग के चंगुल में फंस जाते हैं। दिल्ली में ऐसे कई गिरोहों का हाल में भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस अफसर बताते हैं कि गैंग अक्सर दंपती से पूछते हैं, 'बच्चा चाहिए?' धीरे-धीरे दंपती का भरोसा जीतते हैं। दावा करते हैं कि सरकारी प्रक्रिया में बहुत समय लगेगा, हमारे जरिए जल्दी बच्चा मिल जाएगा। आज पैसे दीजिए, कुछ दिनों में बच्चा आपके पास होगा। ऐसे में सुनकर दंपती झांसे में आ जाते हैं। गिरोह के मेंबर दंपती की हैसियत भांपते हैं और रकम तय करते हैं। अवैध नेटवर्क में सबसे गंभीर खतरा दस्तावेजों का होता है। बच्चे की पहचान बदलने के लिए फर्जी सर्टिफिकेट बनाने की कोशिश हो सकती है। इससे न सिर्फ नवजात की असली पहचान और जैविक परिवार से उसका संबंध छिपता है, बल्कि भविष्य में उसके अधिकारों पर भी असर पड़ सकता है। गोद लेना एक संवेदनशील और कानूनी प्रक्रिया है। इसमें समय लग सकता है, लेकिन यही प्रक्रिया बच्चे और गोद लेने वाले परिवार के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। इसलिए किसी भी शॉर्टकट, एजेंट या सोशल मीडिया विज्ञापन के झांसे में आने के बजाय सिर्फ अधिकृत सरकारी व्यवस्था के जरिए गोद लें। राजा बाठिया, डीसीपी (नॉर्थ जिला) क्या है बच्चा गोद लेने की प्रक्रिया? नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट साइबर स्ाह्र रोहित गहलोत ने बताया कि भारत में कानूनी रूप से बच्चे को गोद लेने की प्रक्रिया केवल Central Adoption Resource Authority के माध्यम से होती है। गोद लेने के इच्छुक दंपती या व्यक्ति को सबसे पहले CARA के अधिकृत ऑनलाइन पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होता है। इसके बाद आवश्यक दस्तावेज जमा किए जाते हैं और अधिकृत द्वारा होम स्टडी रिपोर्ट तैयार की जाती है।

मुंबई में घर पर मृत मिला नौसेना का जवान, पत्नी और दो बच्चों की भी मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। एक दर्दनाक घटना की जानकारी मिली है, जहां एक नाविक और उसके दो बच्चे घर पर मृत पाए गए हैं. शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि नाविक ने आत्महत्या की है. मुंबई के नेवी नगर से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक नाविक और उसके दो बच्चों (2 महीने और 3 साल) की उनके घर पर मौत हो गई. शुरुआती जांच के आधार पर माना जा रहा है नाविक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है, और पत्नी व बच्चों की मौत जहर खाने से हुई है. शवों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है और आगे की जांच जारी है. वहीं इस घटना को लेकर भारतीय नौसेना का बयान भी सामने आया है. भारतीय नौसेना ने बताया कि कोलाबा के नेवी नगर में हुई एक दुखद घटना में, 15 अगस्त को भारतीय नौसेना का एक नाविक अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ अपने घर पर मृत पाया गया. पुलिस मामले की जांच कर रही है और भारतीय नौसेना इसमें हर संभव मदद दे रही है. इस बीच रविवार को पश्चिम बंगाल

विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर और पांच बार के ञ्चस्ष्ट विधायक आशीष बनर्जी का टीएमसी कार्यालय में शव फंदे से लटका मिला. मौके से एक कथित सुसाइड नोट भी बरामद किया गया. इसके बाद पूर्व ञ्चस्ष्ट विधायक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. पुलिस ने बतायता कि फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है. वहीं आशीष बनर्जी को ममता बनर्जी का बेहद ही खास माना जाता था. सुसाइड नोट में किसी को भी मौत के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है.

बहू ने ससुर से ठगे 39 लाख रुपये, खुद को बताया हिमाचल प्रदेश में ADM दिल्ली हाई कोर्ट का जमानत से इनकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। खुद को हिमाचल प्रदेश में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट बताकर ससुर से करीब 39 लाख रुपये की कथित ठगी करने वाली महिला को दिल्ली हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली। हाई कोर्ट ने महिला की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि मामले में अपराध का दायरा काफी बड़ा है और कथित साजिश की पूरी सचाई सामने लाने के लिए गहन जांच जरूरी है। मामले में यह पता लगाना जरूरी है कि आरोपी महिला ने सरकारी पद का झूठा दावा करने के लिए किस तरह दस्तावेज तैयार किए और कथित तौर पर सरकारी मुहर, हस्ताक्षर और लेटरहेड का इस्तेमाल कैसे किया। सीमापुरी थाने में दर्ज FIR के मुताबिक, महिला ने अपने ससुर से अलग-अलग किश्तों में करीब 39 लाख रुपये लिए। आरोप है कि उसने परिवार को बताया कि उसका हिमाचल प्रदेश ADM के पद पर चयन हो गया है। और वह ट्रेनिंग कर रही है। इसी कहानी के आधार पर उसने पति से मिलने से इनकार किया और गुरुग्राम में अपने लिव-इन पार्टनर के साथ रहने लगी। पुलिस का आरोप है कि फर्जी कहानी को मजबूत करने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार के चीफ सेक्रेटरी के नाम से कथित नकली नियुक्ति अधिसूचना तैयार किया गया। अभियोजन के अनुसार, सह-आरोपी अनुपम कश्यप के जरिए ससुर को कई ईमेल भेजे गए। इनमें यह विश्वास दिलाने की कोशिश की गई कि हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस आरोपी महिला से मिलना चाहते हैं। एक कथित फर्जी ईमेल में हाई कोर्ट के एक मौजूदा जज की पत्नी के गंभीर सड़क हादसे का दावा कर तस्वीर भी भेजी गई।

दिल्ली में महिलाओं को बड़ा तोहफा, DTC बसों में मुफ्त सफर के लिए 'पिंक टिकट' की मियाद 31 अगस्त तक बढ़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार ने डीटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त सफर की सुविधा देने वाले पिंक टिकट को जारी रखने का फैसला किया है. सरकार ने इसकी समय सीमा एक बार फिर बढ़ा दी है. अब महिलाएं 31 अगस्त तक पेपर वाला पिंक टिकट लेकर बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी. पहले यह तय हुआ था कि 16 अगस्त से पिंक साथी स्मार्ट कार्ड को अनिवार्य कर दिया जाएगा, लेकिन अब इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई है. परिवहन विभाग की तरफ से शनिवार को जारी आदेश में इस बारे में जानकारी दी गई. आदेश में कहा गया कि सक्षम अधिकारी ने पेपर आधारित पिंक टिकट जारी करने की मौजूदा व्यवस्था को 31 अगस्त तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है. इसका मतलब है कि इस बढ़ी हुई अवधि के दौरान योग्य महिला यात्रियों को डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त सफर के लिए पेपर वाला पिंक टिकट मिलता रहेगा. आदेश में यह भी कहा गया कि इस

दौरान लोगों को जागरूक करने पर खास ध्यान दिया जाएगा. इसके लिए डिपो में अनाउंसमेंट, बसों के अंदर घोषणा, सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया और दूसरे तरीकों का इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं इस बारे में जान सकें. अभी तक शहर भर में करीब 18 लाख पिंक साथी कार्ड बांटे जा चुके हैं. सरकार का लक्ष्य है कि अगस्त के अंत तक इस संख्या को और बढ़ाया जाए. इसके बाद ही यह कार्ड अनिवार्य किया जाएगा. अधिकारियों के मुताबिक फैसला लिया गया है कि धीरे धीरे पुराने पेपर वाले पिंक टिकट को खत्म करके स्मार्ट कार्ड आधारित सिस्टम की तरफ बढ़ा जाएगा. मुफ्त बस यात्रा की सुविधा अब इसी कार्ड के जरिए दी जाएगी. महिलाओं को स्मार्ट कार्ड बनवाने में दिक्कत न हो, इसके लिए दिल्ली सरकार ने शहर में 50 अधिकृत केंद्र भी बनाए हैं. इन केंद्रों पर जाकर महिलाएं आसानी से अपना पिंक साथी कार्ड बनवा सकती हैं.

पुणे में 18 अगस्त से 31 अगस्त तक प्रतिबंध लागू, धरना-प्रदर्शन, जुलूस बैन, जानिए क्या गाइडलाइंस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। आगामी त्योहारों, सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुणे पुलिस ने 18 अगस्त से 31 अगस्त तक प्रतिबंधात्मक आदेश लागू करने का फैसला किया है। यह आदेश महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, 1951 की धारा 37 (1), (2) और (3) के तहत जारी किया गया है। पुलिस उप आयुक्त (विशेष शाखा) डॉ. प्रशांत अमृतकर द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह प्रतिबंध 18 अगस्त की रात 12:01 बजे से 31 अगस्त की रात 12 बजे तक पुणे शहर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में प्रभावी रहेगा। पुलिस का कहना है कि शहर में समय-समय पर विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों द्वारा मोर्चे, धरना-प्रदर्शन, बंद और आंदोलन आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई और अन्य संवेदनशील मुद्दों के दौरान तनाव की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। आगामी ईद-ए-मिलाद, नारली पूर्णिमा, रक्षाबंधन समेत विभिन्न त्योहारों के मद्देनजर सार्वजनिक शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। प्रतिबंधात्मक आदेश के तहत किसी भी व्यक्ति को सार्वजनिक स्थानों पर दाहक, विस्फोटक और ज्वलनशील पदार्थ, पत्थर, हथियार या ऐसे सामान ले जाने की अनुमति नहीं होगी, जिनसे किसी को शारीरिक नुकसान पहुंच सकता है। इसके अलावा, किसी व्यक्ति, नेता या संगठन के चित्र, प्रतीकात्मक पुतले, या प्रतिमाओं का प्रदर्शन अथवा उनका दहन करने पर भी रोक लगाई गई है। सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील, आपत्तिजनक या भड़काऊ नारे लगाने, भड़काऊ गीत गाने, वाद्य बजाने और ऐसी गतिविधियों पर भी प्रतिबंध रहेगा, जिससे सामाजिक सौहार्द या कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो। पुलिस ने चेतावनी दी है कि भड़काऊ भाषण, सार्वजनिक रूप से आपत्तिजनक व्यवहार और सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाली गतिविधियों पर कार्रवाई की जाएगी। जुलूस पर बैनादेश के तहत अपराधियों की रील बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित करना, दहशत फैलाना, धमकी देना या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली डिजिटल सामग्री साझा करना भी प्रतिबंधित रहेगा। आदेश का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि पांच या उससे अधिक लोगों की सभा, बैठक या जुलूस आयोजित करने के लिए पुणे पुलिस आयुक्त की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति किसी भी प्रकार की सभा, रैली या जुलूस निकालने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।दौरान 3.5 फीट तक लंबी लाठी रखने की छूट दी गई है।

देशभक्ति का गीत खोजा और खाते से उड़ गए 44560 रुपये, जोगेश्वरी में साइबर ठगों का नया 'आजादी' वाला जाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। देशभक्ति की भावना भी अब साइबर ठगों के निशाने पर है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जहां देश 80वां आजादी का जश्न मना रहा है। वहीं, साइबर ठग देशप्रेम, आकर्षक ऑफर और देशभक्ति के संदेशों का सहारा लेकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। जोगेश्वरी में 56 वर्षीय एक महिला को स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए देशभक्ति के गाने को तलाशना भारी पड़ गया। एक संदिग्ध लिंक खोलने के बाद उनके खाते से तीन बार में 44,560 रुपये निकल गए।

गाने की तलाश मं खुला ठगी का लिंक

साइबर पुलिस के मुताबिक, करूणा देवरे (बदला हुआ नाम) अपनी सोसाइटी में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी कर रही थीं। कार्यक्रम के लिए उन्हें देशभक्ति के गाने डाउनलोड करने थे। दो दिन पहले उन्होंने गूगल पर कई गाने सर्च किए। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले उनके मोबाइल पर एक लिंक आया, जिसमें कई देशभक्ति के गाने एक ही जगह उपलब्ध होने का दावा किया गया था। देवरे ने उत्सुकतावश उस लिंक को खोल दिया। कुछ ही मिनट बाद उनका मोबाइल बंद हो गया। दोबारा मोबाइल ऑन करने पर उन्हें खाते से तीन बार में कुल 44,560 रुपये कटने के संदेश मिले। ठगी का अहसास होने पर देवरे ने पुलिस का रूख किया देशभक्ति की भावनाओं का फायदा उठाकर साइबर ठगी के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के बाद सोशल मीडिया पर अभिनेता अक्षय कुमार की कथित सलाह और कैबिनेट के फैसले का हवाला देते हुए 'सेना कल्याण' के नाम पर बैंक खाते में पैसे जमा कराने का संदेश वायरल हुआ था। साइबर पुलिस ने बाद में इसे फर्जी बताया था। कोविड काल में भी सरकारी मदद और कोरोना पीड़ित परिवारों की सहायता के नाम पर क्यूआर कोड और बैंक खाते वायरल कर ठगी के मामले सामने आए थे। एसपी अजय बंसल, साइबर पुलिस, महाराष्ट्र ने बताया कि साइबर ठग किसी भी अवसर को ठगी का जरिया बना लेते हैं। देशभक्ति, आकर्षक ऑफर या आपदा के नाम पर भावनाओं से खेलकर लोगों को फंसाया जाता है। अनजान लिंक न खोलें, ओटीपी साझा न करें और किसी के कहने पर डिजिटल भुगतान न करें। संदेह होने पर तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत करें, क्योंकि सतर्कता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

दिमागी नक्सलवाद पर मचा सियासी घमासान, कई नेताओं ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाल किले से दिए गए भाषण में दिमागी नक्सल शब्द के इस्तेमाल ने देश की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा था कि देश में जहां एक तरफ हथियारबंद नक्सलवाद खात्मे की कगार पर है, वहीं दूसरी तरफ दिमागी नक्सल समाज में अराजकता फैलाने और युवाओं को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। इस बयान पर कांग्रेस, सीपीआई, तृणमूल कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) समेत तमाम विपक्षी दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

पीएम मोदी का बयान के सामने आते ही विपक्षी दलों ने उन पर स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए करने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, पहले उन्होंने अपने विरोधियों को अर्बन नक्सल कहा, अब वे उन्हें दिमागी नक्सल कह रहे हैं। यह उनकी हताशा का स्पष्ट संकेत है। पीएम अक्सर उन्हीं नीतियों को अपनाते हैं जिनकी सलाह उनकी तरफ से निशाना बनाए गए लोग देते हैं।वहीं सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता और स्वतंत्र पत्रकार सौरभ दास ने पीएम की शब्दावली पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा, दिमागी नक्सल या ऐसा कोई भी ठप्पा काम नहीं आने वाला, प्रधानमंत्री जी! आप देश के शिक्षित युवाओं को सिर्फ इसलिए नक्सली कैसे कह सकते हैं क्योंकि वे आपकी सरकार से सवाल पूछते हैं? यह सरासर अहंकार और युवाओं की समस्याओं को हल करने में नाकामी है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में वैचारिक विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा, सुरक्षा बलों ने जंगलों में जारी बंदूकधारी माओवादी उग्रवाद को लगभग ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन नक्सली विचारधारा वाले लोग अब दिमागी नक्सल के रूप में देश को गलत रास्ते पर ले जाने और युवाओं को गुमराह करने के मौकों की तलाश में हैं।पीएम ने कहा कि माओवादी विचारधारा ने दशकों तक सत्ता के गलियारों और सलाहकार समितियों में पैठ बनाकर सरकारी नीतियों को प्रभावित किया था। हमें इन दिमागी नक्सलियों को अलग-थलग करना होगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी. राजा ने कहा कि राइट-विंग ट्रॉप्स में एंटी-नेशनल और टुकड़े-टुकड़े गैंग के बाद अब पीएम ने दिमागी नक्सल का एक नया निरर्थक लेबल जोड़ दिया है। यह असहमति की आवाजों को दबाने और रोजगार-शिक्षा मांगने वाले युवाओं के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है।टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने पीएम के बयान पर तंज कसते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, हां, मैं एक दिमागी नक्सल हूं। परिभाषा के मुताबिक सभी कॉकरोच होते हैं। 2027 और 2028 के आगामी राज्य विधानसभा चुनावों से पहले लाल किले से आया यह बयान आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजनीति और सुरक्षा बहस का एक मुख्य केंद्र बनने वाला है।

देश में मानसून का कहर: यूपी में जलभराव, उत्तराखंड में हाईवे बंद, हिमाचल में 183 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मानसून ने फिर कहर बरपाया है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भारी बारिश और इससे जुड़ी घटनाओं ने जनजीवन अस्त-व्यस्त किया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में महज कुछ घंटों की बारिश के बाद सड़कें दो फीट तक पानी में डूब गईं, वहीं गोमती नगर, हजरतगंज और जानकीपुरम जैसे पॉश इलाकों सहित कई जगह घरों के बेडरूम और किचन तक पानी घुस गया। वाराणसी में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे घाट किनारे के 100 से अधिक छोटे मंदिर जलमग्न हो गए हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के उफान पर आने से यूपी-एमपी को जोड़ने वाला पुल डूब गया है और पानी कॉलोनियों तक पहुंच गया है। प्रदेश में कुल 11 नदियां खतरे के निशान पर हैं। उत्तराखंड के चमौली में भारी बारिश से बाजपुर के पास पहाड़ खिसक गया, जिससे बद्रीनाथ हाईवे बंद हुआ है और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं। हिमाचल में 30 जून से 15 अगस्त के बीच मानसून संबंधी घटनाओं में अब तक 183 लोगों की मौत हुई है और शनिवार शाम तक 103 सड़कें बंद थीं। मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में सक्रिय मानसूनी सिस्टम के कारण जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में अगले तीन दिनों के लिए भारी बारिश की चेतावनी है। वहीं राजस्थान में भी 10 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जहां शनिवार को भरतपुर, धौलपुर सहित कई जिलों में एक इंच तक बारिश दर्ज की गई।

सूरत के नसीरनगर में बुलडोज़र चलने के बाद बेघर हुए पीड़ितों की चीखें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। नसीरनगर इलाके में अधिकारियों द्वारा की गई ज़बरदस्त तोड़-फोड़ के बाद, अब हर तरफ़ सिर्फ़ मलबा, धूल के बादल और बेबस लोगों की चीखें सुनाई दे रही हैं। जहाँ गरीब और मज़दूर परिवार सालों से अपनी छतों के नीचे रहते थे, आज एक ही झटके में वे खुले आसमान के नीचे आ गए हैं। अधिकारियों के बुलडोज़र ने न सिर्फ़ ईंट और सीमेंट के घरों को गिरा दिया है, बल्कि सैकड़ों गरीब परिवारों के सपनों और रोज़ी-रोटी को भी चकनाचूर कर दिया है। तोड़-फोड़ के बाद हालात इतने खराब हो गए हैं कि छोटे बच्चे, बुजुर्ग और औरतें अपने बचे हुए सामान के साथ खुली सड़क पर बैठने को मजबूर हो गए हैं। आस-पास के लोग अपनी आँखों में आँसू लिए अपना दर्द बयां कर रहे हैं, और कह रहे हैं, 'सिस्टम ने हमें एक झटके में भिखारी बना दिया है। न खाने का अनाज है, न पीने का पानी और न ही सिर पर छत। सरकार ने हमें जीते जी मार डाला है। गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन हटाने के नाम पर लिए गए इस कड़े फैसले पर अब गंभीर सवाल उठ रहे हैं। हुक्मरानों और प्रशासन ने अपनी ताकत तो दिखाई है, लेकिन क्या इस प्लान में इंसानियत पूरी तरह मर गई है? बिना किसी दूसरे सिस्टम के इतनी बड़ी कार्रवाई क्यों? कानून-व्यवस्था तो ठीक है, लेकिन क्या इन गरीब लोगों को कहीं और रहने की जगह देना सरकार की पहली ड्यूटी नहीं थी छोटे बच्चों और बुजुर्गों के भविष्य का क्या? अगर मॉनसून या चिलचिलाती गर्मी में खुले में घूम रहे इन परिवारों के बीच कोई महामारी फैल गई या कोई बुराई हो गई तो कौन ज़िम्मेदार होगा सिर्फ़ गरीबों पर ही बुलडोज़र क्यों? जो सिस्टम बड़े लोगों और लैंड माफियाओं के गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन पर आँखें मूंद लेता है, वह सिर्फ़ तब इतना एक्टिव क्यों होता है जब गरीब मज़दूरों की झोपड़ियाँ गिराई जाती हैं? सो-कॉल्ड डेवलपमेंट के नाम पर गरीबों की रोजी-रोटी छीनने की इस पॉलिसी के खिलाफ लोगों में बहुत गुस्सा है। अगर सरकार और नगर निगम ने इन बेघर परिवारों के लिए तुरंत पुनर्वास और खाने-पीने का सही इंतज़ाम नहीं किया, तो यह गुस्सा आने वाले दिनों में एक बड़े आंदोलन में बदलकर सरकार के खिलाफ खड़ा हो जाएगा।

अयोध्या के राम मंदिर में लागू हुआ नया परिधान नियम, एक समान पारंपरिक वेशभूषा में नजर आएंगे पुजारी

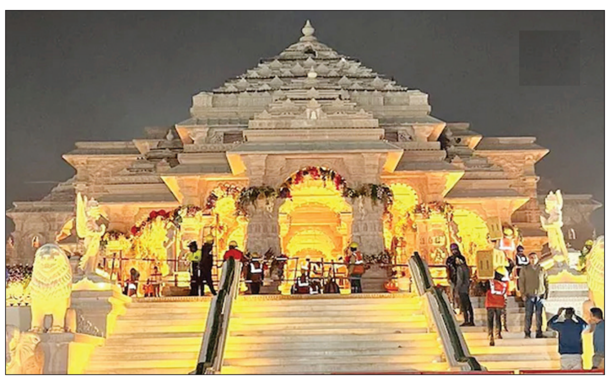

अयोध्या(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित ऐतिहासिक श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पुजारियों के लिए नई वेशभूषा की व्यवस्था लागू कर दी गई है। मंदिर के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि अब मंदिर के सभी पुजारी एक समान पारंपरिक परिधान में नजर आएंगे, जिससे पूजा-अर्चना और सेवा व्यवस्था में अधिक अनुशासन और एकरूपता देखने को मिलेगी।

मंदिर न्यास की धार्मिक समिति की सदस्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने बताया कि यह नया परिधान पूरी तरह से रामानंदी परंपरा के अनुरूप तय किया गया है। इसके तहत सभी पुजारी अब हल्के पीले रंग की रेशमी धोती और उसी रंग का रेशमी उत्तरीय धारण करेंगे। भगवान राम को हल्का पीला रंग अत्यंत प्रिय माना जाता है, इसलिए विशेष रूप से इसी रंग को इस परिधान के लिए चुना गया है। नए नियमों के अंतर्गत पुजारियों की साज-सज्जा से जुड़े कड़े मानक भी निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत पुजारियों को या तो पंचकेश परंपरा का पालन करना होगा या फिर वे पूरी तरह से मुंडित रहेंगे। मंदिर परिसर में आंशिक रूप से बढ़े हुए बाल या दाढ़ी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, रामानंदी परंपरा के अनुसार माथे पर विशेष तिलक धारण करना भी अनिवार्य कर दिया गया है। धार्मिक समिति के अन्य सदस्य महंत राजकुमार दास ने स्पष्ट किया कि वस्त्रों की पवित्रता और शुद्धता को सर्वोपरि रखते हुए रेशमी परिधान का चयन किया गया है। समिति का मानना है कि इस नई व्यवस्था से मंदिर की धार्मिक गरिमा और अधिक सुदृढ़ होगी।

सीएम बोले- बीआरएस ने सरकार गिराने के लिए कराया तंत्र-मंत्र

तेलंगाना में तंत्र-मंत्र को लेकर राजनीति गर्माई

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजनीति में इन दिनों एक अजीबोगरीब और गंभीर विवाद ने जन्म ले लिया है। राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुख्य विपक्षी दल भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। संगारेड्डी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बीआरएस के नेता कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने और उसे बदनाम करने के लिए तंत्र-मंत्र और काले जादू का सहारा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नेता राज्य में सूखे की स्थिति पैदा होने और किसानों की परेशानियों के लिए प्रार्थनाएं कर रहे हैं, ताकि सरकार के खिलाफ माहौल बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने सीधे तौर पर नाम लिए बिना बीआरएस विधायक टी. हरीश राव पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि हरीश राव ने कर्नाटक और तमिलनाडु के विभिन्न मंदिरों में जाकर तंत्र-मंत्र अनुष्ठान किए हैं। इस विवाद को हवा देते हुए तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने भी पूर्व में यह दावा किया था कि हरीश राव ने राज्य में बारिश को रोकने के लिए क्षुद्र पूजा का आयोजन किया था। इससे पहले 13 अगस्त को भी मुख्यमंत्री ने बीआरएस पर इसी तरह के आरोप लगाए थे। मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के बीच अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने रायथु भरोसा योजना के तहत लगभग 70 लाख किसानों के बैंक खातों में 36 हजार करोड़ रुपए की राशि स्थानांतरित की है। उन्होंने दावा किया कि एल नीनो के प्रभाव के बावजूद गोदावरी और कृष्णा नदियों में पर्याप्त जल उपलब्धता बनी रही। साथ ही, राज्य सरकार की ओर से हर महीने 3.48 करोड़ लोगों को 2 लाख क्विंटल से अधिक चावल वितरित किया जा रहा है।

दूसरी ओर, बीआरएस नेता हरीश राव ने मुख्यमंत्री के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन पर पलटवार किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर स्वतंत्रता दिवस जैसे गरिमापूर्ण अवसर पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। हरीश राव ने कहा कि वे भ्रष्टाचार, अधूरी किसान कर्ज माफी और खाद की कमी जैसे जनहित के मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं, जिससे बौखलाकर मुख्यमंत्री उन पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे आगे भी किसानों, बेरोजगार युवाओं और छात्रों की आवाज उठाते रहेंगे। हरीश राव ने चेतावनी दी है कि वे मुख्यमंत्री के इन आरोपों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे।

भारत के वैश्विक महाशक्ति बनने की यात्रा में महाराष्ट्र अग्रणी भूमिका निभाएगा : शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि भारत के वैश्विक महाशक्ति बनने की यात्रा में महाराष्ट्र अग्रणी भूमिका निभाएगा। इसके साथ उन्होंने रक्षा, अंतरिक्ष और डिजिटल क्षेत्रों में देश की तेजी से हो रही तरक्की का जिक्र किया। ठाणे के जिलाधिकारी कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने तकनीक की अच्छी समझ रखने वाले जेन-जी को भारत की असली महाशक्ति बताया और उन्हें स्टार्टअप, एआई समाधानों और हरित प्रौद्योगिकियों के जरिए नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिंदे ने किसानों, युवाओं, महिलाओं और आधुनिक प्रौद्योगिकी से संचालित विकास रणनीति पर जोर देते हुए रक्षा, अंतरिक्ष और डिजिटल क्षेत्रों में देश की प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को एक वैश्विक महाशक्ति बनाने की यात्रा में महाराष्ट्र देश का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि अपने गृह क्षेत्र ठाणे को एक आधुनिक केंद्र में बदलने के लिए कई बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है। शिंदे ने ठाणे आंतरिक मेट्रो गलियारा, ठाणे-बोरीवली दोहरी सुरंग वाली सड़क परियोजना और शहर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त 6,059 सुरक्षा कैमरे लगाने की परियोजना पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।

मध्यस्थता के संबंध में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छुईखदा। माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण / प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव विजय कुमार होता के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनंदगांव निलेश जगदला के नेतृत्व में तालुक विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष /न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी छुईखदान श्री ईशान व्यास के निर्देशानुसार पी.एल.व्ही श्री सनील कुमार द्वारा ग्राम श्यामपुर (छुईखदान) मे उपस्थित ग्रामीणो को निशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दिया गया तथा विशेष रूप से मध्यस्थता आपसी मतभेदों को सुलझाने का प्रभावी और सरल माध्यम है यह न्यायिक प्रक्रिया से अलग एक वैकल्पिक व्यवस्था है जिसमें निष्पक्ष मध्यस्थ दोनों पक्षों के बीच आपसी सामंजस्य स्थापित कर समझौता करने का प्रयास करते हैं इसके अलावा बाल विवाह, घरेलू हिंसा , नशा मुक्ती , साइबर क्राइम के बारे में जानकारी दिया गया तथा वर्तमान में हो रहे साइबर फ्रॉड से हमें हमेशा कैसे सतर्क रहना चाहिए जिससे साइबर फ्रॉड से होने वाले ठगी से बचा जा सके तथा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 में कॉल करके जानकारी ले सकते हैं।

कॉजपा ने युवाओं को नक्सली कहने पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए संबोधन को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने प्रधानमंत्री के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसमें उन्होंने ''दिमागी नक्सल'' सोच रखने वाले तत्वों का उल्लेख किया था।

स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि जहां एक ओर सशस्त्र नक्सलवाद का खतरा अब समाप्ति की ओर अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर ''दिमागी नक्सल'' मानसिकता वाले कुछ लोग देश में अशांति और हिंसा फैलाने के अवसर तलाश रहे हैं तथा समाज को भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आह्वान किया था कि ऐसे लोगों की पहचान करके उन्हें अलग-थलग किया जाना चाहिए और युवाओं को सकारात्मक दिशा में मुख्यधारा से जोड़ा जाना चाहिए। इस बयान पर पलटवार करते हुए कॉजपा प्रवक्ता सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से तीखा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि केवल सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने वाले पढ़े-लिखे युवाओं को ''नक्सली'' करार देना उचित नहीं है। दास ने इसे सरकार का अहंकार और जनता की समस्याओं को हल करने में विफलता करार देते हुए कहा कि ऐसी बातें काम नहीं आएंगी और अब बदलाव का समय आ गया है।अपने एक अन्य संदेश में दास ने दावा किया कि देश एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां लोगों के मन से डर की भावना समाप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि जिस पीढ़ी को हमेशा चुप रहने की सीख दी गई थी, आज उसे अपनी आवाज और माध्यम मिल चुका है। शांतिपूर्ण विरोध और जन-जागृति के इस नए दौर में लोग धीरे-धीरे पुरानी व्यवस्थाओं को पीछे छोड़ रहे हैं। इसके साथ ही, कॉजपा प्रवक्ता ने सत्ता पक्ष पर युवाओं को बांटने की कोशिश करने का भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश के हर कोने में निराशा से उबरकर लोग एकजुट हो रहे हैं और खुद को कमजोर समझने वाले नागरिक अब सामूहिक ताकत महसूस कर रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में इस बयान के बाद जुबानी जंग तेज हो गई है।

महुआ मोइत्रा से सर्किट हाउस खाली कराने के आदेश पर बवाल, बाहर जुटी हमलावर भीड़

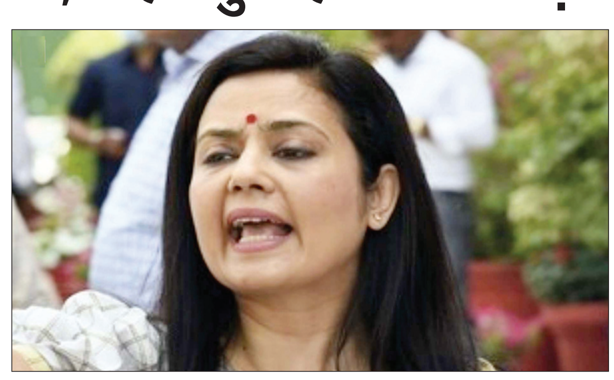

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के कृष्णनगर सर्किट हाउस में तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को देर रात कमरा खाली करने के लिए कहे जाने से विवाद खड़ा हो गया है । महुआ मोइत्रा के अनुसार, वह 14 अगस्त की शाम करीब 6¬15 बजे सर्किट हाउस पहुंची थीं. रात 9¬47 बजे अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने उन्हें कमरा खाली करने के लिए कहा। उन्हें व्हाट्सऐप के जरिए आदेश भेजा गया. जिसमें सर्किट हाउस में वार्षिक सफाई और रखरखाव का हवाला दिया गया था।

महुआ के मुताबिक, उन्होंने तत्काल कमरा खाली करने से इनकार कर दिया। इसके बाद सर्किट हाउस के बाहर लोग भारी संख्या में जुट गए और नारेबाजी करने लगे। उन्होंने आरोप लगाया, भीड़ का उद्देश्य उन्हें डराना और दबाव बनाना था। पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेताओं के ऊपर अंडा फेंकने और उनके साथ मारपीट किए जाने की कई घटनाएं इसके पहले हो चुकी हैं. ऐसी स्थिति में संसद को सर्किट हाउस का कमरा रात में खाली करने के आदेश को लेकर बड़ा बवाल मच गया है. सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश में कहा था कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने सीने में गोली खाई है महुआ मोइत्रा अंडा खाने से डर रही हैं. इसको लेकर पश्चिम बंगाल में अब बड़ा बवाल मच गया है.

महुआ ने पूरे मामले की शिकायत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से करते हुए महिला सांसद की सुरक्षा और सम्मान का मुद्दा उठाया है। सरकार के इशारे पर प्रशासन के आदेश को जोड़कर देखा गया है। इस मामले ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नया विवाद पैदा कर दिया है।

वर्णी उद्यान के नाम से जाना जाएगा हंसेरा का ग्राम पंचायत पार्क, 100 आंवला पौधे लगाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हंसेरा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वर्णी पुरम् हंसेरा में वर्णी संस्थान विकास सभा जनकल्याण समिति एवं विचार संस्था सागर के तत्वावधान में ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नशा मुक्ति जागरूकता रैली और पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जन्मभूमि स्मारक पर वर्णी बाल संस्कार केंद्र के विद्यार्थियों और ग्रामीणों की मौजूदगी में स्मारक के उप अधिष्ठाता पं. देवेंद्र शास्त्री मड़ावरा ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शिखरचंद जैन मड़ावरा रहे, जबकि ग्राम प्रधान छत्रपाल सिंह तथा विशिष्ट अतिथि डी.के. सराफ, सुरेश शास्त्री केवलारी, विनोद जैन शास्त्री और राजीव जैन मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनोद जैन एलआईसी सागर ने की।

क्रिप्टो करेंसी के नाम पर करोड़ों की ठगी का मकड़जाल, डोंगरगांव से पूरे छत्तीसगढ़ तक फैला फर्जी कंपनियों और एजेंटों का नेटवर्क

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कहते हैं दुनिया में जब तक बेवकूफ लोग है अक्लमंद भुखा नहीं मर सकता वह अपना काम आसानी से निकाल लेते हैं इसी तरीके से छत्तीसगढ़ को लोग दुधारू गाय एवं ऐश करने के लिए चारागाह समझते हैं यही कारण है कि यहां देश में सर्वाधिक साइबर ठगी सहित चिट फंड के अलावा अब क्रिप्टो करेंसी ने भी अपना जाल फैला लिया है और यह बेहद आश्चर्य की बात है कि इसमें शिक्षक सहित कुछ सरकारी कर्मचारी भी बहती गंगा में हाथ धो रहे हैं विगत कुछ समय से हमारे छत्तीसगढ़ राज्य के गांवों एवं शहरों में क्रिप्टोकरंसी, शेयर मार्केट, फॉरेक्स ट्रेडिंग और '3-4 महीने में रकम डबल ', '4' मासिक एवं दैनिक ब्याज ', क्रिप्टो माय-निइंग प्रॉफिट ,दैनिक प्रॉफिट जैसी योजनाओं के नाम पर कई फर्जी कंपनियां सक्रिय हो गई हैं। ये कंपनियां आम जनता को झूठे आश्वासन एवं लालच देकर उनकी खून-पसीने की कमाई लूट रही हैं। अब तक कई करोड़ रुपये इन्वेस्ट करा चुके हैं ज्ञात हुआ है कि इन कंपनियों का न तो कोई वैध पंजीयन है और न ही SEBI, IRDA अथवा RBI जैसी किसी भी नियामक संस्था से मान्यता प्राप्त है। कहा जाता है विदेशी कंपनी है,तो भारत में व्यापार करने के लिए उनके पास भारत सरकार की कोई अनुमति पत्र भी नहीं है यह पूर्णतः मनी लॉन्ड्रिंग और धोखाधड़ी का खेल है। जिसमें शुरुआती लोग भारी भरकम रकम कमाकर निकल जाते हैं और भारी भरकम रकम कम कमा कर अपने आप को रोल मॉडल बनाते हैं और बाद में आने वाले लोग बुरी तरह फंस जाते हैं द्य प्रशासन द्वारा कुछ कंपनी उजागर होने पर उसके खिलाफ कार्रवाई भी की गई उसके पश्चात भी बहुत से कंपनियां सक्रिय है द्य और शासन द्वारा एजेंट ऊपर कार्यवाही नहीं करने के कारण एक कंपनी बंद होने पर एजेंट दूसरी कंपनी में काम करना चालू कर देते हैंद्य और यह गैंग, एजेंट कंपनी बंद होने पर कह देते हैं कि हम तो एजेंट है कंपनी नहीं है प्रशासन हमारा कुछ नहीं कर सकता और नए-नए फर्जी /विदेशीकंपनियों का आविष्कार कर लेते हैं द्य इस फर्जी समूह एजेंट/ लीडर का यही काम रहता है ऐसी विदेशी/फर्जी कंपनियां हमारे बीच के ही कुछ लोगों को 'लीडर' बनाकर, अथवा फर्जी गैंग को शामिल कर भारी भरकम पैसों का लालच देकर अपना कारोबार फैलाती हैं।

होर्मुज तनाव, कच्चा तेल और अमेरिकी नीतिगत संकेत तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

अमेरिकी एफओएमसी के ब्योरे से लेकर चीन के आर्थिक आंकड़े तक, इन पर रहेगा बाजार का फोकस

- मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ता तनाव, अमेरिका-ईरान संबंधों में अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से निर्धारित होगी। विश्लेषकों का मानना है कि निवेशक सोमवार को जारी होने वाले अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे और चीन के आर्थिक आंकड़ों पर भी पैनी निगाह रखेंगे। बीते सप्ताह स्थानीय बाजारों में तेज गिरावट दर्ज की गई थी, जिसके बाद अब वैश्विक घटनाक्रमों पर ध्यान केंद्रित हो गया है। शेयर बाजार के जानकारों के अनुसार कंपनियों के तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त होने के बाद अब निवेशकों का ध्यान घरेलू कारकों से हटकर वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर केंद्रित हो गया है। रिलायंस ब्रोकिंग के एक अ धिकारी ने बताया कि निकट अवधि में होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम और ब्रेंट कच्चे तेल की दिशा बाजार के लिए महत्वपूर्ण कारक होंगे। उन्होंने आगे कहा कि चूंकि आने वाला सप्ताह आंकड़ों के लिहाज से अपेक्षाकृत हल्का है, ऐसे में वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतें और भू-राजनीतिक स्थिति ही बाजार को दिशा देंगी। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा 19 अगस्त को जारी किया जाएगा, जिससे अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के नीतिगत रुख को लेकर अहम संकेत मिलेंगे। यदि फेडरल रिजर्व का रुख अपेक्षा से अधिक आक्रामक दिखाई देता है, तो इससे उभरते बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी बढ़ सकती है, जिससे भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और बढ़ जाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि निवेशक कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव से जुड़े घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखेंगे। कच्चा तेल, भू-राजनीतिक घटनाक्रम, एफओएमसी की बैठक का ब्योरा और चीन के आर्थिक आंकड़े इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाले प्रमुख संकेतक होंगे।

बीमा कंपनियों को चेतावनी, सिर्फ आरोप से क्लेम खारिज नहीं, देना होगा सबूत

तेलंगाना आयोग ने टाटा एआईए को 1 करोड़ रुपए डेथ क्लेम ब्याज सहित चुकाने का आदेश दिया

नई दिल्ली ।

तेलंगाना राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (टीएससीडीआरसी) ने बीमा कंपनियों के लिए एक अहम फैसला सुनाया है। अब केवल जानबूझकर जानकारी छिपाने का आरोप लगाने से डेथ क्लेम खारिज नहीं होगा, बल्कि कंपनी को यह साबित भी करना होगा। आयोग ने टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस को एक परिवार को 1 करोड़ रुपये का डेथ क्लेम ब्याज सहित चुकाने का आदेश दिया है। केंद्रीय उत्पाद शुल्क के सेवानिवृत्त अधिकारी रामदास विसलावथ ने अक्टूबर 2019 में टाटा एआईए से 1 करोड़ रुपए की पॉलिसी ली थी। मई 2021 में कोविड-19 से उनकी मृत्यु के बाद कंपनी ने क्लेम यह आरोप लगाकर खारिज किया कि उन्होंने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के एक पुराने, टले हुए बीमा आवेदन की जानकारी छिपाई थी। हालांकि, आयोग ने कंपनी के तर्कों को खारिज कर दिया। उसने पाया कि टाटा एआईए यह साबित नहीं कर पाई कि पॉलिसीधारक को पुराने प्रस्ताव स्थगित होने या खराब मेडिकल रिपोर्ट की जानकारी थी। कंपनी ने खुद पॉलिसी जारी करने से पहले उनका मेडिकल टेस्ट किया था और फिट पाया था। मृत्यु कोविड-19 से हुई थी, जिसका पूर्व कथित स्थिति से कोई संबंध नहीं था। आयोग ने टाटा एआईए को 1 करोड़ रुपये का डेथ क्लेम 9 फीसदी वार्षिक ब्याज, 50,000 रुपये मुआवजा और 10,000 रुपये कानूनी खर्च के साथ अदा करने का आदेश दिया। कंपनी ने इस फैसले को राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में चुनौती देने का इरादा जताया है।

बढ़ता यूरिया बिल, भारत की सब्सिडी नीति पर पुनर्विचार जरूरी

ईरान युद्ध और वैश्विक बाधाओं से उर्वरक लागत दोगुनी, सब्सिडी बिल रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली ।

भारत सरकार द्वारा यूरिया पर दी जा रही भारी सब्सिडी अब मुश्किल में है। ईरान युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईंधन और उर्वरक महंगे हो गए हैं, जिससे भारत का आयात बिल बहुत बढ़ गया है। इससे रुपये पर दबाव बढ़ा है और सरकार अपने दशकों पुराने कृषि सब्सिडी मॉडल पर दोबारा विचार करने को मजबूर हो गई है। ईरान युद्ध और वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के कारण अंतरराष्ट्रीय उर्वरक कीमतें दोगुनी हो गई हैं। इसका सीधा असर भारत के यूरिया आयात बिल पर पड़ा है, जो इस वित्तीय वर्ष में अनुमानित 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। यह भारी सब्सिडी बोझ और विदेशी मुद्रा के बाहर जाने से भारतीय रुपये पर दबाव बढ़ा है। किसान 45 किलो यूरिया के लिए मात्र 266.5 रुपये देते हैं, जबकि सरकार इसे खरीदने के लिए दस गुना ज़्यादा कीमत चुका रही है। इस गंभीर स्थिति ने सरकार को अपने दशकों पुराने कृषि सब्सिडी मॉडल पर पुनर्विचार करने को विवश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी किसानों से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग आधा करने की अपील की है। सरकार जागरूकता अभियान भी चला रही है। हालांकि, किसान पुराने तरीकों को बदलने में अनिच्छुक दिखते हैं और आपूर्ति सामान्य न होने के कारण कुछ राज्य आपूर्ति सीमित कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब्सिडी अप्रभावी है और कृषि में अस्वस्थ आदतें पैदा कर रही है। कमजोर मॉनसून के साथ मिलकर, यह स्थिति भारत की फसल और खाद्य महंगाई पर गंभीर असर डाल सकती है।

एलपीजी ई-केवाईसी करने का आ खिरी दिन, वरना छूट जाएगी सब्सिडी!

एलपीजी ई-केवायसी 16 अगस्त रात 12 बजे तक

नई दिल्ली ।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर सरकारी सब्सिडी का लाभ जारी रखने के लिए आधार आधारित ई-केवाईसी पूरा करने के लिए आज आपके पास अंतिम मौका है। 16 अगस्त रात 12 बजे तक यह प्रक्रिया पूरी न करने वाले उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए अधिक भुगतान करना पड़ सकता है और सब्सिडी से वंचित होना पड़ सकता है। सभी प्रमुख तेल कंपनियों ने उपभोक्ताओं को सूचित किया है कि सब्सिडी वाले दरों पर गैस सिलेंडर प्राप्त करने के लिएई-केवाईसी अनिवार्य है। ऐसा न करने पर उज्ज्वला योजना के कनेक्शनधारियों की सब्सिडी रुक सकती है और बुकिंग में भी बाधाआ सकती है। हालांकि, ई-केवाईसी न करने पर आपका गैस कनेक्शन रद्द नहीं होगा, लेकिन आपको सब्सिडी वाली दर पर सिलेंडर मिलना बंद हो जाएगा।

विदेशी मुद्रा भंडार में 14 अरब का उछाल, चार माह के शीर्ष पर

लगातार छठे सप्ताह हुई वृद्धि, 07 अरब के पार पहुंचा कुल भंडार

मुंबई।

केंद्र सरकार द्वारा निर्यात बढ़ाने और भुगतान संतुलन सुधारने के लिए उठाए गए कदमों का सकारात्मक असर अब दिखने लगा है। बीते 7 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14.13 अरब डॉलर की भारी बढ़ोतरी के साथ 707 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। यह लगातार छठा सप्ताह है जब भंडार में वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे यह चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार 7 अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14.136 अरब बढ़कर 707.002 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह लगातार छठी साप्ताहिक बढ़ोतरी है और भंडार को चार महीने के शीर्ष पर ले गई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 10.512 अरब की अच्छी-खासी वृद्धि दर्ज की गई थी। हालांकि, यह अभी भी 27 फरवरी 2026 के 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर से कुछ नीचे है। इस वृद्धि में विदेशी मुद्रा आस्तियों और स्वर्ण भंडार का अहम योगदान रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियों में 9.946 अरब का इजाफा हुआ, जिससे यह 574.625 अरब डॉलर हो गया।

इंडियन बैंक कारोबार विस्तार हेतु जुटाएगा 1 अरब डॉलर

120वीं वर्षगांठ पर नई शाखाएं व डिजिटल पहल शुरू

चेन्नई ।

सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक अपने कारोबार विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत इस सप्ताह बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से 40 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए तैयार है। बैंक के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि बैंक की कुल योजना ईसीबी से लगभग एक अरब डॉलर और विदेशी मुद्रा प्रवासी (एफसीएनआर-बी) जमा से लगभग दो अरब डॉलर जुटाने की है, जिसमें से 1.5 अरब डॉलर पहले ही प्राप्त हो चुका है। अ धिकारी के अनुसार, बैंक दिसंबर 2026 तक भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती अदला-बदली सुविधा का लाभ उठाते हुए अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर भी जुटा सकता है। एफसीएनआर-बी जमा के बेहतर प्रवाह को देखते हुए, आरबीआई ने निर्धारित समय से पहले ही विशेष डॉलर-रुपया विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा के तहत जमा जुटाने की अवधि समाप्त कर दी है। हालांकि, ईसीबी और अन्य विदेशी मुद्रा उधारी के लिए समयसीमा 31 दिसंबर, 2026 तक बनी हुई है। वित्तीय विस्तार के साथ, इंडियन बैंक ने हाल ही में अपनी 120वीं स्थापना दिवस (15 अगस्त को) मनाया। इस अवसर पर, बैंक ने देश भर में 15 नई शाखाओं का वर्चुअल उद्घाटन किया और साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए आईबी साइबर कैप्टन नामक एक शुभंकर पेश किया। इसके अतिरिक्त, बैंक ने डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से तीन भाषाओं में वॉयस बैंकिंग सेवा सहित कई नई डिजिटल पहल भी शुरू कीं।

सरकारी खरीद में महंगाई का नया पैमाना, डब्ल्यूपीआई की जगह पीपीआई अपनाने का निर्देश

– उत्पादक स्तर पर कीमतों का सटीक आकलन, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप बदलाव

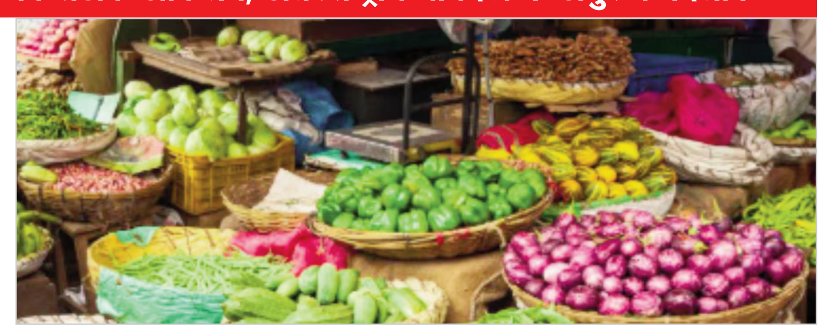

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने अपनी खरीद प्रक्रियाओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव की पहल की है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों को भविष्य के सरकारी अनुबंधों में मूल्य-वृद्धि और दर समायोजन के लिए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) की जगह उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने का निर्देश दिया है। यह कदम सरकारी ठेकों में लागत समायोजन को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। व्यय विभाग ने पिछले माह एक कार्यालय ज्ञापन जारी कर मंत्रालयों और विभागों को पीपीआई उपलब्ध होने पर इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया था। सरकार का मानना है कि पीपीआई उत्पादक स्तर पर मूल्य परिवर्तनों को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक रूप से स्वीकृत सूचकांक है। यह कदम परियोजना के दौरान सामग्री, श्रम और ईंधन जैसी प्रमुख लागत में बदलाव के अनुसार भुगतान समायोजन सुनिश्चित करेगा, जिससे सरकार और ठेकेदार दोनों के लिए महंगाई के प्रभाव को साझा करने में मदद मिलेगी। भारत में वाणिज्य मंत्रालय ने जून 2023 से वस्तुओं और सेवाओं के लिए मासिक पीपीआई आंकड़े जारी करना शुरू कर दिया है। वस्तुओं के पीपीआई में विनिर्मित उत्पादों का सर्वाधिक 69.93 प्रतिशत भारांश है, जबकि कृषि, बिजली और खनन का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

सेवा क्षेत्र में बैंकिंग, बीमा, रेलवे, हवाई यात्री सेवाओं और दूरसंचार सहित सात प्रमुख सेवाओं को पहले चरण में शामिल किया गया है। यह पहल भारत को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की प्रणाली के अनुरूप लाएगी और डब्ल्यूपीआई से पीपीआई की ओर संभावित दीर्घकालिक बदलाव का संकेत देती है।

शीर्ष 10 कंपनियों में से पांच का बाजार पूंजीकरण एक लाख करोड़ घटा

बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज का स्थान अभी भी नंबर वन पर

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का रुख रहा, जिसके चलते सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बड़ी कमी आई। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को इस दौरान सबसे अधिक नुकसान झेलना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 0.62 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 0.83 प्रतिशत के नुकसान में रहा। इस गिरावट का असर शीर्ष कंपनियों पर स्पष्ट दिखा। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और टीसीएस के बाजार पूंजीकरण में कमी दर्ज की गई। इन पांच कंपनियों के बाजार मूल्य में कुल मिलाकर करीब एक लाख करोड़ रुपये की कमी हुई। टीसीएस का मार्केट कैप सर्वाधिक 34,263.28 करोड़ रुपये घटकर 8.53 लाख करोड़ रुपये रह गया।

वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 31,869.13 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 25,891.88 करोड़ रुपये घट गया। दूसरी ओर, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में बढ़ोतरी हुई।

ई20 माइलेज के लिए अकेला जिम्मेदार नहीं, मिलावट के दावे भी खारिज- सरकार

-मंत्रालय ने बताया- माइलेज कई कारकों पर निर्भर, मिलावट के दावे भी बेबुनियाद

नई दिल्ली ।

ई20 पेट्रोल से जुड़े माइलेज में कमी और मिलावट के आरोपों पर केंद्र सरकार ने स्थिति स्पष्ट की है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि वाहनों के माइलेज में गिरावट के लिए सिर्फ ई20 को जिम्मेदार ठहराना गलत है। मंत्रालय ने ईंधन में मिलावट के दावों को भी बेबुनियाद बताया। मंत्रालय के अनुसार वास्तविक परिस्थितियों में माइलेज ड्राइविंग की आदतें, ट्रैफिक, गाड़ी का रखरखाव, टायरों में हवा का दबाव और एयर-कंडीशनर के उपयोग जैसे कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है। सरकार ने माना है कि ई10 के हिसाब से बनी पुरानी गाड़ियों में ई20 से 3 से 5 प्रतिशत तक मामूली कमी आ सकती है। ई20 पेट्रोल को लॉन्च से पहले गहन परीक्षण किया गया था, जिसमें इंजन की मजबूती और कंपैटिबिलिटी जांची गई थी। ई20 पेट्रोल में कथित मिलावट या दूषित ईंधन की शिकायतों को भी खारिज किया गया है। तेल कंपनियों ने देशभर में किए गए परीक्षणों में क्लोराइड या नमी का कोई सबूत नहीं पाया। रिफाइनरियों, डिस्टिलरियों और डिपो से लिए गए सैकड़ों सैंपल में क्लोराइड का स्तर निर्धारित सीमा से कम था। लगभग 90,000 पेट्रोल पंपों के भूमिगत स्टोरेज टैंकों की जांच में भी पानी घुसने का कोई मामला नहीं मिला।

अगले हफ्ते 50 शेयरों में डिविडेंड से कमाई का मौका- पेज इंडस्ट्रीज की बंपर आय

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अगले सप्ताह शानदार मौका आ रहा है, जहाँ 17 से 21 अगस्त, 2026 के बीच कुल 50 कंपनियां एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेंगी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) कैलेंडर के अनुसार, ये कंपनियां निवेशकों के लिए डिविडेंड, स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू की घोषणा कर चुकी हैं। इस सूची में बैंकिंग, फाइनेंस, गैस, ऑटो और कंज्यूमर जैसे विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को अच्छी कमाई का मौका देंगी।

इन 50 कंपनियों ने मिलकर कुल मिलाकर प्रति शेयर लगभग 929 रुपये तक का भारी डिविडेंड घोषित किया है। विशेष रूप से, 17 अगस्त को द यमुना सिंडिकेट लिमिटेड 500 रुपये का फाइनल डिविडेंड और एसकेएफ इंडिया लिमिटेड 20 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगा। बंधन बैंक लिमिटेड भी इसी दिन 1.50 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड देगा।

18 अगस्त को महानगर गैस लिमिटेड 18 रुपये का फाइनल डिविडेंड देगा, जबकि रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) भी 0.71 रुपये का फाइनल डिविडेंड पेश करेगा।

अगले दिन, 19 अगस्त को, पेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने निवेशकों को 200 का भारी अंतरिम डिविडेंड देकर आकर्षित करेगा, वहीं बाटा इंडिया लिमिटेड भी 25 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगा।

सप्ताह के अंत में, 20 अगस्त को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड 4.62 रुपये का फाइनल डिविडेंड देगा। इसके बाद, 21 अगस्त को एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 10 रुपये का फाइनल डिविडेंड और जिंदल स्टील लिमिटेड 2 रुपये का फाइनल डिविडेंड वितरित करेगा। इन डिविडेंड घोषणाओं के अलावा, किर्लोस्कर न्यूमैटिक कंपनी जैसे कुछ शेयर स्टॉक स्प्लिट और ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स जैसे बोनस इश्यू के लिए भी एक्स-डेट पर जाएंगे, जिससे निवेशकों को विविध लाभ मिलने की उम्मीद है। यह सप्ताह बाजार में सक्रिय निवेशकों के लिए खास रहने वाला है।

विदेशी करेंसी की मांग में छोटे शहर बने नए ग्रोथ इंजन- रिपोट

टियर-2 और टियर-3 शहरों की कुल हिस्सेदारी 53 फीसदी

नई दिल्ली ।

भारत में विदेशी करेंसी (फॉरेक्स) की मांग अब केवल देश के मेट्रो शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है, बल्कि छोटे शहर इसके नए ग्रोथ इंजन के रूप में उभरे हैं। थॉमस कुक इंडिया की फॉरेक्स रिपोर्ट 2026 के अनुसार, विदेशी मुद्रा की कुल मांग में टियर-2 और टियर-3 शहरों की संयुक्त हिस्सेदारी आधे से ज्यादा (53 फीसदी) हो गई है, जो टियर-1 शहरों से अधिक है। यह आंकड़ा भारत में आर्थिक विकास के विकेंद्रीकरण और छोटे शहरों के निवासियों की बढ़ती वैश्विक आकांक्षाओं को दर्शाता है। रिपोर्ट बताती है कि समीक्षाधीन अवधि में, अकेले टियर-2 शहरों की हिस्सेदारी 41 फीसदी रही, जबकि टियर-3 शहरों का योगदान 12 फीसदी था, जिससे संयुक्त हिस्सेदारी 53 फीसदी हो गई। इसके विपरीत, मेट्रो शहरों सहित टियर-1 शहरों का योगदान 47 फीसदी रहा। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि उभरता हुआ भारत फॉरेक्स ग्रोथ के अगले चरण को आगे बढ़ा रहा है, जिसमें टियर-2 और टियर-3 शहर कुल मांग के आधे से ज यादा हिस्से का योगदान कर रहे हैं। फॉरेक्स की मांग का सबसे बड़ा हिस्सा घूमने-फिरने (पर्यटन) से जुड़ा है, जिसकी कुल ट्रांजैक्शन में 57त्न हिस्सेदारी थी। कॉर्पोरेट यात्रा का योगदान 27 फीसदी और छात्रों की विदेश यात्रा का 16 फीसदी रहा। यह दर्शाता है कि भारतीय अब सिर्फ व्यापार या पढ़ाई के लिए ही नहीं, बल्कि पर्यटन के लिए भी विदेशों का रुख कर रहे हैं। उम्र के हिसाब से, 25-40 साल के आयु वर्ग ने फॉरेक्स के इस्तेमाल में सर्वाधिक (37 फीसदी) योगदान दिया, इसके बाद 41-60 साल के यात्रियों (36 फीसदी) का स्थान रहा। मिलेनियल्स और जेन-एक्स मिलकर फॉरेक्स के उपयोग का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा बनाते हैं, जबकि वरिष्ठ यात्री (60+ साल) भी 21 फीसदी के साथ महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मुद्राओं की पसंद में, अमेरिकी डॉलर 49 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहा। यूरो और ब्रिटिश पाउंड जैसी यूरोपीय मुद्राओं की हिस्सेदारी 23 फीसदी थी। एशियाई मुद्राएं (थाई बहत, सिंगापुर डॉलर) 11 फीसदी और मिडिल ईस्ट की मुद्राएं (यूएई दिरहम, सऊदी रियाल) 9 फीसदी हिस्सेदारी रखती हैं।

लागत से नीचे बिक्री से सोयाबीन, सीपीओ और पामोलिन तेलों में गिरावट, सरसों भी प्रभावित

आयातकों द्वारा बैंक कर्ज चुकाने का दबाव सरकारी बैंकों और किसानों के लिए चिंता का विषय

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल बाजार में आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर की गई बिकवाली के कारण बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सोयाबीन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलिन जैसे आयातित खाद्य तेलों में लगातार गिरावट बनी रही, जिससे घरेलू बाजार की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई और सरसों तेल के दाम भी नीचे आए। इस बिक्री के पीछे आयातकों द्वारा बैंक कर्ज चुकाने का दबाव बताया जा रहा है, जो सरकारी बैंकों और अंततः किसानों के लिए चिंता का विषय बन रहा है।

आयातित तेलों के 22-28 रुपये प्रति किलो सस्ते होने के कारण घरेलू मांग कमजोर रही। इसका असर मूंगफली तेल-तिलहन पर भी पड़ा, जिनकी कीमतें स्थिर रहीं। सरसों तिलहन और तेल में भी कोई खास बदलाव नहीं आया, क्योंकि किसान कम दाम पर बेचने को तैयार नहीं थे और ऊंचे भाव पर तेल खप नहीं रहा था।

इसके विपरीत केवल बिनौला तेल में ब्रांडेड कंपनियों की बढ़ती मांग और कम उपलब्धता के कारण तेजी दर्ज की गई। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बना रहा। जबकि सरसों तेल दादरी 25 रुपये की गिरावट के साथ 16,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमश- 5-5 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,725-2,825 रुपये और 2,725-2,875 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 400-400 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 6,900-6,950 रुपये और 6,750-6,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,675 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,525 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 12,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।

यूनिटेक में 15,000 घर खरीदार फंसे, 15 साल की देरी! एसी से जल्द समाधान की गुहार

खरीदारों ने खाली संपत्तियों की नीलामी और तत्काल नए सीएमडी की मांग की

नई दिल्ली ।

संकट में फंसी रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक लिमिटेड की अटकी परियोजनाओं से जुड़े हजारों घर खरीदारों ने निर्माण कार्यों के लिए धन की कमी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने सरकार और उच्चतम न्यायालय से कंपनी की खाली पड़ी संपत्तियों की नीलामी कर परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा कराने की मांग की है। साथ ही, खरीदारों ने कंपनी के लिए नए चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) की नियुक्ति जल्द करने की भी अपील की है, क्योंकि यह महत्वपूर्ण पद पिछले एक महीने से खाली पड़ा है। यूनिटेक में सीएमडी का पद पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक युधवीर सिंह मलिक के कार्यकाल समाप्त होने के बाद से रिक्त है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने नए सीएमडी के लिए नाम प्रस्तावित किया है, लेकिन उच्चतम न्यायालय की मंजूरी का इंतजार है। खरीदार संगठनों का मानना है कि इस पद पर नियुक्ति में देरी परियोजनाओं को पूरा करने में सबसे बड़ी बाधा है। दिल्ली-एनसीआर सहित देश के विभिन्न हिस्सों में यूनिटेक की आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं में लगभग 15,000 खरीदार फंसे हुए हैं, जिनमें से कई परियोजनाएं 15 साल से अधिक की देरी से चल रही हैं। गुरुग्राम स्थित एस्पेस प्रीमियर ओनर्स एसोसिएशन जैसी कई खरीदार संघों का कहना है कि उन्हें अपने घरों का 16 साल से अधिक समय से इंतजार है। खरीदारों का अनुमान है कि सभी अटकी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए करीब 11,000-12,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी, जबकि ग्राहकों से केवल 3,000 करोड़ रुपये ही जुटाए जा सकते हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 2,455.73 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया था। यूनिवर्ल्ड चेन्नई ओनर्स एसोसिएशन और एल्डर ग्रोव विला ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने उच्चतम न्यायालय से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने ऋणदाताओं के दावों का पुनर्मूल्यांकन करने और उन पर ब्याज भुगतान रोकने का भी आह्वान किया है। एंथिया फ्लोर्स खरीदार संघ ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से 2005 के बाद यूनिटेक को दिए गए कर्ज का विशेष ऑडिट कराने की मांग की है, ताकि संभावित खामियों की पहचान कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जा सके।

शिवलिंग पूजन में रखें ध्यान

परमात्मा रूपी शिवलिंग की प्रत्येक व्यक्ति को पूजन आराधना करनी ही चाहिए। शिवलिंग को विधिपूर्वक स्नान करवाकर, उस स्नान वाले जल का तीन बार जो भी व्यक्ति आचमन करता है उसके तीनों अर्थात शारीरिक, मानसिक तथा वाचिक पाप तत्काल नष्ट हो जाते हैं। शिवलिंग मिट्टी का, पत्थर का, स्वर्ण का, रजत का तथा पारे आदि का बनवाकर प्राय: पूजन किया जाता है। विविध कामनाओं की पूर्ति करने के लिए विविध सामग्रियों से शिवलिंग बनाकर पूजने की विशेषता यहां बताई जा रही है –

- पारे का शिवलिंग बनाकर पूजन करने से महाऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- स्वर्ण की धातु से बनाए शिवलिंग की यदि पूजा-अर्चना की जाए तो महामुक्ति प्राप्त होती है।
- अष्टधातु से शिवलिंग का निर्माण करके यदि पूजा जाए तो सर्वसिद्धियों की प्राप्ति होती है।
- रजत से बनाए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने से महाविभूति की प्राप्ति होती है।
- नमक से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चना की जाए तो सुख सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- मिट्टी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर समस्त कार्य सिद्धि होती है।
- भस्म से निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो सभी फल प्राप्त होते हैं।
- कस्तूरी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर पूजा करने वाला शिव सा पूज्य पाता है।
- धान्य से बनाए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो स्त्री धन तथा पुत्र की प्राप्ति होती है।
- पुष्पों का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने से भूमि का लाभ प्राप्त होता है।
- मिश्री का शिवलिंग निर्मित करके पूजन-अर्चन किया जाए तो रोगों का नाश होकर आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- बांस के वृक्ष पर निकले हुए अंकुरों से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन किया जाए तो वंश-वृद्धि होती है।
- फलों से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर शुभा-शुभ की प्राप्ति होती है।
- आंवले के फल से शिवलिंग बना कर पूजन करने पर मुक्ति की प्राप्ति होती है।
- मक्खन से शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर यश, कीत तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- दोनों हाथों से लिंग मुद्रा बनाकर उसकी शिवलिंग की भांति पूजा की जाए तो हाथों में बरकत आ जाती है।
- गुड़ का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर महावशीकरण की प्राप्ति होती है।
- लहसुनियां पत्थर का शिवलिंग बनाकर पूजन करने पर शत्रुओं को पग-पग पर विघ्न तथा मान हानि प्राप्त होती है।
- अष्टलोह के शिवलिंग को बनाकर पूजन करने पर कुष्ठ रोग का नाश हो जाता है।
- मोती का बनाया हुआ शिवलिंग पूजन करने पर सौभाग्य में चार चांद लगाता है।

इस पूजन में सावधानी यही रखनी होगी कि ठोस पदार्थ अर्थात शिला, रत्न तथा धातु द्वारा निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना तो सदैव एक ही शिवलिंग पर की जा सकती है परंतु दूसरी विभिन्न सामग्री से बनाए गए शिवलिंग को प्रत्येक पूजन की समाप्ति पर संहार मुद्रा द्वारा विसर्जन कर देना होगा अन्यथा अप्रत्यक्ष हानि की भी संभावना है। माना जाता है कि मिट्टी आदि के बनाए शिवलिंग में जितनी बार भी मिट्टी टूटकर गिरेगी, साधक हो या पूजक को उतने ही करोड़ वर्षों तक नरक की अग्नि में झुलसना होगा, अत: अन्य सामग्री द्वारा निर्मित शिवलिंग का विसर्जन, पूजन कार्य की समाप्ति पर कर देना चाहिए।

सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं

गुजरात के सौराष्ट्र में भगवान सोमनाथ का ऐतिहासिक मंदिर है। भारत भूमि पर भगवान शंकर के 12 ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं, उनमें सोमनाथ को सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में जाना जाता है। कहते हैं इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था। यह मंदिर प्रभास क्षेत्र में स्थित है। कहते हैं भगवान शंकर के वर से चन्द्र की नष्ट हुई प्रभा पुन: प्राप्त हुई, इसीलिए इस क्षेत्र का नाम प्रभास पड़ा। यह मंदिर अत्यंत भव्य और वैभवशाली है। इतिहासकार बताते हैं कि पहली बार महमूद गजनी ने इसे लूटा। इसके बाद यह कई बार टूटा फिर इसका जीर्णोद्धार हुआ। सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयत्न से मौजूदा मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। 1951 में राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद के हाथों नए मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। सोमनाथ मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। मंदिर प्रांगण में शाम 7.30 बजे से 8.30 बजे तक लाइट एंड साऊंड शो में मंदिर के इतिहास के बारे में बताया जाता है। मंदिर के दक्षिण में समुद्र के किनारे स्तम्भ है, उसके ऊपर तीर से दर्शाया गया है कि सोमनाथ मंदिर और पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव के मध्य कोई भू-भाग नहीं है।

शाप का निवारण – मंदिर के संबंध में किंवदंती है कि सोम अर्थात चन्द्र ने राजा दक्ष प्रजापति की 27 कन्याओं से विवाह किया था। रोहिणी नाम की पत्नी से उनका विशेष अनुराग था। शेष 26 पत्नियों के साथ उनका वियोग रहता था। इन 26 बहनों ने मिलकर पिता से शिकायत की। दक्ष प्रजापति ने कई बार चन्द्र को समझाया परंतु उन पर कोई असर नहीं पड़ा। अंत में राजा दक्ष ने चन्द्र को शाप दे दिया कि अब से हर दिन तुम्हारा तेज क्षीण होता जाएगा। चन्द्र का तेज कम होने लगा। पृथ्वी पर त्राहि-त्राहि मच गई। चंद्र और इंद्र सहित सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने चन्द्र को प्रभास क्षेत्र में विधिपूर्वक मृत्युंजय मंत्र का जप, तप और शिव आराधना करने की सलाह दी। चंद्रदेव ने वैसा ही किया। भोलेनाथ ने प्रसन्न होकर शाप का निवारण किया, साथ ही यह भी कहा कि एक पक्ष में तुम्हारा तेज क्षीण होगा तो दूसरे पक्ष में बढ़ेगा। पूर्णिमा के दिन पूर्ण तेज होगा। चंद्र ने भगवान शिव का वहीं स्थापन कर सोमनाथ नाम दिया। मंदिर इतना भव्य है कि ऐसा लगता है भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं।

श्राद्ध भी होता है यहां

'प्रभास' में पूर्वजों का श्राद्ध भी होता है, जो किसी महीने में हो सकता है। चैत्र, भाद्रपद और कार्तिक महीने में श्राद्ध करना श्रेयस्कर होता है। समुद्र तट पर होने के कारण यहां गर्मी में शीतलता रहती है। सोमनाथ मंदिर से 6 किलोमीटर की दूरी पर भालुका तीर्थ है। मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण यहां विश्राम कर रहे थे, तभी एक शिकारी ने उनके पैर के तलवे में पद्मचिन्ह को हिरण की आंख समझ कर धोखे से तीर मारा, तभी भगवान श्री कृष्ण ने देह त्याग कर वैकुंठ गमन किया।

यहां तीन नदियों- हिरण, कपिला और सरस्वती का संगम भी है। इसके अतिरिक्त वाणेश्वर, भालुकातीर्थ, द्वारकानाथ मन्दिर, सूर्य मंदिर, हिंगलाज गुफा, गीता मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थल हैं। यहां से 200 कि.मी. की दूरी पर द्वारका धाम है। यहां से 69 कि.मी. की दूरी पर 1424 कि.मी. में फैला गिर वन्यजीव अभ्यारण्य है और शेरों के लिए मशहूर है। पर्यटक गार्ड के साथ खुली जीप में बैठकर शेरों को करीब से देखने की लालसा में जाते हैं।

गरुड़ पुराण से जानें कैसे होगी आपकी मौत

मृत्युलोक पर जो जन पैदा होता है, उसे इसे छोड़ कर एक दिन जाना पड़ता है। वैष्णव ग्रंथ गरूड़ पुराण दो भागों में विभाजित है। पहले भाग में विष्णु भक्ति का वर्णन है और दूसरे भाग में प्रेत कल्प से लेकर नरक तक का संपूर्ण वृतांत है। जब किसी हिंदू की मृत्यु हो जाती है, उसके बाद गरूड़ पुराण को पढ़ने का विधान है। बहुत सारे लोगों में ये गलत धारणा है की इस ग्रंथ को केवल मृत्यु के बाद पढ़ा जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। जीवनकाल में इस ग्रंथ को पढ़ने से पाप-पुण्य, नरक-स्वर्ग का ज्ञान पूर्ण रूप से प्राप्त होता है। इस पुराण से जाना जा सकता है की कैसे होती है किसी भी व्यक्ति की मौत।

गरुड़ पुराण के अनुसार जब किसी प्राणी की मृत्यु का समय पास आता है तो यमराज के दो दूत मरन अवस्था में पड़े प्राणी के पास आ जाते हैं। पापी मनुष्य को यम के दूतों से भय लगता है। जिन लोगों ने जीवन भर अच्छे कर्म किए होते हैं उन्हें मरने के समय अपने सामने दिव्य प्रकाश दिखता है और उन्हें मृत्यु से भय नहीं लगता। सत्यवादी, आस्तिक, किसी का दिल न दुखाने वाले, धर्म के पथ पर चलने वाले लोगों की मृत्यु सुखद होती है। जो दूसरों में गलत धारणाएं फैलाकर उन्हें गलत पथ पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, वह अंत समय में दर्द भरी मृत्यु प्राप्त करते हैं। संसार की कोई भी चीज अंत समय में साथ जाने वाली नहीं है। जब जीवन में प्रकाश सब ओर से लुप्त हो जाए और अंधकार में इन्सान को कुछ न सूझे तो उस समय आत्मा की ज्योति सर्वोपरि होती है। हमारी आत्मा हमें विपत्तियों में, तनाव में, पथरीले मार्ग पर व हर मोड़ पर सदैव सच्चा रास्ता दिखाने को तत्पर रहती है। आत्मा जैसा निश्चल, स्वच्छ, शुभ्र प्रकाश इस पृथ्वी में अन्य कहीं भी विद्यमान नहीं है। जब आत्मा का स्वरूप समझ में आ जाएगा तो जीवन की सभी पहेलियां सुलझ जाएंगी। आत्मा कभी भी मरती नहीं है, लेकिन जब तक आप आत्मभाव में नहीं आ जाते, आपको मृत्यु का डर बना रहेगा। जब मृत्यु के बारे में सभी तथ्य पता चल जाएंगे, तो मृत्यु का डर गायब हो जाएगा।

बहुत चमत्कारी है ये मामूली बांसुरी

वैसे तो कई तरह की बांसुरियां होती हैं, जो अलग-अलग असर दिखाती हैं लेकिन बांस से बनी बांसुरी और चांदी की बांसुरी विशेष असर दिखाने वाली और कमाल की होती है।

- चांदी की बांसुरी अगर आपके घर में होगी तो उस घर में पैसों से जूड़ी कोई परेशानी नहीं होगी।
- सोने की बांसुरी घर में रखने से उस घर में लक्ष्मी रहने लग जाती है और ऐसे घर में पैसा ही पैसा होता है।
- बांस के पौधे से बनी होने के कारण लकड़ी की बांसुरी शीघ्र उन्नतिदायक प्रभाव देती है अत: जिन व्यक्तियों को जीवन में पर्याप्त सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही हो, अथवा शिक्षा, व्यवसाय या नौकरी में बाधा आ रही हो, तो उन्हें अपने बैडरूम के दरवाजे पर दो बांसुरियों को लगाना चाहिए।
- यदि घर में अत्यधिक वास्तु दोष है या दो से अधिक दरवाजे एक सीध में हैं तो घर के मुख्यद्वार के ऊपर दो बांसुरी लगाने से लाभ मिलता है तथा वास्तु दोष भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है।
- घर का कोई सदस्य अगर बहुत दिनों से बीमार हो, अकाल मृत्यु का डर या अन्य कोई स्वास्थ्य से सम्बन्धित बड़ी समस्या चल रही हो तो प्रत्येक कमरे के बाहर और बीमार व्यक्ति के सिरहाने पर बांसुरी रखनी चाहिए। इससे बहुत जल्दी असर होने लगेगा।
- चांदी या बांस से बनी बांसुरी के बारे में एक जबरदस्त कमाल की बात ये है कि जब ऐसी बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है, तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं और जब इसे बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घर में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।

सावन के मंगलवार करें ये उपाय हर संकट से पार लगाएंगे बजरंगबली

सावन के महीने में किया गया हनुमान पूजन शीघ्र फलदाई होता है। पंचांग के अनुसार श्रवण हिंदू वर्ष का पांचवा महीना है और शिव भक्ति का ही विशेष काल है। श्रावण मास हिन्दू सनातन परंपराओं के अनुसार मनुष्य जीवन के चार संयम की अहमियत बताने वाला महीना है। हनुमान जी एकादश रुद्र अवतार हैं अर्थात वे भगवान शंकर के ग्यारहवें अवतार माने जाते हैं। एकादश रुद्र अवतार का चरित्र भी संयम, शौर्य, पराक्रम, बुद्धि, बल, पवित्रता, संकल्प शक्तियों के बूते जीवन को कष्ट, बाधाओं व संकटों से दूर रखने की प्रेरणा देता है।

सावन के 5 मंगलवार शाम 5 बजे के बाद हनुमान जी के सामने चमेली के तेल का एक दीपक अर्पित करें। आपकी हर मुराद होगी पूरी।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए एक साबुत पान का पत्ता लेकर उस पर थोड़ा सा गुड़ और चना रख कर भोग लगाएं।

बजरंगबली से धन का आशीर्वाद चाहते हैं तो उन्हें अपने हाथों से गुलाब के फूलों की माला बनाकर चढ़ाएं। फिर आसन बिछाकर बैठकर तुलसी की माला से इस मंत्र का जप करें –

मंत्र- राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे।
सहस्त्र नाम तत्तुन्यं राम नाम वरानने।।

अब हनुमान जी की माला में से एक फूल तोड़ कर घर ले आएं। पीछे मुड़कर न देखें। घर आ कर उसे लाल कपड़े में लपेटकर अपने धन रखने के स्थान पर रखें।

वनडे वर्ल्ड कप 2027: गांधी जयंती पर होगा वर्ल्ड कप का आगाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होने वाले आईसीसी वर्ल्ड कप 2027 2027 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट का आगाज 2 अक्टूबर 2027 यानी गांधी जयंती के दिन हो सकता है। हालांकि आईसीसी ने अभी आधिकारिक शेड्यूल जारी नहीं किया है, लेकिन अंदरूनी चर्चा के अनुसार इस खास दिन से टूर्नामेंट शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से ऐतिहासिक जुड़ाव को देखते हुए इस तारीख को बेहद खास माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत गांधी जयंती के दिन करने पर विचार कर रहा है। महात्मा गांधी ने भारत लौटने से पहले करीब 21 साल दक्षिण अफ्रीका में बिताए थे। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले क्रिकेट के इस बड़े टूर्नामेंट को गांधी जयंती से जोड़ना उनके शांति और अहिंसा के संदेश को सम्मान देने के तौर पर देखा जा रहा है।

पहले वर्ल्ड कप का उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रस्तावित था और अक्टूबर के पहले सप्ताह में अभ्यास मैच खेले जाने थे। नए प्लान के तहत अभ्यास मुकाबलों को सितंबर के आखिरी सप्ताह में कराया जा सकता है, जिससे मुख्य टूर्नामेंट की शुरुआत 2 अक्टूबर से हो सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, 14 टीमों वाला यह टूर्नामेंट करीब 50 दिनों तक चलेगा। इसका फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेले जाने की योजना है। तीन देशों में होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

12 शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले

आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के कुल 12 शहरों को मेजबानी के लिए चुना है। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग का वांडरर्स, सेंचुरियन, केपटाउन का न्यूलैंड्स, डरबन का किंग्समीड, गक्बेरहा का सेंट जॉर्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क शामिल हैं। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब और विक्टोरिया फॉल्स का मोसी-ओआ-तुन्या स्टेडियम मुकाबलों की मेजबानी करेगा। वहीं नामीबिया की राजधानी विंडहोक का राष्ट्रीय क्रिकेट मैदान भी टूर्नामेंट का हिस्सा होगा।

ऐसा होगा वर्ल्डकप का नया फॉर्मेट

2027 वर्ल्ड कप में फॉर्मेट में भी बदलाव देखने को मिलेगा। शुरुआत में तीन टीमों की सुपर सीरीज होगी, जिसमें से एक टीम बाहर हो जाएगी। इसके बाद 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा और हर ग्रुप में छह टीमें होंगी। ग्रुप चरण के बाद टीमें सुपर सेवन चरण में पहुंचेंगी। इसके बाद टूर्नामेंट सेमीफाइनल और फाइनल की ओर बढ़ेगा। इस तरह खिताब के लिए टीमों को कई चरणों से गुजरना होगा।

इन 10 टीमों ने पक्की की जगह

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 10 टीमों ने टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इनमें मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। बाकी चार टीमों का फैसला अगले साल होने वाले 10 टीमों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से होगा। इसमें नामीबिया, वेस्टइंडीज और आयरलैंड जैसी टीमें भी हिस्सा लेंगी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान हॉकी वर्ल्डकप में पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूला

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूल गया। टीम की सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में ही रह गई। इसके कारण कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और उन्हें 2 मिनट के लिए मैदान से बाहर बैठना पड़ा। टीम को मैच में हार का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड ने 4-1 से हराया। इंग्लैंड के 1-0 से आगे होने के कुछ देर बाद करीब 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। पाकिस्तान के खिलाड़ी गोल के पीछे जरूरी प्रोटेक्टिव गियर तलाशने लगे, लेकिन किट वहां मौजूद नहीं थी। बाद में पता चला कि सामान ड्रेसिंग रूम में ही छूट गया था। एक खिलाड़ी को दौड़कर किट लानी पड़ी। किट आने में हुई देरी के बाद रेफरी ने पाकिस्तान के कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखा दिया। उन्हें दो मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान अकबर ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे पाकिस्तान हॉकी का एक और 'अनवॉन्टेड रिकॉर्ड' बताया। उनका कहना था कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण भूलना नहीं चाहिए।उन्होंने कहा कि तैयारी सिर्फ रणनीति, फिटनेस और स्किल तक सीमित नहीं है। टीम में अनुशासन और बेहतर संगठन भी जरूरी है। उनके मुताबिक ऐसी घटना वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर टीम की तैयारियों पर सवाल खड़े करती है। किट विवाद के बीच पाकिस्तान मैच भी नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 4-1 से जीत दर्ज की। स्टुअर्ट रशमेयर ने 12वें मिनट में इंग्लैंड का पहला गोल किया। इसके बाद सैम वार्ड ने दूसरे क्वार्टर में बढ़त 2-0 कर दी। सैमुअल हूपर ने 31वें मिनट में तीसरा और जेम्स एलबरी ने 47वें मिनट में चौथा गोल किया। पाकिस्तान की ओर से रेहान अब्दुल अफराज ने 50वें मिनट में एक गोल किया।पाकिस्तान को मैच में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम इनमें से किसी को भी गोल में नहीं बदल सकी।

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

बेलफास्ट (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 299 रन का लक्ष्य 48.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम ने 5वें और आखिरी वनडे में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया और सीरीज 4-0 से अपने नाम की। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में रहमत शाह ने नाबाद 143 रन की पारी खेली। उन्होंने सिद्दीकुल्लाह अटल (98) के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन जोड़े। यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में तीसरे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। अफगानिस्तान ने 299 रन का लक्ष्य हासिल कर वनडे में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 295 रन था। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने 5 मैचों की सीरीज 4-0 से जीत ली। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। 299 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 6 ओवर के अंदर 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियम मैकार्थी ने रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान को आउट किया।इसके बाद रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने पारी को संभाला। दोनों ने शुरुआती दबाव से निकलते हुए धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई और आयरलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया। रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की वनडे में तीसरे विकेट की नई रिकॉर्ड साझेदारी है।इससे पहले यह रिकॉर्ड रहमत शाह और हशमतुल्लाह शाहिदी के नाम था। दोनों ने 2021 में अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ 184 रन जोड़े थे। अटल ने 98 रन बनाए और शतक से सिर्फ 2 रन दूर रह गए। उनके आउट होने के बाद भी रहमत शाह एक छोर पर टिके रहे।रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल के बीच तीसरे विकेट के लिए 210 गेंदों पर 201 रन की साझेदारी हुई।

नोवाक जोकोविच को शुरुआती दौर में ही मिली हार, गर्मी से दिखे परेशान

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी मास्टर्स में भीषण गर्मी और उमस का शिकार हुए 39 वर्षीय नोवाक जोकोविच को अपने शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच को अर्जेंटीना के थियागो तिरांते ने ढाई घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। विंबलडन सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हारने के एक महीने से अधिक समय बाद यह जोकोविच का पहला मैच था।

यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे जोकोविच

2023 के चैंपियन जोकोविच ने पहला सेट आसानी से जीत लिया था, लेकिन दूसरे सेट में गर्मी ने उन्हें बेहाल कर दिया। दूसरे सेट के 18 मिनट तक चले गेम में संघर्ष करने के बाद जोकोविच कोर्ट पर ही घुटनों के बल बैठ गए और उन्हें मेडिकल टाइमआउट के साथ-साथ फिजियो व डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। दोनों खिलाड़ियों ने ब्रेक के दौरान लॉकर रूम में जाकर खुद को ठंडा किया। तीसरे सेट में जोकोविच ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नौवें गेम और फिर मैच प्वाइंट पर ड्रॉप शॉट चूकने से तिरांते ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जोकोविच ने स्वीकार किया कि गर्मी और उमस ने उन पर भारी असर डाला और शायद यह सिनसिनाटी में उनका आखिरी मैच था। अब वह 30 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे।

पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में सातवें वरीय और फ्रेंच ओपन के उपविजेता फ्लेवियो कोबोली ने मियोमिर केत्मानोविच को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वहीं, मार्टिन लांडालुस ने माटेओ अर्नाल्डी को 6-4, 4-6, 6-4 से मात दी और अब तीसरे दौर में उनका सामना जोकोविच को हराने वाले तिरांते से होगा।

तूफान के कारण 90 मिनट खेल रूका, इयाला तीसरे दौर में पहुंचीं

महिला वर्ग में फिलीपींस की खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा इयाला ने तीसरे दौर में जगह बना ली है। इयाला 6-1, 3-0 से आगे थीं, तभी तूफान के कारण 90 मिनट तक खेल रुका रहा और इसी दौरान चोटिल एलेना-गैब्रिएला रूसे (रोमानिया) ने मैच बीच में ही छोड़ने का फैसला किया। रूसे को मैच रुकने से ठीक पहले टखने में चोट के कारण उपचार मिला था। इयाला जिन्होंने इसी महीने वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीता था अब नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी अमांडा अनिसिमोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने तुर्किये की जेनेप सोनमेज को 6-2, 6-3 से हराया। 21 वर्षीय इयाला को हमेशा की तरह फिलीपींस के दर्शकों का भारी समर्थन मिला, जैसा कि उन्हें विंबलडन और टोरंटो के इवेंट में भी मिला था। मैच के बाद इयाला ने कहा कि वह खेल पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रही थीं, लेकिन कोई भी खिलाड़ी प्रतिद्वंद्वी के चोटिल होकर रिटायर होने से मैच नहीं जीतना चाहता। अन्य महिला मुकाबलों में विंबलडन में चोटिल होने के कारण एक महीने तक कोर्ट से दूर रहीं रोलैंड गैरोस की फाइनलिस्ट माजा चवालिंस्का ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-2, 6-2 से हराया।

गॉल टेस्ट: देवदत्त पडिक्कल ने खेली 167 रन की पारी, बनाए ये रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम के देवदत्त पडिक्कल ने बड़ा शतक (167) लगाया। वह दूसरे दिन के दूसरे सत्र में विपक्षी स्पिनर प्रभात जयसूर्या का शिकार बने। उनके इस बड़े शतक की मदद से भारत ने दूसरे दिन के तीसरे सत्र की समाप्ति तक 360/9 का स्कोर बनाया। इस बेहतरीन पारी से पडिक्कल ने अपने चयन को सही साबित किया। पडिक्कल पहले दिन के खेल की समाप्ति तक 131 रन बनाकर क्रीज पर नाबाद थे। उन्होंने दूसरे दिन अपने निजी स्कोर में 36 रन और जोड़े। वह 230 गेंदों में 167 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर 162 रन की साझेदारी की। वहीं, राहुल शतक बनाने से चूक गए और 82 रन बनाकर आउट हुए।

इस सूची में शामिल हुए पडिक्कल

पडिक्कल श्रीलंका के खिलाफ नंबर-3 पर खेलते हुए 150 से ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा ऐसा कर चुके थे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ ने 2009 में नंबर-3 पर खेलते हुए अहमदाबाद टेस्ट में 177 रन की पारी खेली थी। वहीं, पुजारा ने 2017 में 153 रन बनाए थे। उन्होंने ये पारी गॉल के ही मैदान पर खेली थी।

नंबर-3 पर खेलते हासिल किए ये मुकाम

नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट में शतक लगाने वाले आखिरी भारतीय शुभमन गिल थे, जिन्होंने सितंबर 2024 में चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। पडिक्कल 21वीं सदी में भारत के लिए नंबर-3 पर खेलते हुए टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। उनसे पहले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 2002 में दिल्ली में जिम्बाब्वे के खिलाफ 136 रन बनाए थे।

बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार कंगारू टीम को टेस्ट में हराया

डार्विन। बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन नौ विकेट से हराया। बांग्लादेश की यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली टेस्ट जीत है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी चौथे दिन 284 रन पर ऑलआउट हुई जिससे बांग्लादेश को जीत के लिए 57 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने शतक लगाया और टीम को मामूली बढ़त दिलाई। ग्रीन का साथ दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज नहीं दे सका। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में एक विकेट के नुकसान पर 57 रन बनाकर मैच अपने नाम किया और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। कम लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को जोश हेजलवुड ने पहला झटका दिया। हेजलवुड ने तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। इसके बाद शदमान इस्लाम और मोमिनुल हक ने बांग्लादेश को आसानी से जीत दिलाई। हक 30 और इस्लाम 25 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया है और ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में ही झटका दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 198 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश की पहली पारी 426 रन पर ऑलआउट हुई। इस तरह बांग्लादेश ने 228 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। दूसरी पारी में भी ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और टीम ने 207 रन के स्कोर पर ही सात विकेट गंवा दिए। इसके बाद ग्रीन ने स्टार्क के साथ मिलकर साझेदारी की और टीम को बढ़त दिलाने में सफल रहे। चौथे दिन लंच ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में सात विकेट पर 243 रन बनाए। लंच ब्रेक के बाद हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को मिचेल स्टार्क के रूप में आठवां झटका लगा। ग्रीन और स्टार्क ने आठवें विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। तस्कीन अहमद ने स्टार्क को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टार्क 18 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट गंवाकर 161 रन बना लिए थे।

प्रतिका रावल का एशिया कप के लिए चयन, वॉरविकशायर के वनडे कप से हुई बाहर

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रतिका रावल को आगामी एसीसी महिला एशिया कप के लिए पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। इसके चलते वह इंग्लैंड में वॉरविकशायर के साथ अपने निर्धारित वनडे कप कार्यकाल में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। प्रतिका को स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। जेमिमा दाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में हाई-ग्रेड चोट के कारण एशिया कप के साथ-साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों से भी बाहर हो गई हैं।25 वर्षीय प्रतिका को 19 अगस्त को वॉरविकशायर से जुड़ना था और वह सीजन के बाकी मुकाबलों में टीम का हिस्सा बनने वाली थीं। हालांकि, भारत की ओर से पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय कॉल-अप मिलने के बाद अब वह एडबर्गटन नहीं जाएंगी। वॉरविकशायर महिला टीम के मुख्य कोच अली मेडन ने प्रातिका के नहीं जुड़ पाने पर निराशा जताई, लेकिन राष्ट्रीय टीम के साथ उनके अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि टीम प्रतिका का बेसब्री से स्वागत करने की तैयारी कर रही थी और उनके बाहर होने से निराशा हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीजन के बाकी हिस्से में टीम के पास अभी काफी कुछ हासिल करने का मौका है और मौजूदा खिलाड़ियों पर उन्हें पूरा भरोसा है। प्रतिका रावल भारत की 2025 महिला वनडे विश्व कप विजेता टीम की सदस्य रही हैं। वह अब तक 27 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 1189 रन बनाए हैं। इसके अलावा, उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में अपने टेस्ट डेब्यू पर अर्धशतक भी लगाया था। हालांकि, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अभी तक भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

30 अगस्त को थाईलैंड से होगा भारत का मुकाबला

प्रतिका अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगी। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद भारतीय टीम तीन सितंबर को हांगकांग और चीन से भिड़ेगी, जबकि बहुप्रतीक्षित मुकाबले में पांच सितंबर को पाकिस्तान का सामना करेगी। एशिया कप के सभी मुकाबले दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहली बार यूएई इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।

ड्रामा क्वीन का खिताब मैं खुद को दूंगी...

रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के लिए केप टाउन पहुंचीं फरहाना भट्ट के लिए यह सफर सिर्फ खतरनाक स्टंट्स का नहीं बल्कि खुद से लड़ाई का भी था। खास बातचीत में उन्होंने उस पल को याद किया, जब एक स्टंट के दौरान सब कुछ छोड़कर भारत लौटने तक का मन बना लिया था।

रोहित शेट्टी भी रह गए थे हैरान

शो का पहला ही स्टंट फरहाना को उनके कंफर्ट जोन से बाहर ले गया। वह कहती हैं, 'पहला स्टंट ही मेरे कंफर्ट जोन से बहुत बाहर था। मुझे खुद नहीं पता था कि मैं वो स्टंट कर भी पाऊंगी या नहीं। लेकिन जब मैंने उसे पूरा किया तो रोहित सर भी थोड़ा सरप्राइज थे। वो स्टंट मेरी पहुंच और मेरे कंफर्ट जोन, दोनों से बहुत बाहर था।'

उस पल लगा कि मुझे इंडिया वापस जाना है

फरहाना उस भयावह पल को याद करते हुए कहती हैं, 'एक दिन ऐसा आया था, जब स्टंट के दौरान मेरी जिंदगी का सबसे डरावना पल सामने आया। उस वक्त मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही बात चल रही थी कि बस अब मुझे इंडिया वापस जाना है। मुझे घर जाना है। कुछ पल के लिए मैं पूरी तरह घबरा गई थी। सच कहूं तो उस वक्त लगा कि अब मुझसे नहीं होगा।'

'खतरों के खिलाड़ी' भी मेरा डर खत्म नहीं कर पाया

जहां कई प्रतियोगी कहते हैं कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनका डर खत्म कर दिया, वहीं फरहाना का जवाब बिल्कुल अलग है। वह साफ कहती हैं, 'मेरा कोई भी फियर दूर नहीं हुआ। मेरे सारे फियर आज भी बरकरार हैं।'

अब छोटी-छोटी बातों पर हंसी आती है

फरहाना आगे कहती हैं, 'एक बड़ा बदलाव शो कारण जरूर आया है। अब मुझे लगता है कि मैं जिंदगी में उन हालात से गुजर चुकी हूं, जहां इंसान मौत के बहुत करीब पहुंच जाता है। इसलिए अब लाइफ में कुछ भी होता है तो मैं उसे बहुत शांत होकर देखती हूं। कई बार तो कुछ परिस्थितियों पर हंसी भी आ जाती है कि अच्छा यह सब हो रहा है, चलो ठीक है।'

रुबिना और करण ने साथ दिया

फरहाना बताती हैं कि शो में रुबिना और करण ने सबसे ज्यादा साथ दिया। वह कहती हैं, 'वैसे तो सभी लोगों ने मुझे सपोर्ट किया, लेकिन अगर नाम लेने हों तो मैं रुबिना और करण का नाम लूंगी। दोनों ने पूरे सफर में मेरा साथ दिया।'
साथी कंटेस्टेंट्स को मजेदार टैग देने की बारी आई तो फरहाना ने सबसे पहले अपना ही नाम लिया।
वह हंसते हुए कहती हैं, 'ड्रामा क्वीन का खिताब मैं खुद को दूंगी।' 'ओवरकॉन्फिडेंट' के सवाल पर उन्होंने किसी का नाम लेने से इनकार कर दिया। 'अंडररेटेड' के लिए उन्होंने अपना और ओरी का नाम लिया। वहीं, 'डेंजरस कॉम्पिटिटर' के लिए खुद को चुना, जबकि सबसे बड़े एंटरटेनर का टैग हर्ष गुजराल को दिया।

बिग बॉस से ज्यादा मुश्किल है 'खतरों के खिलाड़ी'

'बिग बॉस' और 'खतरों के खिलाड़ी 15' की तुलना पर फरहाना कहती हैं, 'खतरों के खिलाड़ी ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि यह शो आपको सिर्फ फिजिकली नहीं मेंटली भी बहुत थका देता है। जब तक आप मानसिक रूप से तैयार नहीं होंगे, तब तक स्टंट कर ही नहीं सकते हैं। हर स्टंट में आपका दिमाग और शरीर दोनों सौ फीसदी काम करते हैं। इसलिए मेरे लिए 'खतरों के खिलाड़ी' ज्यादा थका देने वाला शो रहा।'

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म में विलेन के किरदार में होंगे जैकी श्रॉफ

निर्देशक वामशी पैदिपल्ली के साथ सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'SVC63' की चर्चा बढ़ती जा रही है। एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि बॉलीवुड का एक और मशहूर चेहरा इस फिल्म से जुड़ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता जैकी श्रॉफ, सलमान खान और नयनतारा स्टारर इस फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैकी ने शुक्रवार को मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में वह एक अहम रोल में नजर आएंगे। चर्चाओं के उलट, वह विलेन का रोल नहीं कर रहे हैं, बल्कि फिल्म की कहानी में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। दावा यह भी है कि राहुल देव, अभिमन्यु सिंह और अरविंद स्वामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे। इसमें यह भी बताया गया है कि भारत में शूटिंग का शेड्यूल अगस्त के आखिर तक खत्म होने की उम्मीद है, जिसके बाद टीम छोटे से शेड्यूल की शूटिंग के लिए यूरोप जाएगी।

क्या अनिल कपूर निभाएंगे रोल

दिलचस्प बात यह है कि पहले ऐसी खबरें थीं कि अनिल कपूर फिल्म में एक अहम रोल निभाएंगे। हालांकि, इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। अब जैकी श्रॉफ के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने की खबरों के बीच, यह साफ नहीं है कि क्या उन्होंने वही रोल लिया है जो पहले अनिल कपूर से जुड़ा था।

ईद पर आ सकती है फिल्म

फिलहाल 'SVC63' के नाम से जानी जा रही यह फिल्म अगले साल ईद पर सिनेमाघरों में आ सकती है। इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी चर्चा है, खासकर इसलिए क्योंकि सलमान बॉक्स ऑफिस पर लगातार कई फ्लॉप फिल्मों के बाद वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

'SVC63' के अलावा, सलमान के पास 'मातृभूमि' भी पाइपलाइन में है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म का प्रोडक्शन पहले ही पूरा हो चुका है। इसे शुरू में अप्रैल में रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया।

भोजपुरी सिनेमा में आउटसाइडर होने पर काजल राघवानी का छलका दर्द

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री काजल राघवानी इन दिनों चर्चित रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में दिए गए विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि उन्हें इंडस्ट्री में कई बार 'गुजराती' और 'आउटसाइडर' कहकर अलग महसूस कराया गया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने इंडस्ट्री के नामी लोगों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इंडस्ट्री के कई लोगों ने उन्हें बाहरी महसूस करवाया। साथ ही, ये भी इल्जाम लगया कि वे लोगों से रो-रोकर काम मांगती हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने नोट पर किसी का नाम नहीं लिया। अभिनेत्री ने जारी किए गए नोट पर लिखा, 'मैं गुजराती और आउटसाइडर हूं, रो-रोकर सभी से काम मांगती हूं। साथ ही, हमदर्दी ले रही हूं। इन कुछ दिनों में हमारे दर्शकों से जितना मैंने नहीं बोला उससे ज्यादा तो लोगों ने मुझे एहसास करवा दिया गया।
अभिनेत्री ने बताया कि वे यूपी, बिहार को अपनी कर्मभूमि मानती हैं। साथ ही, उन्होंने भोजपुरी दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, 'मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि अगर मैंने कहीं बोला है, तो मुझे इसका सबूत चाहिए कि मैंने कहा बोला है। साथ ही, ये मेरी कर्म भूमि है, मैं हमेशा इस इंडस्ट्री और यहां की जनता की शुक्रगुजार रहूंगी कि उन्होंने मुझे ढ़ेर सारा प्यार दिया और यहां तक पहुंचाया।
उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे ऐसा लगता है कि मैं यहीं कि रहने वाली हूं, मैंने यहां की हर चीज अपनाई है। 16 साल भोजपुरी इंडस्ट्री में काम किया है और मैं कहना चाहूंगी कि अगर मैंने यहां की जनता, मिट्टी और धरती को तहे दिल से नहीं अपनाया होता, तो इतने सालों तक इंडस्ट्री में काम ही नहीं कर पाती और न ही मुझे कोई यहां पर काम देता।
अभिनेत्री ने सभी को वॉर्निंग देते हुए कहा कि अब उन्हें आउटसाइडर कहना बंद कर दें। उन्होंने लिखा, 'अब कुछ लोग मुझे ये सुनाना बंद कर दें कि मैं एक आउटसाइडर हूं या आउटसाइडर का विक्टिम कार्ड खेल रही हूं, लोगों से हमदर्दी या रो-रोकर काम ले रही हूं। मैं तो नहीं मान रही कि मैं आउटसाइडर हूं, लेकिन हां, मुझे ये एहसास करवाया जा रहा है कि मैं बाहरी हूं। क्योंकि आप लोग यूपी बिहार से हैं।'

भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनीं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे सफल और भरोसेमंद स्टार्स में से एक बन गई हैं। स्क्रीन पर शानदार परफॉर्मेंस देने से लेकर एक कामयाब कारोबारी बनने तक इस अभिनेत्री ने फिल्मों से आगे बढ़कर अपना प्रभाव बढ़ाया है।
उनकी बढ़ती लोकप्रियता अब लेटेस्ट सेलिब्रिटी ब्रांड रैंकिंग में भी दिखाई दी है, जिसमें वह भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनकर उभरी हैं। क्रॉल की सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2025 के अनुसार, आलिया ने दीपिका पादुकोण और रश्मिका मंदाना जैसी स्टार्स को पीछे छोड़ते हुए देश का सबसे वैल्यूएबल महिला सेलिब्रिटी ब्रांड का स्थान हासिल किया है। जहां शाहरुख खान ने ओवरऑल रैंकिंग में टॉप स्थान बनाए रखा, वहीं आलिया ने 93.9 मिलियन (लगभग 892 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यूएशन के साथ छठा स्थान हासिल किया। उनकी रैंकिंग उन्हें कई बड़े पुरुष एक्टर्स से भी आगे रखती है। इनमें उनके पति रणबीर कपूर भी शामिल हैं, जो 80 मिलियन (लगभग 761 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यूएशन के साथ 10वें स्थान पर हैं। टॉप 10 में शामिल होने वाली दूसरी महिला सेलिब्रिटी दीपिका पादुकोण हैं। वह 89.2 मिलियन (लगभग 849.35 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यू के साथ सातवें स्थान पर हैं। आलिया की लगातार तरक्की सिर्फ फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस की वजह से नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में, एक्ट्रेस ने बॉक्स ऑफिस हिट्स से लेकर कारोबार में भी अपनी खास पहचान बनाई है। वह कई ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं।

बनाया अपना ब्रांड

आलिया भट्ट ने बच्चों और माताओं के लिए अपना एक ब्रांड शुरू किया है। उन्होंने कुछ स्टार्टअप्स में भी निवेश किया है। आलिया भट्ट ने फिल्म प्रोडक्शन के जरिए एक्टिंग के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी अपनी काबिलियत साबित की है।

'सतलुज' विवाद पर जिमी शेरगिल की प्रतिक्रिया

फिल्म 'सतलुज' पर हाल ही में जिमी शेरगिल ने अपना रिएक्शन दिया है। इस फिल्म की रिलीज पर लगी रोक को लेकर जब उनसे सवाल किया गया तो अभिनेता ने कहा कि इतिहास के राजनीतिक रूप से संवेदनशील दौर को दिखाने वाली फिल्में अक्सर मुश्किलों में पड़ जाती हैं, क्योंकि वे छिपे हुए सच सामने लाती हैं। इससे चीजें अपने आप पेचीदा और राजनीतिक हो जाती हैं।
जिमी शेरगिल ने क्या कहा?
संवेदनशील विषय पर बनी फिल्म 'सतलुज' रिलीज क्यों नहीं हो पाई, जबकि इसी तरह के विषय पर बनी उनकी अपनी पहली फिल्म 'माचिस' को काफी सराहा गया था। जिमी शेरगिल ने इसका दिलचस्प जवाब दिया। फिल्म 'सतलुज' रिलीज विवाद को लेकर शेरगिल शेरगिल ने एक इंटरव्यू में कहा, 'राजनीति होती है और हमेशा होती रहेगी, लेकिन जब ऐसे मुद्दों को उठाया जाता है तो यह अच्छी बात है, क्योंकि इससे हर पहलू खुलकर सामने आता है। जब आप संवेदनशील मामलों के किसी एक पहलू को भी छूते हैं, तो दूसरे छिपे हुए पहलू भी सामने आ जाते हैं। तो, यही इसकी राजनीति है'।
जी5 से हटाई गई सतलुज
बता दें कि एक्टर-सिंगर दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म 'सतलुज' पिछले महीने भारत में रिलीज हुई थी, लेकिन सिर्फ दो दिन बाद ही यह भारत में इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं रही। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की जिंदगी पर बनी यह फिल्म तीन साल से ज्यादा समय तक सेंसरशिप में फंसी रही और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इसमें 127 से ज्यादा कट लगाने को कहा था।

इश्क विश्क रिबाउंड के बाद नये सफर पर पश्मीना रोशन

अभिनेता टाइगर श्रॉफ एक बार फिर जबरदस्त एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। निर्देशक रेमो डिसूजा की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट लगातार मजबूत होती जा रही है। नुसरत भरुचा के बाद अब खबर है कि पश्मीना रोशन भी इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं और वह फिल्म में प्रमुख महिला किरदारों में से एक निभाएंगी। टाइगर श्रॉफ के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी पश्मीना फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पश्मीना रोशन इस एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी। फिल्म में वह एक अहम किरदार निभाएंगी, जबकि नुसरत भरुचा भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगी।
फिलहाल निर्माताओं ने उनके किरदार की ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन यह प्रोजेक्ट पश्मीना के करियर का एक बड़ा और रोमांचक कदम माना जा रहा है।
पश्मीना रोशन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत रोमांटिक कॉमेडी 'इश्क विश्क रिबाउंड' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ रोहित सराफ, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म में आधुनिक रिश्तों, दोस्ती और युवा प्रेम की जटिलताओं को दिखाया गया था। फिल्म में पश्मीना ने रिया का किरदार निभाया था। इसके अलावा कलाकारों में आकर्ष खुराना, शिल्पा विशाल शेट्टी, सुप्रिया पिलगांवकर, शताफ फिगार, अनीता कुलकर्णी समेत कई कलाकार शामिल थे। अब इस नई एक्शन फिल्म के जरिए पश्मीना रोशन रोमांटिक फिल्मों से अलग एक नए अंदाज़ में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। साथ ही, पहली बार उनकी जोड़ी एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ के साथ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
17 अगस्त 2026

कोलंबिया भूकंप : मलबे से निकली उम्मीद, फिर मौत की आगोश में

कोलंबिया (एजेंसी)। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप ने अब तक 290 से अधिक लोगों की जान ली है, जबकि करीब 4,000 घायल हुए हैं। सैकड़ों लोग लापता हैं, और बचावकर्मी लगातार उनकी तलाश में जुटे हैं। इस भीषण त्रासदी के बीच, 32 वर्षीय डेनिएला लार्गो की कहानी ने पूरे देश को एक पल की उम्मीद दी थी। मलबे में करीब 37 घंटे तक फंसी रहने के बाद, उन्हें परेरा शहर में सुरक्षित बाहर निकाला गया था। उनके सकुशल निकलने पर लोगों ने तालियां बजाकर खुशी जाहिर की थी, और वे कोलंबिया के लिए एक उम्मीद की किरण बनी थीं। हालांकि, यह खुशी अल्पकालिक साबित हुई। शुक्रवार (14 अगस्त) को गंभीर चोटों के कारण डेनिएला का निधन हो गया। वे अपने पीछे एक 12 वर्षीय बेटा छोड़ गई हैं। उनकी मां ने बताया, मैं बस यही चाहती हूं कि यह सब जल्द खत्म हो जाए। डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, अभी भी 320 से अधिक लापता लोगों की तलाश जारी है। भूकंप से 86 इमारतें पूरी तरह ढह गईं, जबकि 1500 से ज्यादा घरों, 18 स्वास्थ्य केंद्रों और 52 स्कूलों को नुकसान पहुंचा है। देशभर में सात हवाई अड्डों पर परिचालन रोक दिया गया है और पांच शहरों में रेड अलर्ट जारी है। राष्ट्रपति ने राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी के लिए आपातकालीन समिति की बैठक बुलाई है।

करीबा झील में नाव डूबी, 72 की मौत, 18 बच्चे भी शामिल

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे की करीबा झील में हुए नौका हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 72 हुई है, जिसमें हाल ही में 26 और शव बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि मृतकों में 18 बच्चे भी शामिल हैं। तेज लहरों के कारण यह पुरानी नौका पलट गई थी। यह नौका करीबा शहर से ग्रामीण इलाकों और मछुआरा समुदायों की बस्तियों की ओर जा रही थी, जहाँ सड़कें क्षतिग्रस्त हैं और सार्वजनिक परिवहन के साधन बहुत कम हैं। अनुमान है कि नौका में 153 यात्री सवार थे, जबकि प्राधिकारियों के अनुसार इसकी क्षमता केवल 90 यात्रियों की थी। जिम्बाब्वे की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि 77 लोगों को बचाया गया है। हालांकि, प्राधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि नौका में कुल कितने लोग सवार थे या कितने लोग लापता हैं। मृतकों में शामिल बच्चों में 16 की उम्र 10 वर्ष या उससे कम थी, और सबसे छोटा बच्चा मात्र एक वर्ष का था।

दक्षिणी लेबनान पर इजराइल ने किए हवाई हमले, 7 लोगों की मौत

बैरूत (एजेंसी)। दक्षिणी लेबनान पर शनिवार तड़के हुए इजराइल के हवाई हमले में सात आम लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हुए हैं। लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने जानकारी देते हुए बताया कि बचावकर्मी और चिकित्सक अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। यह हवाई हमला 26 जून को लेबनान और इजराइल के बीच घोषित ''फ्रेमवर्क समझौते'' के बाद से सबसे घातक हमलों में से एक माना जा रहा है। इस समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान से इजराइली सेना की वापसी के बदले ईरान समर्थित हिज्बुल्ला संगठन को निरस्त्र करने की योजना तय की गई थी।

पहले 900 लोगों को नौकरी से निकाला, अब खुद तलाश रहे जॉब

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की ऑनलाइन मॉर्गेज कंपनी बेटर डॉट कॉम के संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल गर्ग एक बार फिर दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गए हैं। करीब पांच साल पहले उन्होंने एक वीडियो मीटिंग के जरिए एक झटके में करीब नौ सौ कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिया था, जिसके बाद उनके कामकाज के तरीके और फैसले की वैश्विक स्तर पर भारी आलोचना हुई थी। अब समय का पहिया ऐसा घूमा है कि हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। जिस कंपनी की कमान कभी पूरी तरह विशाल गर्ग के हाथों में थी, उसी कंपनी के निदेशक मंडल ने उन्हें मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से हटा दिया है। दिलचस्प बात यह है कि अब विशाल गर्ग अपनी वही पुरानी कुर्सी वापस पाने के लिए वकीलों के माध्यम से कड़ा संघर्ष कर रहे हैं। इसी बीच खुद के लिए जॉब की तलाश भी करने में जुटे है।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र से अमेरिका ने हटाया अंतिम विमानवाहक पोत , अब चीन ने उड़ाया मजाक

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी प्रशासन ने ईरान के साथ जारी संघर्ष और मध्य पूर्व में चल रहे सैन्य अभियानों को प्राथमिकता देते हुए एशिया-प्रशांत क्षेत्र से अपने अंतिम विमानवाहक युद्धपोत को भी वापस बुला लिया है। इस सामरिक बदलाव पर चीन ने खुली प्रतिक्रिया देते हुए क्षेत्र के कई एशियाई सहयोगी देशों का मजाक उड़ाया है और कटाक्ष किया है कि अमेरिका ने उन्हें धोखा दे दिया है। जानकारी के अनुसार, यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन नामक इस युद्धपोत को अब मध्य पूर्व में तैनात यूएसएस अब्राहम लिंकन के स्थान पर भेजा गया है। इस महत्वपूर्ण फैसले के बाद पश्चिमी प्रशांत महासागर में अमेरिका का एक भी विमानवाहक पोत मौजूद नहीं है, जिससे ताइवान, जापान और फिलीपींस जैसे एशियाई सहयोगी देशों की सुरक्षा चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। मध्य पूर्व में लंबे समय से जारी व्यापक सैन्य अभियानों और तनाव के कारण अमेरिकी नौसेना के जहाजों और सैनिकों पर अत्यधिक दबाव बन गया है। निरंतर समुद्री तैनाती के चलते सैनिकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका का यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के उसके दावों के बिल्कुल विपरीत है, जिसका सीधा फायदा उठाते हुए चीन क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

यूक्रेन का रुस पर बड़ा हमला, रोसकॉसमॉस से जुड़ा समारा सेंटर क्षतिग्रस्त

–राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा– रूस में शांति की जरूरत महसूस होनी चाहिए

मास्को (एजेंसी)। रूस के दक्षिण-पश्चिमी समारा क्षेत्र में शनिवार को यूक्रेन ने बड़ा हमला किया, जिसमें औद्योगिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। रूस के एक अधिकारी ने बताया कि वायु रक्षा बलों ने ÷बड़े पैमाने पर÷ मिसाइल हमले को विफल कर दिया, हालांकि शहर के औद्योगिक प्रतिष्ठानों को ÷स्थानीय स्तर पर नुकसान÷ पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हमले में घायल लोगों को चिकित्सा सहायता दी, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूसी सैन्य उद्योगों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लंबी दूरी के हवाई हमले तेज कर दिए हैं। उसका मकसद युद्ध के लिए मॉस्को के राजस्व में कटौती करना और रूस के लोगों को हमले के परिणामों का एहसास कराना है।

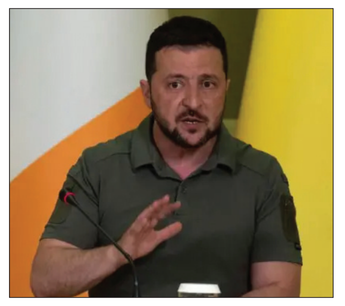

रुस-यूक्रेन युद्ध पांचवें साला में प्रवेश कर चुका है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस में शांति की जरूरत महसूस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी बलों ने समारा स्थित प्रोग्रेस सेंटर पर हमला किया। यह रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोसकॉसमॉस के तहत काम करता है और रॉकेट प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण में शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा कि इस प्रतिष्ठान को निशाना बनाने के लिए यूक्रेन में निर्मित फ्लेमिंगो मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। यह स्थान यूक्रेन की सीमा से करीब 900 किलोमीटर दूर है। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि अग्रिम मोर्चे से करीब 700 किलोमीटर दूर स्थित रूस के सावास्लेइका हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया गया है। जेलेंस्की ने लिखा- शांति की जरूरत है और यह रूस में साफ तौर पर दिखाई देना चाहिए। विशिष्ट प्रतिष्ठानों को ठोस नुकसान के जरिए। यूक्रेन के अधिकांश हमलों की मारक क्षमता 200 किलोमीटर से कम है, लेकिन इस साल उसके लंबी दूरी के हमलों में काफी वृद्धि हुई है।

स्वतंत्र संघर्ष निगरानी संस्था एसीएलईडी के आंकड़ों के मुताबिक यूक्रेन ने जुलाई में इस तरह के हमले जनवरी की तुलना में तीन गुना ज्यादा कर दिए हैं। रूस के अंदर दूर तक बार-बार किए जा रहे हमलों के कारण रूसी सेना को बड़े क्षेत्र में अपनी वायु रक्षा व्यवस्था तैनात करनी पड़ी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने रूस के 19 क्षेत्रों के अलावा काला सागर, आजोव सागर और रूस द्वारा कब्जे में लिए गए यूक्रेनी क्षेत्र क्रीमिया के ऊपर यूक्रेन के 598 ड्रोन मार गिराए। स्थानीय अधिकारी आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि वहीं, मॉस्को क्षेत्र के शातुरा शहर में यूक्रेनी ड्रोन हमले में एक निजी मकान को निशाना बनाए जाने से दो लोग घायल हुए। उन्होंने बताया कि घायलों में नौ साल का एक बच्चा भी शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दूसरी ओर, दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन में शनिवार को एक अपार्टमेंट पर रूस के हमले में तीन महीने के एक बच्चे की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। द्निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ने कहा कि मारहानत्स शहर में इमारत को ड्रोन से निशाना बनाया गया। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने शनिवार को देश पर 152 ड्रोन दागे, जिनमें से 124 को नष्ट कर दिया गया।

बेल्जियम में खुदाई में मिला 900 करोड़ का सोना, मजदूरों की आंखें खुली रह गई

बेल्जियम। बेल्जियम में सीवर लाइन की खुदाई कर रहे एक 18 वर्षीय मजदूर सहित उसके साथियों को जमीन के नीचे छिपा करीब 9 मिलियन यूरो भारतीय मुद्रा में (लगभग 900 करोड़ रुपये) का सोना मिला है। यह घटना ब्रसेल्स से करीब 30 किलोमीटर दूर सिंट-गिलिस-डेंडरमोंडे में एक पुरानी शराब बनाने की फैक्ट्री के परिसर में हुई। मजदूरों को शुरुआत में कुछ सिक्के दिखाई दिए. जिन्हें उन्होंने सामान्य एक यूरो के सिक्के समझा। आगे खुदाई करने पर सोने की ईंटें और सिक्के मिलने लगे। जांच में पता चला कि सोना एक पुराने भवन की तहखाने की दीवार में ईंटों के पीछे छिपाकर रखा गया था। खजाने में सोने के सिक्कों के अलावा नंबर वाले गोल्ड बार भी शामिल हैं। मजदूरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पूरा खजाना सुरक्षित सरकारी भंडार में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने सोने के असली मालिक और उसके स्रोत की जांच शुरू कर दी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं सोना चोरी या किसी आपराधिक गतिविधि से जुड़ा तो नहीं है। बेल्जियम कानून के तहत संभावित दावेदारों को अपना अधिकार जताने के लिए पांच वर्ष का समय मिलता है। अभी कोई दावेदार सामने नहीं आया है।

ह्यूस्टन में गूंजा जय हिंद: भारतीय समुदाय ने मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

ह्यूस्टन (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय समुदाय ने पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। भारतीय महावाणिज्य दूतावास परिसर में आयोजित ध्वजारोहण समारोह में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। भीषण गर्मी के बावजूद सुबह-सुबह पहुंचे लोगों के लिए परिसर को गेंदों की मालाओं और ध्वज के तीन रंगों की झालरों से खूबसूरती से सजाया गया था।

कार्यक्रम का आरंभ उपस्थित लोगों द्वारा एक स्वर में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन से हुआ। इसके बाद फूलों की पंखुड़ियों की वर्षा के बीच ध्वजारोहण हुआ और सभी ने मिलकर राष्ट्रगान जन गण मन गाया। महावाणिज्य दूत डी. सी.मंजूनाथ ने ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्र के नाम दिए संबोधन को पढ़ा। उन्होंने समुदाय को भारत के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया और विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

समारोह में देशभक्ति गीतों का गायन हुआ, विकसित भारत विषय पर विशेष रूप से तैयार चित्रों की प्रदर्शनी लगी और भारत को जानिए प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर ह्यूस्टन विश्वविद्यालय की कुलाधिपति रेणु खटोर, फोर्ट बेंड काउंटी के न्यायाधीश डेनियल वोंग, हैरिस काउंटी की आयुक्त लेस्ली ब्रियोनेस सहित कई निर्वाचित अधिकारियों और नगर निकाय संगठनों के प्रमुखों ने भी भाग लिया। महावाणिज्य दूतावास में कार्यक्रम के बाद, मंजूनाथ ने इंडिया हाउस ह्यूस्टन स्थित ओ. पी. जिंदल सेंटर में आयोजित अन्य समारोह में भी भारतीय समुदाय के नेताओं और सदस्यों के साथ भाग लिया।

इंडोनेशिया में फिर आया 6.5 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें गिरीं; अब तक 47 मौतें

–समुद्र का पानी पीछे हटा तो भागने लगे लोग, सुरक्षित जगह पर रहने की अपील

जकार्ता, (एजेंसी)। इंडोनेशिया में शनिवार सुबह 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। इसके करीब 17 घंटे बाद रात को 6.0 तीव्रता का फिर झटका लगा। इससे पहले शाम को 6.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया था। भूकंप के तेज झटकों से कई इलाकों में अफरा-तफरी मच गई और कई इमारतें जमींदोज हो गईं। अब तक 47 लोगों के मौत की पुष्टि हुई है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। भूकंप के बाद नागेकेओ इलाके में समुद्र का पानी अचानक पीछे हट गया। इसे सुनामी का संकेत मानकर लोग घबराकर ऊंची जगहों पर भागने लगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिकि शुरुआत में कई तटीय इलाकों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी जिसे कुछ घंटे बाद हटा लिया गया। फिलहाल लोगों से सुरक्षित जगह पर रहने को कहा गया है। पहले भूकंप के बाद इलाके में कई आफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए। अधिकारियों ने लोगों से कहा कि वे फिलहाल क्षतिग्रस्त इमारतों में वापस न जाएं, क्योंकि तेज भूकंप के झटके आ सकते हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कुछ इमारतें गिरती और क्षतिग्रस्त होती दिखाई दे रही हैं। कई लोग भूकंप के बाद घरों और इमारतों से बाहर निकलते नजर आए। हालांकि, इन वीडियो की पुष्टि नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक सिक्का के सेंट पीटर मेजर सेमिनरी में सुबह की प्रार्थना चल रही थी, तभी सभा भवन की छत का एक हिस्सा गिर गया। छात्र और नन घबराकर बाहर भागे। उन्होंने बताया कि जान बचाने की कोशिश में एक पादरी दूसरी मंजिल से कूद गए, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। भूकंप के बाद एहतियात के तौर पर कई अस्पतालों से मरीजों को बाहर निकालना पड़ा। टीवी चैनलों की तस्वीरों में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी मरीजों को स्ट्रेचर पर बाहर ले जाते दिखे। अस्पतालों के बाहर बिस्तर, आईवी स्टैंड और ऑक्सीजन सिलेंडर लगाए गए। कई जगह खुले में ही अस्थायी इलाज शुरू किया गया।

बता दें इंडोनेशिया करीब 17,500 द्वीपों का देश है। ये द्वीप प्रशांत महासागर के उस इलाके में हैं, जिसे रिंग ऑफ फायर कहा जाता है। यहां धरती के नीचे कई बड़ी भूगर्भीय प्लेटें मिलती हैं। ये प्लेटें लगातार खिसकती रहती हैं। जब दो प्लेटें आपस में टकराती हैं या एक प्लेट दूसरी के नीचे चली जाती है, तो धरती के अंदर जमा दबाव अचानक बाहर निकलता है। इससे भूकंप आता है।

इंडोनेशिया के आसपास समुद्र के नीचे भी ऐसी हलचल अक्सर होती रहती है। अगर समुद्र के नीचे तेज भूकंप आए और उससे समुद्र का पानी अचानक ऊपर-नीचे हो जाए, तो सुनामी आ सकती है।

इसी वजह से इंडोनेशिया में भूकंप, सुनामी और ज्वालामुखी विस्फोट का खतरा दुनिया के कई दूसरे देशों के मुकाबले ज्यादा रहता है।

तालिबान की पाबंदी: 22 लाख लड़कियों का भविष्य और दुनिया की चुप्पी

काबुल (एजेंसी)। अगस्त 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से तालिबान ने अफगानिस्तान में लड़कियों को कक्षा छह से आगे की शिक्षा से वंचित किया है। यह प्रतिबंध अब तक नहीं हटा है, इससे अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश बन गया है जहाँ लड़कियों और महिलाओं को माध्यमिक और उच्च शिक्षा से रोका गया है। करीब 22 लाख किशोरियाँ 1,800 दिनों से माध्यमिक शिक्षा से वंचित हैं।

इस पाबंदी के गंभीर परिणाम सामने आए हैं। यूनिसेफ के अनुसार, इन प्रतिबंधों से 2030 तक अफगानिस्तान में 20,000 महिला शिक्षकों और 5,400 स्वास्थ्यकर्मियों की कमी है। आर्थिक मोर्चे पर देश को हर साल अनुमानित 8.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो रहा है। सितंबर 2025 से तालिबान ने संयुक्त राष्ट्र के कार्यालयों में भी अफगान महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगा दी, और जनवरी 2026 में महिला सरकारी कर्मचारियों का कम किया गया वेतन भी बंद कर दिया गया।

इन पाबंदियों के बावजूद, अफगान महिलाएँ लगातार 'रोटी, काम, आज़ादी' के नारों के साथ विरोध प्रदर्शन करती रही हैं, हालाँकि उन्हें गिरफ्तारियों और यातनाओं का सामना करना पड़ा है। जहाँ खुले विरोध खतरनाक हो गए हैं, वहाँ महिलाओं ने घरों में भूमिगत स्कूलों का अनौपचारिक नेटवर्क बनाकर लड़कियों को शिक्षा प्रदान करने का बीड़ा उठाया है। मुझे सबसे ज्यादा परेशान यह बात करती है कि 1996 में भी ऐसी ही पाबंदी देखी गई थी, लेकिन इस बार दुनिया की विफलता जागरूकता की कमी के कारण नहीं है। हर कोई जानता है कि क्या हो रहा है, फिर भी तालिबान को इसकी कोई वास्तविक कीमत नहीं चुकानी पड़ी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में दोहा प्रक्रिया तालिबान से वार्ता कर रही है, जिसका उद्देश्य अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय में पुनः शामिल करना है। हालांकि, तालिबान के आग्रह पर महिलाओं और अफगान नागरिक समाज के समूहों को इन मुख्य वार्ताओं से बाहर रखा गया है। मेरी पीढ़ी के लिए स्थितियाँ बदल गई थीं, लेकिन इस पीढ़ी के लिए भी ऐसा होगा, इसकी गारंटी नहीं। अफगान महिलाएँ पिछले पाँच साल से लगातार संघर्ष करके यह दिखा रही हैं कि वे इस प्रतिबंध को कभी स्वीकार नहीं करेंगी।

ईरान ने कहा- होर्मुज छोड़िए खुद की सुरक्षा करे अमेरिका

–अमेरिका ने कहा था होर्मुज की करेंगे सुरक्षा

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी नियंत्रण स्थापित करने से जुड़े दावे के बाद ईरान और अमेरिका के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। ट्रंप ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान बयान दिया था कि ईरान को पूरी तरह परास्त करने के बाद अमेरिका इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को अपने क्षेत्र के रूप में घोषित करने की योजना रखता है। इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अमेरिकी नेतृत्व को इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य पर बेबुनियाद दावे करने के बजाय अपनी खुद की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भविष्य में फिर से किसी कैटरिंग ट्रक में छिपने जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

ईरान की ओर से यह तीखा ताना पिछले दिनों तुर्की दौरे से जुड़ी एक चर्चित मीडिया रिपोर्ट के संदर्भ में मारा गया है। दरअसल, कुछ समय पहले नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अंकारा से रवाना होते समय ट्रंप को लेकर सुरक्षा कारणों से रणनीति बदली गई थी। रिपोर्टों के अनुसार, उस वक्त एक बड़े विमान का उपयोग लोगों और मीडिया का ध्यान भटकाने के लिए किया गया था, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति को एक कैटरिंग यानी खाने वाले ट्रक के जरिए गुप्त रूप से दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया था। इस वाकये की याद दिलाते हुए ईरानी नेताओं ने अमेरिकी प्रशासन पर निशाना साधा है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिकी नियंत्रण के दावे को ईरान के उप विदेश मंत्री काजिम गरीबाबादी ने भी पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते पर किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट, युद्धपोत की तैनाती या चुनावी भाषण के बल पर कब्जा नहीं किया जा सकता। उन्होंने दो टूक कहा कि ईरान किसी भी प्रकार की विदेशी धमकी या शक्ति प्रदर्शन से डरने वाला नहीं है। वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिहाज से यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे अहम रास्तों में गिना जाता है, यही वजह है कि यहां जरा सा तनाव भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में खलबली मचा देता है। मामले के तूल पकड़ने के बाद व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का वह बयान केवल एक मजाक के रूप में दिया गया था। इसके बावजूद, ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज के सामरिक महत्व को लेकर चल रही इस तनातनी ने मध्य पूर्व में कूटनीतिक हलचल को काफी बढ़ा दिया है। दोनों पक्षों की ओर से आ रहे इन तीखे बयानों को भविष्य के रणनीतिक संघर्षों और क्षेत्रीय तनाव के रूप में देखा जा रहा है।

साल 2028 में पृथ्वी पर आएंगे एलियंस, टाइम ट्रेवलर का दावा

लंदन (एजेंसी)। हाल ही में डैरिल डीन नाम के एक शख्स ने खुद को साल 2033 से आया टाइम ट्रेवलर बताते हुए सनसनीखेज भविष्यवाणियां की हैं। डैरिल डीन का दावा है कि उसके पास भविष्य में होने वाली घटनाओं की एक पूरी टाइमलाइन मौजूद है और उसकी भविष्यवाणियां आने वाले समय में हर हाल में सच होकर रहेंगी। उसने पैरानॉर्मल रिसर्च से जुड़े लोकप्रिय एक टीवी चैनल पर बात करते हुए अपने दावों को सही ठहराने के लिए कई भविष्यवाणियों के बारे में बताया है।

डैरिल डीन का कहना है कि वह मूल रूप से साल 2033 का रहने वाला है और थोड़े समय के लिए ही वर्तमान समय में आया था। उसने कहा कि वह दुनिया के हर इंसान को यह समझाने नहीं आया है कि वह सच बोल रहा है, बल्कि वह सिर्फ उन लोगों से बात करना चाहता है जो उसकी बात को गंभीरता से सुनने के लिए तैयार हैं। कथित टाइम ट्रेवलर के अनुसार, भविष्य में कोई भी बड़ा या विनाशकारी युद्ध नहीं होगा। उसने दावा किया कि साल 2028 में एलियंस पृथ्वी पर आएंगे और वे अपने साथ शांति और समृद्धि का एक नया दौर लेकर आएंगे। एलियंस के आने के बाद इंसानों को यह अहसास होगा कि वे आपस में एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, जिससे पूरा विश्व एकजुट हो जाएगा और सभी मतभेद समाप्त हो जाएंगे। इसके अलावा डीन ने यह भी कहा कि 2033 तक दुनिया के सभी मौजूदा धर्म खत्म हो जाएंगे और पूरी मानव जाति सिर्फ एक धर्म को मानेगी।

हालांकि, इस शख्स ने नए धर्म के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया कि वह कैसा होगा या उसके सिद्धांत क्या होंगे। टाइम ट्रैवल की तकनीक को लेकर भी डैरिल डीन ने एक खुलासा किया है। उसका कहना है कि साल 2028 में इंसानों के सामने टाइम ट्रेवल तकनीक के राज से परदा उठा दिया जाएगा और इसी साल दूसरे ग्रहों के जीवों यानी एलियंस की सच्चाई भी दुनिया के सामने आ जाएगी। यह दावा भविष्य में मानवता के लिए एक नई दिशा का संकेत देता है। डीन ने तकनीक का जिक्र करते हुए कहा कि 2019 के अंत में 5जी वायरलेस नेटवर्क शुरू हुआ था, जिसने इंटरनेट स्पीड को तीन गुना बढ़ा दिया था। वहीं, उसने दावा किया कि आने वाले सालों में 6जी इंटरनेट की तकनीक को पूरी दुनिया के लिए पूरी तरह से मुफ्त कर दिया जाएगा। इसका मतलब यह होगा कि दुनिया के हर देश और दूरदराज के इलाकों में लोगों को मुफ्त वाई-फाई की सुविधा मिलने लगेगी, जिससे सूचना और संचार का एक नया युग शुरू होगा।

हालांकि, इस यूट्यूब वीडियो को देखने वाले ज्यादातर यूजर्स कथित टाइम ट्रेवलर के इन दावों से बिल्कुल भी सहमत नजर नहीं आ रहे हैं। कई लोगों ने वीडियो पर कमेंट करते हुए इसे पूरी तरह से फर्जी और कल्पना बताया है। वहीं, अन्य लोगों ने इसकी तुलना पुराने कथित टाइम ट्रेवलर नोआ से करते हुए कहा कि उसकी भविष्यवाणियां गलत साबित होने के बाद वह गायब हो गया था, और यह शख्स भी उसी की तरह झूठ बोल रहा है। मालूम हो कि भविष्य की दुनिया कैसी होगी और आने वाले सालों में इंसानी सभ्यता में क्या बड़े बदलाव होंगे, इसे लेकर अक्सर नई-नई थ्योरीज और दावे सामने आते रहते हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.